सुविचार
जिंदगी अगर अपने हिसाब से जीनी हैं तो कभी किसी के फैन मत बनो।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 27 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 306 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12
आगामी फिल्म द क्रू में करीना कपूर...

SHARE

संसेक्स	:	65,970.04
निफ्टी	:	19,794.70

SARAFA

सोना	:	5,870
चांदी	:	80.02

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

जम्मू में लश्कर-ए-तैयबा के तीन मददगार गिरफ्तार

JAMMU : जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के तीन मददगारों को बारामूला जिले से गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि झूला फुट ब्रिज के पास कलगाई में 13 सिखली, 185 बीएन बीएसएफ और बारामूला जिले की पुलिस टीम के साथ संयुक्त नाका चेकिंग के दौरान बैग लेकर आ रहे दो आतंकी सहयोगियों को रोका गया। उनकी तलाशी लेने पर दोनों से तीन चीनी ग्रेनेड और ढाई लाख रुपये की नकदी बरामद हुई। गिरफ्तार किए गए सहयोगियों की पहचान जमीर अहमद खांडे और मोहम्मद नसीम खांडे के रूप में हुई है।

सूबे के सरकारी स्कूलों में साल में 124 दिनों की छुट्टी

RANCHI : राज्य के स्कूलों में साल में 124 छुट्टियां हैं। वहीं, 242 दिनों का क्लास होता है। इन छुट्टियों में 52 रविवार की छुट्टी, 12 शनिवार की छुट्टी और साथ में गर्मी की छुट्टी और अन्य पर्याप्त त्योहार शामिल हैं। शिक्षा विभाग की ओर से जारी छुट्टियों के कैलेंडर में 60 दिनों की स्वीकृत छुट्टियां हैं। इस साल महीने के तीसरे सप्ताह के शनिवार को छुट्टी दी जाती है। इन 242 दिनों में सभी विद्यार्थियों का सिलेबस पूरा करवाया जाता है। झारखंड सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा 60 छुट्टियों की घोषणा की गई है लेकिन सभी जिलों में इन छुट्टियों को अलग दिनों में भी लिया जाता है। इसका निर्णय शिक्षक संघ द्वारा लिया जाता है। छुट्टियां अलग-अलग एडजेस्ट की जा सकती हैं लेकिन 60 से अधिक नहीं हो सकती हैं।

16 को सीएम आवास का घेराव करेंगे सहायक अध्यापक

RANCHI : टेट पास सहायक अध्यापकों की रविवार को राज्य स्तरीय बैठक नीलांबर पीतांबर पार्क में हुई। मौके पर प्रदेश संरक्षक प्रमोद कुमार ने बताया कि बैठक में वेतनमान को लेकर चर्चा हुई। बैठक में आंदोलन को तेज करते हुए सहमति बनी कि 16 दिसम्बर को पूरे झारखंड के टेट सफल सहायक अध्यापक मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। साथ ही आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में जो जिला में मुख्यमंत्री जाएंगे वहां के साथी उनका विरोध करेंगे। इसके अलावा झारखंड सरकार की और से आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम चल रही है । जिसका विरोध किया जाएगा। इसके लिए जिला कमेटी जिला में बैठक करते हुए तीन दिसम्बर को उपायुक्त एवं राज्य कमेटी अनुमंडल पदाधिकारी को चार दिसम्बर को लिखित रूप से देंगे।

टनल में वर्टिकल ड्रिलिंग हुई शुरू

रुकावट नहीं आई तो 4 दिन में मजदूरों तक पहुंचने की उम्मीद

- अब तक 19.2 मीटर से ज्यादा हुई खुदाई
- खुदाई के दौरान बड़ी मात्रा में मलबा गिरने की आशंका

AGENCY UTTERKASHI : उत्तरकाशी की सिल्क्यारा टनल में फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने के लिए शुक्रवार (24 नवंबर) से बंद पड़ा रेस्क्यू वर्क रविवार को फिर शुरू हो गया है। मजदूरों तक पहुंचने के लिए अब पहाड़ की चोटी से वर्टिकल ड्रिलिंग की जा रही है। अब तक 19.2 मीटर से ज्यादा खुदाई हो चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि अगर कोई रुकावट नहीं आई तो हम 100 घंटे यानी 4 दिन में मजदूरों तक पहुंच जाएंगे। वर्टिकल ड्रिलिंग के तहत पहाड़ में ऊपर से नीचे की तरफ बड़ा होल करके रास्ता बनाया जाएगा। हालांकि इसमें काफी खतरा है, क्योंकि खुदाई के दौरान बड़ी मात्रा में मलबा गिरने की आशंका है। ड्रिलिंग में कितना समय लगेगा, इस बारे में भी कुछ नहीं कहा गया है। टनल में फोन की लैंडलाइन भी डाली जाएगी। इससे मजदूर अपने परिवार से बात कर सकेंगे। टनल में फंसे मजदूरों तक पहुंचने में कामयाबी न मिलने के बाद प्लान बी के तहत वर्टिकल ड्रिलिंग की योजना बनाई गई थी। इस काम को सतलुज विद्युत निगम लिमिटेड (एसवीएनएल) अंजाम दे रहा है। इससे पहले बॉर्डर रोड ऑर्गेनाईजेशन (बीआरओ) के जवानों ने पेड़ काटकर पहाड़ की चोटी तक भारी मशीनरी ले जाने का रास्ता तैयार किया था। दरअसल, 21 नवंबर से सिल्क्यारा की तरफ से टनल में हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग की जा रही थी। इसमें काफी हद कामयाबी मिली। 60 मीटर के हिस्से में से 47 मीटर तक ड्रिलिंग के जरिए पाइप डाला जा चुका है। मजदूरों तक करीब 10-12 मीटर की दूरी रह गई थी, लेकिन शुक्रवार शाम को ड्रिलिंग मशीन के सामने सरिए आ जाने से ड्रिलिंग मशीन की शाफ्ट उसमें फंस गई। जब मशीन से और प्रेशर डाला गया तो शाफ्ट टूट गई।

वर्टिकल ड्रिलिंग करती मशीन।

चट्टानों का हो रहा परीक्षण

वर्टिकल ड्रिलिंग शुरू करते ही अधिकारियों ने चट्टानों का परीक्षण करना शुरू कर दिया है। वहीं, विदेशी विशेषज्ञ ने कहा है कि रेस्क्यू में एक महीने तक का समय लग सकता है। गौरतलब है कि सिलक्यारा में धंसी निमार्णाधीन सुरंग में ड्रिल करने में इस्तेमाल की जा रही ऑगर मशीन के ब्लेड बीते शुक्रवार रात मलबे में फंस गए थे। गौरतलब है कि टनल में फंसे श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए कई टीमों को लगाया गया है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स का कहना है कि अब तक की प्रगति शानदार है। प्लाज्मा कटर से मलबे में फंसे ऑगर मशीन के हिस्सों को निकालने की प्रक्रिया जारी है। ऑगर जिस जगह फंसा है उसे वहां से पूरी तरह बाहर निकालने के लिए काम चल रहा है।

मैन्युअल ड्रिलिंग के लिए सेना को बुलाया

टनल में फंसे मजदूरों तक पहुंचने के लिए अमेरिकन ऑगर मशीन के जरिए खुदाई करके रेस्क्यू पाइप डाले जा रहे थे। शुक्रवार को मजदूरों की लोकेशन से महज 10 मीटर पहले मशीन की ब्लेड्स टूट गई थीं। इस वजह से रेस्क्यू रोकना पड़ा था। इसके बाद मशीन के बजाय मैन्युअल ड्रिलिंग कराने का फैसला किया गया। मैन्युअल ड्रिलिंग के लिए सेना को बुलाया गया है। मैन्युअल ड्रिलिंग से पहले ऑगर मशीन के फंसे हुए शाफ्ट और ब्लेड्स को निकालना होगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर मशीन के टुकड़े सावधानी से नहीं निकाले गए तो इससे सुरंग में बिछाई गई पाइपलाइन टूट सकती है। इसके लिए हैदराबाद से प्लाज्मा कटर मंगाया गया है। सिल्क्यारा सुरंग में पानी के रिसाव का खतरा बढ़ गया है। शनिवार को सुरंग के मुहाने के पास से ही पानी निकलता नजर आया। रेस्क्यू टीम और एक्सपर्ट्स इससे ऑपरेशन में मुश्किल आने की बात कह चुके हैं। वहीं, पानी के साथ मिट्टी के गीले होने पर सुरंग में मलबा धंसने की आशंका भी जताई गई थी।

चीन में रहस्यमयी बीमारी भारत में एडवाइजरी जारी

NEW DELHI : चीन की रहस्यमयी बीमारी पर भारत सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पब्लिक हेल्थ सिस्टम को अपडेट करने के लिए कहा है। इसके अलावा किसी बड़ी बीमारी के फैलने को लेकर अस्पतालों में तैयारी करने के लिए भी कहा गया है। वहीं, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने भी चिंता जाहिर करते हुए चीन से इस बीमारी से जुड़ी जानकारी मांगी है। 24 नवंबर को हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया था कि वो चीन में फैल रही रहस्यमयी बीमारी पर नजर रख रही है। हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा था- चीन में बच्चों में एच9एच2 मामलों और सांस से जुड़ी बीमारी के फैलने की बारीकी से निगरानी की जा रही है। वहीं, चीनी अधिकारियों का कहना है कि मार्च तक इस बीमारी का खतरा ज्यादा है। इसके अलावा अधिकारियों ने कोविड-19 संक्रमण के फिर से बढ़ने के खतरे को लेकर भी चेतावनी दी है। दरअसल, 23 नवंबर को चीनी मीडिया ने स्कूलों में एक रहस्यमय बीमारी फैलने की बात कही थी। पीड़ित बच्चों में फेफड़ों में जलन, तेज बुखार, खांसी और जुकाम जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। बीमारी को फैलने से रोकने के लिए स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। रहस्यमयी बीमारी के चलते चीन की राजधानी बीजिंग और उसके 500 मील (करीब 800 किमी) के दायरे में सभी अस्पताल मरीजों से भर गए हैं।

ट्रेलर ने बाइक सवारों को रौंदा, मां-पिता-बेटे की मौत

लातेहार में दर्दनाक हादसा, उजड़ गया हंसता-खेलता परिवार

- तीन साल की बिटिया भी गंभीर, रिम्स रेफर
- स्क्रैप लेकर जा रहे ट्रेलर ने बाइक को लिया चपेट में
- पल्सर बाइक से अनगड़ा स्थित अपने घर जा रहा था पूरा परिवार

PHOTON NEWS LATEHAR : झारखंड के लातेहार जिले के बालूमाथ-रांची एनएच-22 मुख्य पथ पर चितरपुर ग्राम के समीप रविवार को हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गयी। अभिजीत ग्रुप पावर प्लांट से स्क्रैप लेकर जा रही ट्रेलर ने बाइक सवार को रौंद दिया। इससे तीन लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक बच्ची घायल हो गयी है। मिली जानकारी के अनुसार विजय गंझू (27 वर्ष) पिता बुधन गंझू एवं उसकी पत्नी देवंती देवी (24 वर्ष) एवं उसका पुत्र अमृत गंझू (8 वर्ष) की मौत हो गयी, जबकि विजय गंझू की छोटी पुत्री अंकिता कुमारी (तीन वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गयी है। घायल अंकिता कुमारी को रिम्स ले जाने में बालूमाथ थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो ने आर्थिक मदद की। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बाइक को 100 मीटर तक घसीटता रहा ट्रेलर चालक

बताया जा रहा है कि विजय गंझू हेरहंज के हूरटांड़ अपनी ससुराल से पल्सर मोटरसाइकिल (जेएच08ई0102) पर सवार होकर अपने घर अनगड़ा, दामोदर थाना चंदवा जा रहा था। इसी दौरान अभिजीत ग्रुप पावर प्लांट से स्क्रैप लेकर जा रही ट्रेलर (पीबी 11सीक्यू 8573) ने मोटरसाइकिल को रौंद दिया। इससे विजय गंझू एवं उसका पुत्र अमृत गंझू की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। ट्रेलर चालक हादसे के बाद रुका नहीं, बल्कि मोटरसाइकिल सवारों को धक्का मारने के बाद लगभग 100 मीटर तक घसीटकर आगे ले गया। घटना की सूचना पाकर बालूमाथ थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार महतो दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे व घायल अंकिता कुमारी एवं देवंती देवी को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां चिकित्सक डॉ ध्रुव कुमार द्वारा देवंती देवी को मृत घोषित कर दिया गया।

रांची में खीस्त राजा की निकाली गई शोभायात्रा

संत मरिया महागिरजा चर्च से रविवार को हजारों मसीही विश्वासियों ने यीशु मसीह की याद में खीस्त राजा महापर्व पर्व पर विशाल शोभायात्रा निकाली। इस दौरान पुरुलिया रोड स्थित उर्सलाइन कान्वेंट स्कूल के सामने यीशु मसीह की प्रतिमा स्थापित की गई थी। मसीह समाज के लोगा सत्य भारती, मनरेसा साउथ संत जेवियर कालेज, संत जोन, संत अलोइस स्कूलों में बैनर लगाकर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। खीस्त राजा की शोभायात्रा से पहले दोपहर 12 और 12.30 बजे महागिरजा चर्च का दो बार घंटा बजाया गया।

पेज 03 पर पढ़े पूरी खबर

संविधान दिवस पर बोले सीजेआई चंद्रचूड़

कोर्ट जाने में डरें नहीं, इसे आखिरी विकल्प न बनाएं

AGENCY NEW DELHI : चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जनता की अदालत के रूप में काम किया है, इसलिए जनता को अदालतों में जाने से डरना नहीं चाहिए। न ही इसे आखिरी ऑप्शन के रूप में नहीं देखना चाहिए। देश की हर अदालत में आने वाला हर केस संवैधानिक शासन का ही विस्तार है। सीजेआई सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस पर चल रहे एक इवेंट में बोल रहे थे। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उद्घाटन भाषण दिया। इवेंट में जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद रहे। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि अदालतें अब अपनी कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग कर रही हैं और यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि लोगों को पता चले कि कोर्ट के बंद कमरों के अंदर क्या हो रहा है।

तेलंगाना में आठ हजार किसानों ने दी जान : राहुल

HYDERABAD : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को तेलंगाना के अंडोल विधानसभा क्षेत्र में पार्टी की 'विजयभेरी सभा' में राज्य की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले आठ वर्षों में बीआरएस शासनकाल में तेलंगाना में आठ हजार किसानों ने आत्महत्याएं कीं। राहुल ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि जमीन, रेत, खदानें, शराब सब राव परिवार के हाथों में हैं। परीक्षा के पेपर लीक होने से कई युवाओं को नुकसान हुआ है। कालेश्वरम परियोजना में करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार हुआ था। क्या केसीआर हमें बताएंगे कि उनकी सरकार ने अब तक क्या किया है?

छत्तीसगढ़-एमपी-राजस्थान में 'इंडिया' का होगा सफाया

तेलंगाना के तूपरान में सार्वजनिक रैली के दौरान पीएम ने विपक्ष पर किया कटाक्ष

AGENCY HYDERABAD : तेलंगाना के तूपरान में एक सार्वजनिक रैली के दौरान पीएम मोदी ने कांग्रेस और बीआरएस पर जमकर हमला किया। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस हो या बीआरएस उनकी पहचान भ्रष्टाचार, परिवारवाद और खराब कानून व्यवस्था है। वे एक-दूसरे की कार्बन कॉपी हैं। सभा में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) का सफाया हो जाएगा। बता दें, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव संपन्न हो गये हैं।

तेलंगाना के तूपरान में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते पीएम मोदी।

बीआरएस-कांग्रेस को बताया कार्बन कॉपी

केसीआर पर हमला करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि क्या तेलंगाना को ऐसे मुख्यमंत्री की जरूरत है जो लोगों से नहीं मिलते। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हो या बीआरएस उनकी पहचान भ्रष्टाचार, परिवारवाद और खराब कानून व्यवस्था है। पीएम मोदी ने कांग्रेस और बीआरएस को एक-दूसरे की कार्बन कॉपी कहा है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और केसीआर एक समान हैं। बता दें, तेलंगाना में 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। मतगणना तीन दिसंबर को होगी। तेलंगाना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभा में बोलते हुए कहा कि भारत खुद को विश्वमित्र के रूप में देखता है और दुनिया इसे अपना मित्र कहती है।

मन की बात में पीएम ने मुंबई आतंकी हमले का किया जिक्र

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार पूर्वाह्न 11 बजे देशवासियों के साथ 'मन की बात' साझा की। उन्होंने कहा, 'आज के ही दिन देश पर सबसे जघन्य आतंकी हमला हुआ था। ये भारत का सामर्थ्य है कि हम उस हमले से उबरे। अब पूरे हौसले के साथ आतंक को कुचल भी रहे हैं। मुंबई हमले में अपना जीवन गंवाने वाले सभी लोगों को मैं श्रद्धांजलि देता हूं। इस हमले में हमारे जो जांबाज वीरगति को प्राप्त हुए, देश उन्हें आज याद कर रहा है।' यह 'मन की बात' का 107 वां संस्करण था।

मुंबई में शामिल हुए हार्दिक पंड्या, गुजरात टाइटंस और मुंबई इंड्यिंस के बीच हुई डील

महेंद्र सिंह धोनी इस सीजन भी चेन्नई के कप्तान

आईपीएल 2024

AGENCY MUMBAI : स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या इंडियन प्रीमियर लीग-2024 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते नजर आएंगे, जबकि पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इस सीजन में भी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कप्तानी करेंगे। आईपीएल फ्रेंचाइजी कंपनियों ने अगले सीजन के लिए अपने रिटेन और रिलीज्ड खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर दी है। रविवार को रिटेन और रिलीज विंडो की आखिरी डेट थी। आरसीबी ने जोश हेजलवुड और वानिंदु हसरंगा, सीएसके ने अंबाती रायडू, केकेआर ने शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव और लॉकी फर्ग्यूसन और मुंबई इंडियंस (एमआई) ने जोफ्रा आर्चर को रिलीज किया है। इन सभी को 19 दिसंबर को होने जा रहे ऑक्शन में उतरना पड़ेगा। कोलकाता नाइट राइडर्स ने सबसे ज्यादा 12 खिलाड़ी और पंजाब किंग्स ने सबसे कम 5 खिलाड़ियों को रिलीज किया। इंग्लिश क्रिकेटर बेन स्टोक्स और जो रूट पहले ही खेलने से मना कर चुके हैं।

महेंद्र सिंह धोनी (सीएसके)

हार्दिक पंड्या (एमआई)

पंड्या को लेकर 2-3 दिन में ऐलान

गुजरात फ्रेंचाइजी के टॉप मैनेजमेंट से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि दो-तीन दिन में पंड्या को लेकर ऐलान हो सकता है। वहीं, क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज ने लिखा है कि हार्दिक पंड्या को लेकर मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के बीच रविवार को डील साइन हो चुकी है। यह ऑल कैश डील है, यानी कि इसमें कोई खिलाड़ी इनवॉल्व नहीं होगा। हालांकि, बीसीसीआई ने अब तक इस डील पर मुहर नहीं लगाई है।

सीएसके ने रायडू, प्रिटोरियस और जेमिसन को किया रिलीज

डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने बेन स्टोक्स, अंबाती रायडू, डेवोन प्रिटोरियस, काइल जेमिसन और सिसांडा मगाला जैसे खिलाड़ियों को रिलीज किया है।

आरआर ने रूट, होल्डर और मैकॉय को किया रिलीज

राजस्थान रॉयल्स की टीम ने अगले सीजन के लिए जो रूट, जेसन होल्डर और ओवेड मैकॉय को रिलीज किया है, जबकि कप्तान संजू सैमसन, शिमोरन हेटमायर और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी उसकी रीटेन लिस्ट में हैं।

केकेआर ने 12 खिलाड़ी रिलीज किए, 6 विदेशी-6 भारतीय खिलाड़ी

केकेआर ने अपने 12 खिलाड़ियों को रिलीज किया है, इनमें 6 विदेशी और 6 भारतीय खिलाड़ियों के नाम हैं। कोलकाता ने शाकिब अल हसन, लिट्टन दास, डेविस वीसा, लॉकी फर्ग्यूसन, जॉनसन चार्ल्स और टिम साउदी जैसे विदेशी खिलाड़ियों को रिलीज किया है। फ्रेंचाइजी के रिलीज भारतीय खिलाड़ियों में आर्या देसाई, नारायण जगदीशन, मंदीप सिंह, कुलवंत खेजरोलिया, शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव शामिल हैं।

ओटीटी की फिल्मों व सीरीज पर सेंसरशिप बनेंगे कड़े नियम

NEW DELHI : अमेजन प्राइम, नेटफ्लिक्स, डिज्नी हॉटस्टार जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म जल्द ही सेंसरशिप के दायरे में होंगे। दरअसल, केंद्र सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय ने नए ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेज बिल का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इसमें ओटीटी, सैटेलाइट केबल टीवी, डीटीएच, आईपीटीवी, डिजिटल न्यूज और करेंट अफेयर्स के लिए भी नए नियम बनाए जा रहे हैं। इसके बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म ब्रॉडकास्टिंग नेटवर्क ऑपरेटर कहलाएंगे। यदि कोई ऑपरेटर या ब्रॉडकास्टर नियमों को नहीं मानता है, तो सरकार उस कंटेंट को संशोधित करने, डिलीट करने या तय घंटों तक ऑफ एयर रहने से लेकर संबंधित प्लेटफॉर्म पर पाबंदी भी लगा सकती है। नए नियमों के तहत ओटीटी चैनल को सरकार के पास रजिस्ट्रेशन कराना होगा। सब्सक्राइबर बेस बताना होगा। ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए कड़े कानून लागू होने से उनकी लागत बढ़ेगी।

भीड़ ने 2 फिलिस्तीनियों को मारकर खंभे पर लटकाया

इजराइल के लिए जासूसी करने का आरोप

AGENCY GAJA : वेस्ट बैंक में शुक्रवार की रात भीड़ ने 2 फिलिस्तीनियों को गोली मारकर बिजली के खंभे से लटका दिया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक उन पर इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप लगे थे। एक फिलिस्तीनी पत्रकार ने टाइम्स ऑफ इजराइल को बताया कि भीड़ ने पहले तो दोनों को पीटा, उन्हें गोली मारी और उनके शवों को लातें मारीं। सोशल मीडिया पर इसके वीडियो वायरल हुए हैं। इनमें सैकड़ों लोग दिखाई दे रहे हैं। जबकि कुछ लोग मारे गए फिलिस्तीनियों को बिजली के खंभे पर लटका रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ लोगों ने दोनों फिलिस्तीनियों को इजराइली इंटेलिजेंस के लोगों से मिलते देखा था। आरोप है कि उन्हें इंटेलिजेंस शेयर करने के बदले हजारों डॉलर भी दिए गए थे। मारे जाने के बाद भीड़ ने उनके शवों को खंभे से उतारकर कचरे में फेंक दिया।

इजराइल पर सीजफायर की शर्तें नहीं मानने का आरोप

सीजफायर के दूसरे दिन हमास ने बंधकों के दूसरे बैच की रिहाई टाल दी थी। अलजजीरा के मुताबिक हमास का कहना है कि इजराइल जरूरत का सामान लेकर पहुंचे ट्रकों को गाजा में एंट्री दे। साथ ही गोलीबारी रोके। उधर हमास ने इजराइल पर सीजफायर की शर्तें नहीं मानने का भी आरोप लगाया है। दरअसल, गाजा की हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा कि युद्धविराम के बीच इजराइली सेना ने सेफ कॉरिडोर से गुजर रही मेडिकल टीम पर हमला किया। इस दौरान रेस्क्यू के लिए पहुंचा एक शख्स घायल हो गया। उसे गोली लगी।

BRIEF NEWS

जाली नोट के साथ युवक गिरफ्तार

KODERMA : मरकच्चो थाना क्षेत्र के नावाडीह न.1 सप्ताहिक बाजार में रविवार को जाली नोट के साथ एक युवक को खरीदारी करते हुए सब्जी विक्रेता ने ग्रामीणों के सहयोग से धर दबोचा था। युवक के पास से छह जाली पचास के नोट बरामद किया गया था। मामले में मरकच्चो थाना में मामला दर्ज करते हुए प्राथमिक अभियुक्त सूरज कुमार राणा (21) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस संबंध में थाना प्रभारी लव कुमार ने बताया कि मामले को लेकर गहन छानबीन की जा रही है।

काटमकुली पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार कार्यक्रम का आयोजन

RANCHI : आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन कांके प्रखंड के काटमकुली पंचायत में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अंचल अधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी जय कुमार राम, प्रखण्ड प्रमुख सोमनाथ मुंडा, उपप्रमुख अजय बैठा ने संयुक्त रूप से किया। अंचल अधिकारी ने कार्यक्रम की जानकारी विस्तार से उपस्थित ग्रामीणों को दी। प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा की पहले ग्रामीणों को अपने छोटे बड़े कार्य को लेकर प्रखंड अंचल जाना पड़ता था इस तरह के कार्यक्रम आयोजन से प्रखंड स्तर के सभी विभाग पंचायत तक आकर आम लोगो का कार्य कर रहे, शिविर में ग्रामीणों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। उपप्रमुख अजय बैठा ने कहा की ग्रामीणों का कार्य कार्यक्रम स्थल में ही ऑन द स्पॉट होने से ग्रामीणों को अनावश्यक भाग दौड़ से बचना पड रहा है और ग्रामीण इस तरह के कैंप का भरपूर फायदा उठाएं। आज के कैंप में प्रखंड अंचल के सभी विभाग के स्टाल लगाया गया था साथ सभी विभागीय पदाधिकारी के साथ प्रखंड अंचल के कर्मी उपस्थित थे।

प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रताप टोप्पो का निधन

LATEHAR : जिले के गारू प्रखंड में पदस्थापित प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रताप टोप्पो की मौत शनिवार की रात इलाज के दौरान वेल्लोर में हो गई। वे कैंसर से पीड़ित हो गए थे।वेल्लोर में उनका पिछले 15 दिनों से इलाज चल रहा था। शनिवार की रात उन्होंने अंतिम सांस ली। प्रताप टोप्पो की मौत की पुष्टि लातेहार उपायुक्त हिमांशु मोहन ने की है। जानकारी के अनुसार प्रताप टोप्पो लातेहार जिले के गारू प्रखंड के अलावे सरयू प्रखंड के भी बीडीओ के प्रभार में कार्यरत थे। उनके पीठ में एक जख्म हो गया था ।जो कैंसर का रूप धारण कर लिया था।इसी का इलाज कराने वेल्लोर गए थे ,जहां इलाज का दौरान उनकी मौत हो गई। इधर प्रताप टोप्पो के निधन की खबर सुनने के बाद लातेहार समाहरणालय में शोक सभा का आयोजन किया गया।

विधायक ढुल्लू महतो की तबीयत बिगड़ी, हैदराबाद रेफर

DHANBAD : बाघमारा के भाजपा विधायक ढुल्लू महतो की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें धनबाद के निजी अशर्फी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें हैदराबाद रेफर कर दिया। बताया जाता है कि विधायक ढुल्लू महतो को पेट दर्द और बेचैनी की शिकायत हुई। उनके समर्थक उन्हें आनन-फानन में लेकर अशर्फी अस्पताल पहुंचे। जानकारी मिलने पर उनके कई समर्थक और परिजन अस्पताल पहुंच गए। समर्थकों की भीड़ अस्पताल के बाहर जुट गई। समर्थक और परिजन विधायक का हाल जानने के लिए आतुर थे।

टनल में फंसे खूंटी के मजदूरों के परिवार को भाजपा ने दी राहत सामग्री

KHUNTI : उत्तराखंड के उत्तर काशी जिले के टनल में फंसे तोरपा विधानसभा क्षेत्र के दो मजदूरों के परिवार वालों से तोरपा के विधायक कोचे मुंडा और भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शशि भूषण भगत, खूंटी के जिलाध्यक्ष और नेताओं ने मुलाकात की और उन्हें राहत सामग्री उपलब्ध कराई। विधायक और भाजपा नेता रविवार को डुमारी गांव पहुंचे और पिछले 15 दिनों से टनल में फंसे चमरा उरांव के घर जाकर उसकी मां बुधनी उराइन और पत्नी रेखा देवी और अन्य स्वजनों से मुलाकात की और उन्हें ढाढ़स बंधाया। विधायक ने कहा कि उत्तराखंड की ही नहीं, केंद्र सरकार भी टनल में फंसे सभी मजदूरों को सकुशल निकालने के लिए रात-दिन काम कर रही है।

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ एतवारी छठ संपन्न

दूध तथा जल से दिया अर्घ्य, मांगी मनोकामना

PHOTON NEWS KODERMA : जिले के जयनगर प्रखंड के साथ ही अन्य प्रखंडों के विभिन्न गांवों में लोक आस्था से जुड़ा एतवारी छठ की अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया।

विभिन्न छठ घाटों में काफी भीड़ का माहौल था। आस्था से परिपूर्ण लोगों के अंदर धार्मिक गुणों का संचार के साथ सनातन धर्म के प्रति आस्था और विश्वास कूट-कूट कर दिखाई दे रही थी। अस्त होते हुए सूर्य को अर्घ देने का उत्साह सभी छठ व्रतियों में देखने को मिल रहा था। यहां तक कि बच्चे बूढ़े जवान सभी छठ घाटों पर शांतिपूर्ण ढंग से पूजा अर्चना कर रहे थे। सूर्य भगवान अस्ताचलगामी हुए, लोगों ने दूध तथा पवित्र जल से अर्घ्य देकर सूर्य देव को प्रसन्न किया व अपनी मनोकामना मांगी।

इधर, प्रशासन की ओर से विभिन्न छठ घाटों पर शांतिपूर्ण ढंग से छठ त्योहार को लेकर पुलिस बल जगह-जगह पर तैनात किए गए थे। पूरे जयनगर प्रखंड में एतवारी छठ का त्योहार हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार, जयनगर थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार राणा, पुलिस अवर निरीक्षक अमित कुमार, सुनील पासवान, पंचम तिग्गा एवं पुलिस बल के द्वारा क्षेत्र में गहन पेट्रोलिंग किया गया। मरकच्चो और डोमचांच प्रखंड के दर्जनों नदी, तालाबों और पोखरों में रविवार को सैकडों की संख्या में छठ व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया।

मान्यता है कि जो महिला छठ महापर्व की हैं वो प्रथम इतवार को भी 24 घंटे का उपवास रखकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देती हैं। इससे पूर्व खरना भी करती हैं तथा प्रत्येक कार्य छठ महापर्व की तरह ही किया जाता है। इतवार छठ करने से व्रती को सुहागन व धन, वंश, वैभव आदि की प्राप्ति होती है।

छठे वेतन विसंगति के निराकरण को लेकर विकास आयुक्त की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी गठित

PHOTON NEWS RANCHI : योजना सह वित्त विभाग के द्वारा छठे पुनरीक्षित वेतनमान के परिपेक्ष में पूर्व से पदस्थापित झारखंड सचिवालय के सहायक/निजी सहायक के मूल कोटि के कर्मियों के वेतन निर्धारण हेतु न्यूनतम वेतन रुपए 18460.00 की स्वीकृति के संबंध में लिए गए निर्णय की अनुमान्यता की जांच एवं निर्धारित किए जाने वाले वेतन के संबंध में मंतव्य के लिए वित्त विभागीय कार्यालय द्वारा वित्त विभाग अंतर्गत एक समिति का गठन किया गया था, परंतु उक्त समिति द्वारा इस पर अंतिम निर्णय नहीं लिया जा सका। वस्तुत संदर्भित मामले पर स्पष्ट अनुशंसा हेतु निम्न रूपेण समिति का गठन किया जाता है। अरुण कुमार सिंह विकास आयुक्त झारखंड सरकार कमिटी के अध्यक्ष, अपर मुख्य सचिव/ प्रधान सचिव/ सचिव, वित्त विभाग_ सदस्य, अपर मुख्य सचिव/ प्रधान सचिव/ सचिव, कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग_ सदस्य, अपर मुख्य सचिव/ प्रधान सचिव/ सचिव,योजना एवं विकास विभाग सदस्य ,विशेष सचिव, वित्त विभाग सदस्य सचिव को बनाया गया है। समिति द्वारा समिति द्वारा छठे वेतन पुंडरीक्षण के परिपेक्ष में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णय तथा छठे वेतन पुनरीक्षण के परिपेक्ष में वित्त विभाग झारखंड द्वारा लिए गए निर्णय के आधार पर अनुमंता की जांच एवं तदनुसार निर्धारित किए जाने वाले वेतन के संबंध में मंतव्य गठित कर स्पष्ट अनुशंसा की जाएगी।

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ झारखंड प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद बताया कि छठे वेतनमान में प्रारंभिक शिक्षकों के वेतन निर्धारण में आरंभिक वेतन विसंगति का निराकरण करने की मांग को समय समय पर कई बार वित सचिव अजय कुमार सिंह से मिला गया। वित सचिव को बताया कि जनवरी 2006 से छठे वेतनमान में शिक्षकों का वेतन पुनरीक्षण करते समय सरकार के संकल्प के अनुसार वेतन निर्धारण नहीं किया गया जिसके परिणामस्वरूप जनवरी 2006 के पूर्व से कार्यरत शिक्षकों का न्यूनतम आरंभिक वेतन संकल्प में स्वीकृत वेतन से कम पर निर्धारित कर दिया गया, इस कारण जनवरी 2006 के पूर्व से कार्यरत शिक्षकों के वेतन निर्धारण की विसंगति बनी रही।

शिक्षकों ने वित सचिव को यह भी बताया कि साद्दष्य विसंगति सचिवालय सहायक संवर्ग में भी थी, जिसका निराकरण 2019 में कर दिया गया लेकिन शिक्षकों के विषय को नजरंदाज कर दिया गया, संघ ने वित्त सचिव से शिक्षकों का पुनरीक्षित आरंभिक वेतन विसंगति का निराकरण 2006 से करने की मांग के पक्ष में विस्तृत तथ्य सहित पूर्व में अलग पत्र सौंपा, गया है।

संघ के मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने बताया कि वेतन विसंगति मामले को लेकर 29 सितंबर को वित्त विभाग कमेटी गठित की गई है परंतु आज तक एक भी बैठक अभी तक नहीं हो पाई संघ ने मांग की है कि समय रहते प्रारंभिक शिक्षकों की वेतनविसंगति मामले को दूर किया जाए।

गैस सिलेंडर लदा ट्रक पलटा एक युवक की मौत, तीन घायल

बाइक से लौटते वक्त ट्रक की चपेट में आया युवक, इलाज के दौरान मौत

PHOTON NEWS GODDA : गोड्डा से तेज रफ्तार आ रहे गैस सिलेंडर से लदा ट्रक ललमटिया के सिदो-कान्हू चौक पर रविवार को पलट गया। इस हादसे में एक पारा शिक्षक प्रेम कुमार पवन (40) की मौत हो गई है, जबकि ट्रक चालक सहित तीन गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद बिखरे पड़े सिलेंडर। ● फोटोन न्यूज

दुर्घटना में घायल ठाकुरगंगटी थाना क्षेत्र के कोलबड्डा गांव के निवासी पारा शिक्षक प्रेम कुमार पवन बाइक से ललमटिया से आ रहे थे। उसी दौरान ट्रक की चपेट में आ गए। उन्हें सिर पर गंभीर चोट लगी थी। स्थानीय लोगों ने उन्हें इलाज के लिए महागामा रेफरल अस्पताल भेजा, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, ट्रक चालक पटना (बिहार) के विकास कुमार (25), डकैता गांव के अमन किस्कू (20) और इस्लामपुर निवासी मुन्ना अंसारी (26) गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

घटना के बाद ललमटिया चौक पर मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता दिलदार अंसारी, थाना प्रभारी प्रदीप कुमार दास, पुलिस अवर निरीक्षक जितेंद्र वर्मा दलबल के साथ घटनास्थल पहुंचकर ट्रक में दबे चालक विकास कुमार को निकाला। घायल चालक एवं डकैता गांव के अमन किस्कू को बेहतर इलाज के लिए गोड्डा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना में चौथे घायल मुन्ना अंसारी को मिशन अस्पताल भेजा गया है।

घटना के संबंध में प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि रविवार सुबह गोड्डा से गैस सिलेंडर लेकर तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ललमटिया के सिदो-कन्हू चौक पर असंतुलित होकर पलट गया, जिसमें ट्रक चालक गाड़ी के अंदर ही फंस गया।

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया रोड जाम

पारा शिक्षक प्रेम कुमार पवन उर्फ पवन महतो के मौत की सूचना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों एवं स्वजनों के द्वारा ललमटिया-बाराहाट मेन रोड को ललमटिया के पास जाम कर दिया। मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीण अड़े हुए थे। बाद में पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद जाम हटाया गया।

गैरकानूनी दो आरा मिल और लकड़ी जब्त

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : हजारीबाग जिले के कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र के ढौठवा पंचायत के कोनहर गांव में छह ट्रैक्टर लकड़ी का बोटा को जब्त कर अवैध रूप से संचालित दो मिनी आरा मिल को ध्वस्त करते हुए वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है।

वन विभाग के अधिकारी दलबल के साथ रविवार सुबह लगभग पांच बजे पश्चिमी सहायक वन संरक्षक प्रमंडल पदाधिकारी एके अविनाश परमार के नेतृत्व में छापेमारी अभियान शुरू किया।

आरा मील से जब्त लकड़ियां। ● फोटोन न्यूज

अभियान में दो मिनी आरा मिल, छह ट्रैक्टर विभिन्न प्रजाति के लकड़ी के बोटा, एक जनरेटर व बड़ी मात्रा में चीरा हुआ लकड़ी जब्त किया।

सहायक वन संरक्षक प्रमंडल पदाधिकारी ने बताया कि कोनहर में अवैध रूप से दो आरा मिल चलाने वालों में कोनहर निवासी कमलेश राणा, दिनेश राणा, अजय राणा, संतोष राणा व मनोज राणा के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। अभियान में वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी सत्येंद्र चौधरी, बरही वन पाल अमर आनंद, वन रक्षी सह प्रभारी वनपाल कटकमसाडी सुजीत टोप्पो, वनरक्षी गोपी पासवान, चेतन राम, निचित महतो, प्रभात लकड़ा, महेश दास, विद्या भूषण, नितिश कुमार महतो, होमगार्ड के जवान व अन्य वन कर्मी शामिल थे।

चोरी के आरोपी मां-बेटा गिरफ्तार

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जुगसलाई थाना पुलिस ने चोरी के आरोप में मां-बेटा को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से नकदी समेत चोरी की ज्वेलरी भी बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपियों में जुगसलाई थाना क्षेत्र के पंछी मोहल्ला के पुरानी बस्ती रोड निवासी अजहर इमाम उर्फ पॉकेट मार उर्फ पीएम (23) और उसकी मां नाईमा खातुन शामिल हैं।

आरोपियों की निशानदेही पर कुल 29,990 नकदी, तीन मोबाइल, चार सोने का हार, दो सोने का चेन, एक जोड़ी सोने का बाला, एक सोने का मांग टीका, एक सोने का सिक्का, एक सेट सोने का बाली, आठ सेट सोने का कानबाली, छह सेट सोने का अंगूठी, एक सोने का पेनडेंट, एक सोने का नाक का नथुनी, एक सोने का नाक का कांटा, 19 पीस चांदी का सिक्का, एक चांदी का झुनझुना सहित अन्य समान पुलिस ने बरामद किया है।

पुलिस ने रविवार को बताया कि रामटेकरी रोड के रहने वाले अनिल कुमार अग्रवाल के लिखित आवेदन के आधार पर अज्ञात आरोपित के द्वारा घर से करीब एक लाख रुपये नकद, सोने का हार, चूड़ी, अंगूठी, कान का बाली, सोने की चेन, सोने की गिन्नी, चांदी का सिक्का सहित अन्य सामान चोरी कर लेने के आरोप में दर्ज किया गया। कांड के उद्भेदन के लिए विशेष टीम का गठन किया गया।

पुलिस की टीम ने छापेमारी कर अप्राथमिकी आरोपित अजहर इमाम उर्फ पंकिटमार उर्फ पीएम को कार्ल मार्क्स सारनी रोड, खिदिरपुर पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से कुल 29,990 रुपये तथा तीन मोबाईल फोन जब्त किया गया।

दो दिवसीय आदिवासी अधिकार बाइक यात्रा में शामिल हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

झारखंड की जनता का दुःख-दर्द दूर होने तक यात्रा जारी रहेगी : बाबूलाल

PHOTON NEWS SAHIBGANJ : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के की ओर से आयोजित दो दिवसीय आदिवासी अधिकार बाइक रैली में शामिल हुए। रविवार को यात्रा का अंतिम दिन था। शहीद सिदो कान्हु चांद भैरव की भूमि भोगनाडीह से शुरू हुई यात्रा आज दूसरे दिन बोरियो, तीन पहाड़ ,बरहरवा,होते हुए दुगार्पुर स्कूल मैदान में संपन्न हुई। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में युवा शामिल हुए। जगह-जगह यात्रा का जोरदार स्वागत हुआ।

बाइक रैली में शामिल बाबूलाल मरांडी। ● फोटोन न्यूज

दुगार्पुर स्कूल मैदान में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने यात्रा की सफलता के लिए लोगों को बधाई दी। मरांडी ने कहा कि यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई है। यह यात्रा तभी रुकेगी जब झारखंड के सवा तीन करोड़ जनता का दुःख-दर्द दूर हो जाएगा। यहां के आदिवासी, दलित, वंचित को उनका हक और अधिकार मिल जायेगा।

भक्तिपूर्ण वातावरण में मना ख्रीस्त राजा महोत्सव

PHOTON NEWS KHUNTI : जिला मुख्यालय खूंटी में कैथोलिक चर्च से जुड़े मसीही समुदाय के लोगों ने रविवार को ख्रीस्त राजा महोत्सव भक्तिपूर्ण वातावरण में मनाया।

मौके पर कैथोलिक चर्च में सुबह विशेष मिस्सा अनुष्ठान संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला, पुरुष व बच्चे शामिल हुए। ख्रीस्त राजा महोत्सव के अवसर पर कैथोलिक चर्च परिसर स्थित आरसी बालक मध्य विद्यालय मैदान से शोभायात्रा निकाली गई।

ख्रीस्त राजा महोत्सव में शामिल मसीही समुदाय के लोग। ● फोटोन न्यूज

शोभायात्रा में फूलों से सुसज्जित वाहन पर खूंटी धर्म प्रांत के बिशप विनय कंडुलना पवित्र संक्रामेंट के साथ सवार होकर लोगों को अपना आशीष प्रदान करते चल रहे थे। शोभायात्रा के आगे-आगे गिरजा टोली, कटहल टोली, खूंटी टोली, राजा कुंजला, मैदान टोली, जोजो टोली, कदमा, कमंता, तिरला, शांतिपुर, अमृतपुर, पीड़ीटोली आदि मोहल्लों के मसीही विश्वासी भजन करते और ख्रीस्त राजा की जयकारे लगा रहे थे। उसुर्लाइन कॉन्वेंट की बच्चियां पुष्प वर्षा करते हुए पथ संचलन कर रही थी। उसुर्लाइन कान्वेंट, संत मिखाईल हॉस्टल, लोयोला हॉस्टल तथा संत अन्ना के बच्चे-बच्चियां भी वाद्य यंत्रों के साथ शोभायात्रा में शामिल होकर प्रभु यीशु का भजन करते चल रहे थे।

शोभा यात्रा में आदम और हेवा, बालक यीशु और दूत, गाब्रियल दूत का संदेश, फातिमा की रानी सहित अन्य झांकियां शामिल थीं। आरसी बालक मध्य विद्यालय मैदान से निकाली गयी शोभायात्रा दानी पथ लेन से होते हुए मुख्य सड़क पर पहुंची। विहां से उसुर्लाइन कॉन्वेंट, भगत सिंह चौक होता हुआ वापस कैथोलिक चर्च परिसर में पहुंचकर शोभायात्रा का समापन हुआ। अंत में प्रभु की आराधना कर आशीष प्रदान किया गया और उपस्थित लोगों के बीच पुरोहितों द्वारा परम प्रसाद का वितरण किया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आम जनता के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का 107वां एपिसोड सुना

प्रेरणा से परिपूर्ण है पीएम की मन की बात : बाबूलाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 107वां एपिसोड रविवार को संपन्न हुआ। भाजपा कार्यकर्ताओं ने आम जनता के साथ राज्य के सभी शक्ति केंद्रों पर कार्यक्रम को सुना। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संथाल परगना प्रवास के क्रम में बोरियो विधानसभा में मन की बात को सुना जबकि नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने रांची विधानसभा क्षेत्र के इरगु टोली में, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने रांची विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 278,279 के कार्यकर्ताओं के साथ सामूहिक रूप से सुनी।

पीएम की मन की बात सुनते बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, बालमुकुंद सहाय सहित प्रदेश पदाधिकारी, जिला, मंडल, बूथ के पदाधिकारी कार्यकर्ता ने अपने अपने क्षेत्र में कार्यक्रम को सुना।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम का हर एपिसोड अपने आप में अनूठा होता है। उन्होंने कहा कि आज का संस्करण भारत के लोगों, युवा शक्ति के परिश्रम, प्रगति और उनकी प्रेरक प्रसंगों से परिपूर्ण है। मन की बात का हर प्रेरक प्रसंग हजारों लोगों लोगों को देश और समाज के लिए कुछ करने के लिए बल प्रदान करता है।

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सामूहिक शक्ति से हो रहे सकारात्मक बदलाव को मन की बात में जोर दिया है। प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम बढ़ता भारत, बदलता भारत को दिशा देता है। उन्होंने कहा कि इसमें भारत की प्रकृति, संस्कृति दोनों समाहित होते हैं।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मन की बात भारत के जन जन से जुड़ी बात है। इसमें स्वच्छता है, स्वावलंबन है, डिजिटल इंडिया है, आत्म निर्भर भारत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की वोकल फॉर लोकल अभियान ने देश में चमत्कारिक बदलाव लाए हैं। उन्होंने कहा कि यह क्रांति अब रुकने वाली नहीं।

राज्य सभा सांसद प्रो आदित्य प्रसाद ने कई निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास

PHOTON NEWS RANCHI : कांके प्रखंड अंतर्गत राज्य सभा सांसद प्रो आदित्य प्रसाद के मद से ग्राम होचर में फेवर बोलोक, पतंगाई तालाब में सीढ़ी निर्माण ग्राम सुकुरहुटू के चुरीन गढा में पीसीसी पथ, सरस्वती विद्या मंदिर में हॉल, आईटीबीपी के समीप पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास राज्य सभा सांसद प्रो आदित्य प्रसाद, सांसद संजय सेठ, कांके विधायक समरी लाल ने किया।

मौके पर कांके मंडल अध्यक्ष राम लखन मुंडा, पूर्व जिला परिसद सह प्रदेश कार्य समिति सदस्य अनिल टाईगर, जिला परिसद सदस्या सुषमा देवी एवं किरण देवी ,राँची जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो, नसीब लाल महतो, कमलेश राम, ठानो मुंडा, मंडल अध्यक्ष पिठोरिया गोपाल महतो, सरवन गोप, सीता राम रवि, मुकेश महतो, लक्ष्मण साहू, अनुज कुमार, इम्तियाज अंसारी, संजय साहू, दीपक कुमार, पवन कुमार, शत्रुधन साहू, अनिल कुमार, विजय मुंडा, हरे कृष्णा महतो, शानू कुमार, पुरुषोत्तम दास गोस्वामी, प्रभात भूषण के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

Daily THE PHOTON NEWS सच के हक में...
www.thephotonnews.com
Monday, 27 November 2023

BRIEF NEWS

रांची रेलवे स्टेशन के पास दुर्गा मंदिर को हटाने के लिए रेलवे ने दिया नोटिस

RANCHI : रांची रेलवे स्टेशन पर स्थित दुर्गा मंदिर को हटाने को लेकर रेलवे ने नोटिस जारी कर दिया है। बताया जाता है कि दक्षिण पूर्व रेलवे ने स्टेशन पुनर्विकास के कारण दुर्गा मंदिर को खाली करने के संबंध में दुर्गा मंदिर कमेटी, साउथ रेलवे कॉलोनी को पत्र भी लिखा है। दुर्गा कमेटी को लिखे गए अपने पत्र में रेलवे ने कहा है कि दुर्गा मंदिर को जल्द से जल्द खाली कर दें। क्योंकि, यह क्षेत्र स्टेशन पुनर्विकास के क्षेत्र में आता है। इसलिए रेलवे का आग्रह है कि सूचना प्राप्ति के बाद अति शीघ्र मंदिर को खाली कर दें ताकि रेलवे का कार्य समय पर हो सके।

कार्तिक पूर्णिमा महोत्सव कल

RANCHI : कार्तिक पूर्णिमा सोमवार को है। पंडित राजेंद्र पांडेय ने रविवार को बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन स्नान, दान-पुण्य और दीपदान का विशेष महत्व है। वहीं दूसरी ओर रांची के बोड़ेयां के ऐतिहासिक श्री मदन मोहन मंदिर में कार्तिक पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस विशेष अवसर के लिए मंदिर को भव्य तरीके से सजाया जा रहा है।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर गांजा के साथ एक गिरफ्तार

RANCHI : रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति अमन जैन हरियाणा का रहने वाला है। बताया जाता है कि शनिवार देर रात बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से इंडिगो विमान से रांची से हैदराबाद के लिए यात्रा करने वाले यात्री अमन जैन खुद का सेवन करने के लिए गांजा अपने बैग में रखे हुए था। जांच के दौरान सीआईएसएफ की टीम ने उसे पकड़कर रांची पुलिस को हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रिम्स में आज से थीसिस राइटिंग ओरिएंटेशन प्रोगाम

RANCHI : राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान रिम्स में तीन दिवसीय थीसिस लेखन अभिविन्यास कार्यक्रम (थीसिस राइटिंग ओरिएंटेशन प्रोगाम) का आयोजन किया जा रहा है। रिम्स के ट्रॉमा सेंटर के चौथे तल्ले में स्थित ऑडिटोरियम में 27 नवंबर को कार्यक्रम शुरू होगा, जो 29 नवंबर तक चलेगा। थीसिस राइटिंग ओरिएंटेशन प्रोगाम में पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) के छात्रों को भाग लेना अनिवार्य है। इसको लेकर डीन रिसर्च ने कहा कि थीसिस लेखन कार्यक्रम में रिम्स से बाहर के छात्र भी शामिल हो सकते हैं। रिम्स के बाहर के छात्र अगर कार्यक्रम में भाग लेंगे तो उन्हें प्रतिदिन दो हजार रुपये दिया जायेगा। छात्रों को प्रतिदिन दो हजार रुपये के हिसाब से तीन दिन का छह हजार रुपये मिलेगा।

आदर्श सामूहिक विवाह में एक दूजे के हुए 121 जोड़े

RANCHI : विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग के तत्वावधान में एवं सामाजिक संस्था मी टू वी के सहयोग से रविवार को गोशाला न्यास सुकुरहुटू कांके में नर सेवा ही नारायण सेवा के तहत आदर्श सामूहिक विवाह सह वात्सल्य उत्सव का आयोजन किया गया। आदर्श सामूहिक विवाह में 121 जोड़े सात जन्मों के रिश्ते में बंध गए। सामूहिक विवाह समारोह में झारखंड के विभिन्न जिलों से आए सभी 121 नवविवाहित जोड़ों का विवाह पूरे रस्मो, बारात, वरमाला, फेरों एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। सात दिव्यांग जोड़ियां का भी विवाह हुआ, जिसका कन्यादान सिंघानिया परिवार के कमल, प्रदीप और विमल सिंघानिया के सहयोग से हुआ।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

संविधान ने देश के पिछड़ा वर्ग को बड़ी ताकत दी : अमर बाउरी

संविधान गौरव यात्रा का आयोजन, बाबा साहब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा रांची महानगर एवं रांची ग्रामीण के द्वारा रविवार को संविधान गौरव यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा तपोवन मंदिर से लेकर डोरंडा स्थित पुराना हाई कोर्ट अंबेडकर प्रतिमा तक निकाली गई। इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने भाग लिया। मौके पर नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमर कुमार बाउरी ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान कहा कि भारत की आजादी के लिए लाखों लोगों ने अपनी कुबार्नी दी तब जाकर हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई। लेकिन सही तौर पर हमें स्वतंत्रता उस दिन मिली, जब हमें हमारा संविधान मिला। संविधान

संविधान गौरव यात्रा में शामिल भाजपा कार्यकर्ता व अन्य।

की जिम्मेदारी बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को दी गई थी। उन्होंने सभी व्यक्ति को एक समान अधिकार देकर एक समृद्ध और कुशल समाज की स्थापना की। आज संविधान के कारण ही एक साधारण व्यक्ति भी प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के पद पर नियुक्त हो सकता है। यही ताकत संविधान से हमें मिलती है। भारत के संविधान ने देश के दलित, आदिवासी एवं पिछड़ा वर्ग को बड़ी ताकत दी है। संविधान में सबका साथ, सबका विकास समाहित है। आज का दिन हम सबको संकल्प लेने का दिन है कि हम सभी लोग मिलकर एक स्वस्थ समाज और संविधान से मिले अपने अधिकार के आधार पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने का प्रयास करें। कार्यक्रम के बाद उपस्थित सभी लोगों ने संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की रक्षा के लिए शपथ ली।

कार्यक्रम में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री व पूर्व विधायक जीतू चरण राम, राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य सीताराम रवि, भाजपा की प्रदेश मंत्री काजल प्रधान, भाजपा महानगर अध्यक्ष के के गुप्ता, भाजपा रांची ग्रामीण अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, महानगर उपाध्यक्ष जितेंद्र पटेल, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रंजन पासवान, प्रदेश कार्यालय मंत्री जोगिंदर लाल, प्रदेश प्रवक्ता राकेश कुमार, रांची महानगर युवा मोर्चा रोमित नारायन, प्रदेश शोध एवं नीति प्रभारी कमलेश किशोर प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी राजीव राज लाल, कोल्हान प्रमंडल प्रभारी उपेंद्र राजक एवं अन्य भी उपस्थित थे।

जुआ खेलते 14 पुलिसकर्मी सहित 20 लोग गिरफ्तार

साढ़े तीन लाख रुपये नकद बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : गोंदा थाना की पुलिस ने मिसिर गोंदा में छापेमारी कर जुआ खेलने के आरोप में 14 पुलिसकर्मी समेत 20 लोग को गिरफ्तार किया है। सभी से गोंदा थाना में पूछताछ की जा रहीहै। एसएसपी चंदन सिन्हा जुआ के खिलाफ लगातार अभियान चला रहे हैं। एसएसपी को सूचना मिली थी कि मिसिर गोंदा में बड़े पैमाने पर जुआ का खेल चल रहा है। एसएसपी ने एक टीम का गठन किया और छापेमारी करने का आदेश दिया। टीम जब मिसिर गोंदा इलाके में छापेमारी करने पहुंची तो जुआ खेल रहे पुलिसकर्मियों को कोई फर्क नहीं पड़ा। छापेमारी करने गई टीम के साथ पुलिसकर्मी उलझ गए। इसके बाद कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना ले आया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से साढ़े तीन लाख रुपये और आठ बंडल ताश बरामद किया है। सभी आरोपियों को सोमवार की सुबह जेल भेजा जाए। गिरफ्तार होने के बाद आरोपियों ने कई जगहों से पैरवी कराकर बच निकलने का प्रयास किया। मिसिर गोंदा में प्रतिदिन जुआ का खेल होता था। गोंदा थाना में सुबह से लेकर शाम तक लोगों का जमावड़ा लगा रहा। पकड़े गए आरोपियों को छुडाने के लिए कई लोग थाना में जमे थे। लेकिन पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों को हाजत में बंद कर दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने किया ट्वीट

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस मामले को आड़े हाथों लेते हुए ट्वीट किया है। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि रांची के गोंदा थाना क्षेत्र में कल देर रात पुलिसकर्मी समेत अन्य लोग जुआ खेलते पकड़े गये हैं। ये पुलिसकर्मी खुद भी जुआ खेल रहे थे और खेलवा भी रहे थे। इस पूरे प्रकरण में सबसे खास बात यह है कि इनमें से कुछ पुलिसकर्मी मुख्यमंत्री आवास में कार्यरत हैं। इस बात को पूरी तरह से छिपाया गया है। किसी भी तरह से मामले को रफा-दफा किया जा रहा है।

10 दिनों के भीतर हो धान खरीद की बकाया राशि का भुगतान : किसान महासभा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड किसान महासभा (जय झारखंड अभियान) के संयुक्त तत्वावधान में किसान बचाओ यात्रा के तहत अनगड़ा प्रखंड (रांची) के सिरका पंचायत के रामदगा में रविवार को किसान पंचायत लगाई गई। इसमें महासभा ने सरकार से धान की खरीद के बकाये राशि का भुगतान 10 दिनों के अंदर करने की मांग सरकार से की। महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष राजू महतो ने कहा कि वर्तमान में जो किसानों की दुर्दशा है, झारखण्ड में उसे देखते हुए अब सरकार के तरफ से कोई राहत की उम्मीद नहीं दिख रही।लगातार ज्ञापनों और औपचारिक तरीके से कृषि विभाग के अधिकारी और मंत्री स्तर तक किसानों की व्यथा पहुचाई गई परंतु यह सिस्टम बिल्कुल अंधा और बहरा हो गया है। ऐसे में अब झारखण्ड में किसानों को अब खेतों से निकल कर सड़क पर आने की जरूरत महसूस हो रही है। इसीलिए झारखण्ड के पांच जिले रांची, बोकारो, हजारीबाग, रामगढ़ तथा गिरिडीह के 50 पंचायतों में किसान बचाओ यात्रा पहुंचेगी। किसान पंचायत लगाया जाएगा। पंचायत में उपस्थित प्रगतिशील किसान विनय महतो ने बताया कि झारखण्ड का कृषि विभाग सम्पूर्ण रूप से घोटाले में आकंठ में डूबा हुआ है। हर तीन महीने में कृषि निदेशालय के निदेशक बदल दिए जा रहे हैं। वर्तमान कृषि निदेशक को न तो यहां के किसानों से कोई लेना देना है और ना ही विभाग के पास कोई रोड मैप है। ह्लकिसान बचाओ यात्राह्व झारखण्ड के हर पंचायत में पहुंचेगी और यह शुरूआत बोकारो जिले के झुमरा पहाड़ की चोटी से शुरू की जा चुकी है।

जैक ने इंटरमीडिएट परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि जारी की

RANCHI : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने इंटरमीडिएट परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि जारी कर दी है। 28 नवंबर से 12 दिसंबर तक बिना लेट फाइन के फॉर्म भरे जा सकते हैं। 13 दिसंबर से 20 दिसंबर तक लेट फाइन के साथ परीक्षा फॉर्म भरे जायेंगे। बता दें कि बोर्ड द्वारा मैट्रिक और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है, परीक्षा 6 फरवरी 2024 से शुरू होगी, जो 26 फरवरी तक जारी रहेगी। आवेदन जमा करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों की ओर से एक फॉर्म छात्रों को उपलब्ध कराये जायेंगे। छात्र-छात्राओं को बिना किसी त्रुटि के फॉर्म भरकर स्कूलों में जमा करने होंगे। इसके बाद स्कूलों-कॉलेजों द्वारा उसे ऑनलाइन किया जायेगा। जान लें कि मैट्रिक परीक्षा के लिए आवेदन प्रक्रिया 16 नवंबर से शुरू हो चुकी है।

जगन्नाथपुर मंदिर में हुई चोरी मामले का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

चार हजार नकद, चांदी का लॉकेट-सिक्का समेत कई सामान बरामद

गिरफ्तार आरोपी की जानकारी देती पुलिस।

CRIME REPORTER RANCHI : धुर्वा थाना पुलिस ने जगन्नाथपुर मंदिर में हुई चोरी मामले का खुलासा करते हुए सन्नी उरांव को गिरफ्तार किया है। इसके पास से चोरी का पारा लाईट पांच पीस, माईक सेट दो पीस, चार हजार रुपये, सोने का एक छोटा टिकूली, सोने का दो जितिया लॉकेट, एक छोटा बेलपत्र, एक पायल, एक बिछिया, चांदी का तीन लॉकेट, चांदी एक छोटा सिक्का और चांदी जैसा बना तीन छोटा-छोटा पत्तर बरामद किया गया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को बताया कि 21 नवम्बर को अज्ञात चोरों ने मंदिर में लगे साउंड सिस्टम, लाइट सहित अन्य सामानों की चोरी कर ली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर सन्नी उरांव को गिरफ्तार किया। पूछताछ में घटना में उसने अपनी संलिपिता स्वीकार की है।

पुलिसकर्मियों को संविधान दिवस पर दिलाई गई शपथ

शपथ ग्रहण कार्यक्रम में पुलिसकर्मी।

PHOTON NEWS RANCHI : संविधान दिवस के अवसर पर रविवार को झारखंड पुलिस मुख्यालय में भारत के संविधान की प्रस्तावना का शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वरीय पुलिस पदाधिकारियों, कनीय पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों के द्वारा भारतीय संविधान के उद्देशिका हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज की तारीख 26 नवंबर, 1949 ई। को एतदद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं की शपथ ली गई।

सीसीएल रांची में मनाया गया संविधान दिवस

RANCHI : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटिड (सीसीएल) मुख्यालय, दरभंगा हॉउस, रांची सहित कमांड क्षेत्रों में रविवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सीएमडी, सीसीएल डॉ बी वीरा रेड्डी, निदेशक आर बी प्रसाद, निदेशक, हर्ष नाथ मिश्र, निदेशकख बी साईराम, मुख्य सतर्कता अधिकारी पंकज कुमार सहित ऑल इंडिया एससी एसटी ओबीसी एम्पलाई कोआर्डिनेशन काउंसिल के प्रतिनिधिगण, विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक/विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी भी उपस्थित थे। मौके पर सीएमडी डॉ बी वीरा रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है। संविधान में देश के नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्यों, सरकार की भूमिका आदि की शक्तियों का वर्णन किया गया है। 26 नवंबर का दिन हर भारतवासी के लिए गर्व का दिन है। निदेशक हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि यह वह दिन है जब भारत में ऐसी किताब बनकर तैयार हुई जिसने हर भारतीय को समानता का अधिकार दिया, हर भारतीय को खुलकर जीने का अधिकार दिया, हर भारतीय को अपने फैसले खुद लेने का अधिकार दिया।

मुख्यमंत्री स्मार्ट ग्राम योजना अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं को लेकर बैठक

योजनाओं को एक्सटेंशन देने का अनुरोध, पूरा करने के लिए मांगा मार्च 2024 तक का समय

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री स्मार्ट ग्राम योजना अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं को मार्च 2024 तक अवधि विस्तार देने की मांग जिलों के अधिकारियों द्वारा की गई है। मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी की अध्यक्षता में रविवार को हुई बैठक में रांची जिला सहित अन्य जिलों की स्वीकृत सारी योजनाओं को एक्सटेंशन देने का अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री स्मार्ट ग्राम योजना से चयनित प्रखंड को विकसित किया जाना है तमाम सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी है। बैठक में रांची जिला के ठाकुर गिन्जो ग्राम पंचायत, बुढमू प्रखंड में कार्यान्वित की जा रही मुख्यमंत्री स्मार्ट ग्राम योजना अंतर्गत विभाग के द्वारा डीपीआर के अनुरूप सभी

अधिकारियों को ब्रीफिंग करतीं मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी।

योजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य पूर्ण कर लिए जाने की जानकारी प्रदान की गयी। जिला के द्वारा एक माह के अंदर योजना योजना के पूर्णता प्रतिवेदन एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र विभाग को उपलब्ध करा दिए जाने की सूचना दी गयी। योजना के प्रतिवेदन संबंधी कार्य को देखते हुए योजना अवधि को दिसंबर 2023 तक विस्तारित करने का अनुरोध किया गया। पूर्वी सिंहभूम जिले के द्वारा कांता शोल ग्राम पंचायत, डुमरिया प्रखंड में कार्यान्वित की जा रही मुख्यमंत्री स्मार्ट ग्राम योजना के अंतर्गत विभाग के द्वारा डीपीआर के अनुरूप स्वीकृत 87.70 लाख रुपये मात्र में से 41.57 लाख रुपये राशि खर्च किया गया है। योजना अंतर्गत लंबित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए मार्च 2024 तक अवधि विस्तार देने की मांग की गयी है। हजारीबाग जिले के द्वारा चेनारो ग्राम पंचायत, चुरचू प्रखंड में अब तक स्वीकृत योजना पर काम प्रारंभ नहीं हुआ है। ऐसे में राज्य सरकार से मार्च 2024 तक अवधि विस्तार देने को कहा गया। बोकारो के पेटरवार में डीपीआर नहीं बनने की वजह से फिर से योजनाओं को अवधि विस्तार फिर से देने की मांग की गयी। ग्रामीण विकास विभाग अब योजनाओं की समीक्षा कर रहा हे,इसके बाद ही अवधि विस्तार दिया जायेगा।

बिशप की अगुवाई में बड़ी संख्या में शामिल हुए लोग

ख्रीस्त राजा महापर्व पर निकाली गई शोभायात्रा

PHOTON NEWS RANCHI : नवंबर माह के अंतिम रविवार को ईसाई धर्मावलंबियों की ओर से मनाए जाने वाले ख्रीस्त राजा के पर्व के मौके पर मसीही विश्वासियों ने शोभायात्रा निकाला। ईसा मसीह की जय जयकार करते हैं वह उन्हें राजा मानते हैं और उसकी महिमा गाकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करते हैं। रांची में संत मारिया महागिरजाघर से बिशप, सहायक बिशप और पुरोहितों की अगुवाई में मसीही भाई बहन एक साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। जुलूस में पवित्र सक्रामेन्त को भक्तिभाव के साथ आगे आगे लिया जाता है। रांची में ख्रीस्त राजा पर्व का शोभायात्रा की शक्ल में संत मारिया

बिशप की अगुवाई में ख्रीस्त राजा महापर्व पर निकाली गई शोभायात्रा में शामिल लोग।

महागिरजाघर से विशेष प्रार्थना और धार्मिक गीतों के साथ धीरे धीरे आगे बढ़ती है। शोभायात्रा पुरुलिया रोड संत जेवियर कॉलेज होते हुए सर्जना चौक, फिरायालाल चौक, प्लाजा चौक, लालपुर चौक, डंगरा टोली चौक, पथलकुदवा कामिल बुल्के पथ होते हुए लोयोला ग्राउंड पहुंची। लोयोला ग्राउंड में पवित्र सक्रामेन्त की आराधना की गई और बिशप के द्वारा लोगों को आशीष दी गयी। ख्रीस्त राजा के पर्व के अवसर पर शोभायात्रा वाले पथ पर चौक-चौराहों में बाइबल के विभिन्न दृष्टांतों को झांकी के माध्यम से दर्शाया गया की किस तरह ईसा मसीह गरीबों और दबे कुचलों को प्यार करते हैं और आमजनता को दृष्टान्त के माध्यम से सहयोग, भाईचारा, प्रेम, दयालुता तथा अहिंसा के पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। बाइबल में संत योहन अपने लेख में लिखते हैं- तब पिलातुस ने फिर भवन में जाकर ईसा को बुला भेजा और उनसे कहा- क्या तुम यहूदियों के राजा हो? ईसा ने उत्तर दिया- क्या आप यह अपनी ओर से कह रहे हैं या दूसरों ने आपसे मेरे विषय में यह कहा है?

मुक्ति संस्था ने 32 अज्ञात शवों का किया दाह संस्कार

PHOTON NEWS RANCHI : मुक्ति संस्था ने रविवार को जुमार नदी के तट पर 32 अज्ञात शवों का विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया। संस्था के सदस्यों ने रिम्स के मोर्चरी गृह से अज्ञात शवों को निकालकर जुमार नदी के तट पर लेकर गए। यहां संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने सभी शवों को मुखाग्नि दी। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि अबतक नौ वर्षों में कुल 1655 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने किया। इस मौके पर संस्था के रवि अग्रवाल, रतन अग्रवाल, आशीष भाटिया, संदीप कुमार, अरुण कुटारियार, सीताराम कौशिक, संजू कुमार, राहुल चौधरी, विकास सिंघानिया, नवीन गाड़ोदिया, नीरज खेतान, सुमित अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे।

BRIEF NEWS

बसंती कॉलोनी से रेलवे स्टेशन तक शुरू हुई मो बस सेवा

ROURKELA : राउरकेला के विधायक एवं राज्य के श्रम मंत्री शारदा प्रसाद नायक के प्रयास से एवं अंचल के लोगों ने विधायक से इस रूट पर बस को चलाने की मांग की थी। रविवार से इस रूट पर बस सेवा शुरू हो गई। बसंती कॉलोनी, मालगोदाम, रेलवे कॉलोनी, गोपबंधुपल्ली, रेलवे स्टेशन (गेट नंबर 2), टिंबर कॉलोनी से मो बस सुचारू रूप चलेगी। इससे लोग किफायती दरों पर यात्रा कर सकेंगे। अंचल के लोगों ने विधायक एवं श्रम मंत्री सारदा नायक को इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया।

रजाक टॉकीज गली से किशोर लापता

ROURKELA : राउरकेला बिग बाजार गली व रजाक टॉकीज गली से किशोर सूफियान कल से लापता है। रजाक टाकीज गली निवासी मोहम्मद इम्तियाज के पुत्र 13 साल के अबु तल्हा सूफियान नाम के यह किशोर 25 व - नवंबर शनिवार में पूर्वाह्न में घर से दुकान कुछ सामान लेने के लिए निकला और वापस नहीं लौटा। वह पीले कलर की टीशर्ट व ब्लैक पैंट पहन रखी है। परिजनों ने अपने स्तर पर खोजबीन की पर पता नहीं चलने पर थाने ने गुमशुदगी का मामला दर्ज करवाई। परिजनों ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई है।

प्रकाश पर्व पर सिख समाज ने निकाली शोभा यात्रा

ROURKELA : राउरकेला में सिखों के आराध्य व प्रथम गुरु गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में एक विशाल शोभायात्रा निकाला गया। सिख संप्रदाय द्वारा भव्य नगर कीर्तन करते हुए सहर के मुख्य मार्ग जुलूस निकाला गया। गुरुसिंह सभा गुरुद्वारा की मेजबानी में स्टेशन निकट गुरुद्वारा परिसर से रविवार दोपहर करीब ढाई बजे यह नगर कीर्तन शुरू होकर सहर परिक्रमा करते हुए गुरुद्वारा में समाप्त हुआ।

30 नवंबर को राउरकेला में कांग्रेसी निकालेंगे तुलसी यात्रा

ROURKELA : तुलसी यात्रा की तैयारी में जिला कांग्रेस पार्टी जुटी हुई है। कांग्रेस 6 सूत्री मांगो को लेकर कांग्रेस 30 नवंबर को राउरकेला व पहली दिसंबर को पुरी में करेगी तुलसी यात्रा निकालेगी। जिला अध्यक्ष रश्मि रंजन पाढ़ी के नेतृत्व में कांग्रेस जगन्नाथ मंदिर के चारों कपाट खोलने तथा रत्न भंडार की मरम्मत व रत्नों की गिनती और बेदंत को जगन्नाथ मन्दिर की जमीन को दिया जाना इन सभी मुद्दों को लेकर तुलसी यात्रा राज्यभर में निकाला जा रहा है। 30 नवंबर जिला अध्यक्ष रश्मि रंजन पाढ़ी के अगुआई में सभी ब्लॉक के घरों से तुलसी संग्रह किए जायेंगे। रात को संग्रहित तुलसी को लेकर भुवनेश्वर निकलेगी। 1 दिसंबर को सुबह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सरत पटनायक को संग्रहित तुलसी सौपी जायेगी और भुवनेश्वर से पुरी तुलसी यात्रा में सभी कांग्रेसी शामिल होंगे।

कैथोलिक ईसाई परिवार ने हर्षोल्लास से मनाया ख्रीस्त राजा पर्व

प्रभु के वचनों को अपने जीवन में आत्मसात कर प्रेम और शांति के दूत बनें और खुशियां बांटें : फादर यूजिन एक्का

PHOTON NEWS CHAIBASA : कैथोलिक ईसाई परिवार ने संत जेवियर्स स्कूल प्रांगण में खीस्त राजा पर्व हर्षोल्लास से मनाया। कैथोलिक धर्म विधि वर्ष काल का अंतिम रविवार को खीस्त राजा पर्व के मनाते हुए सर्वप्रथम कैथोलिक परिवार के महिला- पुरूष, युवा एवं बच्चे- बच्चियों ने स्कूल खेल मैदान से पल्ली क्षेत्र के विभिन्न ईकाई प्रतिनिधियों की अगुवाई धार्मिक शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा गांधी टोला, अनुमंडल पदाधिकारी आवास होते हुए सदर थाना, सिंहभूम स्पोर्ट्स एसोसिएशन और यशोदा टॉकीज से पुलिस लाइन होकर जेवियर स्कूल प्रांगण में समाप्त हुआ।

शोभायात्रा के दौरान प्रार्थना करते और गीत गाते हुए तख्तियों पर प्रभु के शांति और प्रेम के संदेश दिए गए थे। शोभायात्रा के बाद

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। • फोटोन न्यूज

समारोही ख्रीस्त याद मिस्सा पूजा फादर यूजिन एक्का की अगुवाई में हुआ। मिस्सा पूजा में फादर यूजिन एक्का ने अपने उपदेश में कहा कि प्रभु यीशु हमारा है। वह हमारा ख्याल रखता है। इसलिए प्रभु के वचनों को अपने जीवन में आत्मसात कर प्रेम और शांति के दूत की तरह हर जन-जन के जीवन में खुशियां बांटें। मिस्सा पूजा के दौरान रोबिन बलमुचू, रोयलेन तोपनो और अमातुस तोपनो की अगुवाई में पल्ली कोयर दल ने भक्ति गीत सुनाया। मिस्सा पूजा से पूर्व महिला मंडल की महिलाओं ने प्रवेश नृत्य के साथ पुरोहितों का स्वागत किया।

मौके पर पल्ली पुरोहित निकोलस केर-केट्टा, अगस्टिन कुल्लू, आशीष बिरुवा, जोसेफ तोपनो, जेम्स गागराई, सिरिल सुम्ब्ररुई, गैब्रियल सुंडी, सुनीता हेम्ब्रम, फ्रांसिस्का बलमुचू, आनंदिनी बादुला, किशोर तामसोय, ब्रदर अनिल, लियोनार्ड तोपनो, सिस्टर नीलिमा, सिस्टर बलमदीना, सिस्टर ज्योत्स्ना समेत काफी संख्या में ईसाई परिवार के महिला-पुरुष, युवा एवं बच्चे-बच्चियां उपस्थित थे।

संविधान दिवस पर छात्र-छात्राओं ने ली संविधान के सम्मान की शपथ

शपथ लेते विद्यालय के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : तांतनगर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय उलीडीह में रविवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस मौके पर छात्र- छात्राओं ने संविधान के सम्मान की शपथ ली। साथ ही बच्चों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए संविधान के सम्मान की शपथ ली।छात्र-छात्राओं को भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों से अवगत कराया। छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं को भारतीय संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भारत के संविधान के बारे में अनेक जानकारियां दी गई। इस दौरान भारतीय संविधान के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बच्चों को बताया गया कि संविधान में लिखे गए सभी अधिकार एवं कर्तव्य आम नागरिक के सुविधाओं को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। संविधान के नियमों का पालन करते हुए प्रत्येक व्यक्ति अपने समाज और देश का उत्थान कर सकता है। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरि शंकर गोप, प्रधानाध्यापक सुरेंद्र कुमार के अलावा अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

महिला एवं बाल विकास और एनीमिया मुक्त भारत के लिए कार्यक्रम आयोजित

एनीमिया से बचाव के लिए पौष्टिक भोजन जरूरी : डॉ. कल्याणी मिश्रा

PHOTON NEWS ROURKELA : भारत विकास परिषद राउरकेला शाखा द्वारा महिला एवं बाल विकास और एनीमिया मुक्त भारत के लिए कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष अशोक कक्कड़ एवं संचालन चेयरपर्सन बंदिता महतो ने किए।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं। • फोटोन न्यूज

प्रोफेसर डॉ. कल्याणी मिश्रा ने महिला विकास और शिशु विकास पर जानकारी दी। पूर्णिमा नर्सिंग होम, झीरपानी के डॉ एमएस साहू ने स्वास्थ्य जागरूकता पर व्याख्यान दिया। सभी महिलाओं के रक्त हीमोग्लोबिन की जांच की गई और निःशुल्क दवाएँ वितरित की गईं। महिलाओं को निःशुल्क दोपहर का भोजन आयोजन किया गया। बैष्णब चंद्र महापात्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में अनुपम गुप्ता, अंजू कक्कड़, सूर्यनारायण दास, जीतेन्द्र प्रसाद, सुषमा प्रसाद, स्नेहलता, रेखा गुप्ता,हरजीत कौर, राधू मिश्रा, बिनोद साहू, आरती साहू, मधु महापात्र और कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

श्रेया म्यूजिकल सेंटर में संगीत संध्या आयोजित

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला में श्रेया म्यूजिकल सेंटर के सालाना जलसा के अवसर पर होटल रेजेंसी इन में संगीत संध्या का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर सजन अग्रवाल एवं सम्मानित अतिथि किरण अग्रवाल इस संगीत संध्या में उपस्थित रह कर संगीत की आनंद लिए।कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंटर की मुखिया मंजूश्री चक्रवर्ती उर्फ माना ने की।

संगीत संध्या दोपहर तीन बजे से देर शाम तक चली। जिसमें सेंटर के छोटे-छोटे बच्चों ने

अकेले तथा संयुक्त रूप से गाना गाकर उपस्थित लोगों को मन मह मोह लिया। बच्चों द्वारा गाए जाने वाले गानों पर उनके अभिभावक भी थिरकते दिखे। मंजूश्री चक्रवर्ती ने हारमोनियम पर सभी गीतों में साथ दिया। सांस्कृतिक और फिल्मी गीतों वाले इस संगीत संध्या में श्रेय म्यूजिकल सेंटर की महिलाओं ने भी शिरकत कर अपनी कला का प्रदर्शन किया। उन्होंने न केवल गाना गाया, बल्कि अपने गीतों पर थिरकती दिखीं।

सुरक्षाबलों ने तीन बंकर किये ध्वस्त, एक आइइडी बरामद

कैम्प से बड़ी संख्या में दैनिक उपयोग एवं अन्य सामग्री जब्त

- टोंटो, गोइलकेरा थाना के तिलाइबेरा और राजाबासा जंगलों में नक्सलियों ने बनाया था बंकर

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा पुलिस ने टोंटो-गोईलकेरा थाना क्षेत्र में नक्सलियों के तीन बंकर को ध्वस्त करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। साथ ही बंकर से नक्सलियों के सामानों को भी जप्त करने में सफलता मिली है। इस संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने कहा कि नक्सलियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान में रविवार को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अभियान के क्रम में गोईलकेरा, टोन्टो थानान्तर्गत तिलाइबेरा और राजाबासा के आस-पास जंगली, पहाड़ी क्षेत्र में बनाये हुए तीन नक्सली बंकर को सुरक्षा बलों के द्वारा ध्वस्त कर दिया है।

नक्सली कैम्प से दैनिक उपयोग एवं अन्य सामग्री बरामद की गयी है। साथ ही टोन्टो थानान्तर्गत ग्राम राजाबासा के समीप जंगली, पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों को लक्षित करने के उद्देश्य से

नक्सलियों के ध्वस्त किये गए बंकर। • फोटोन न्यूज

नक्सलियों द्वारा पूर्व में लगाये गये एक आइइडी बम बरामद कर सुरक्षा के दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ता के सहायता से विनिष्ट किया गया है। एसपी ने कहा कि 10 अक्टूबर से एक संयुक्त अभियान गोईलकेरा थानान्तर्गत ग्राम कुईड़ा, छोटा कुईड़ा, मारादिरी, मेरालगड़ा, हाथीबुरू, तिलायबेड़ा बोयपाईससांग, कटम्बा, बायहातु, बोरोय, लेमसाडीह के सीमावर्ती क्षेत्र तथा टोन्टो थानान्तर्गत ग्राम हुसिपी, राजाबासा, तुम्बाहाका, रेंगड़ा, पाटातोरब, गोबुरू, लुईया के सीमावर्ती क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है। इसी क्रम में 25 व 26 नवंबर को भी अभियान संचालित किया जा रहा था। जिसमें सुरक्षा बलों को नक्सलियों बंकर ध्वस्त करने में सफलता मिली है।

इससे पूर्व जानकारी मिली थी कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है, जिसके आलोक में चाईबासा पुलिस, कोबरा, झारखण्ड जगुआर एवं सीआरपीएफ की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है।

ये सामग्री बरामद

1. 5 किलो का 01 एलईडी
2. बीजीएल-02
3. एसएलआर बॉडीपार्ट-01
4. एके 47-20 का खाली केस
5. बीजीएल खाली राउंड-1
6. सिलाई मशीन-1
7. प्रिंटर कैटरिज-10
8. बैटरी 12 वोल्ट-1
9. दवा और पट्टी-बड़ी मात्रा में।
10. सिंटेक्स 500 एलटी-1
11. ड्रम 200 एलटी-1.
12. इलेक्ट्रिक तार 100 मीट्रिक टन।
13. कैरी बैग नायलॉन-2
14. दिपाल 20X20-1
15. धागे-10 रील।
16. लैब टेस्ट ट्यूब-5
17. बेल्ट-1 18. टिफिन-2
19. 25. ड्यूरसेल बैटरी-2
20. अन्य दैनिक उपयोग की वस्तु

बाइस किलोमीटर चाईबासा-सायतबा पथ के राइडिंग क्वालिटी में होगा सुधार कार्य

विधायक ने पूजा-अर्चना के बाद नारियल फोड़कर किया शुभारंभ

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा-सायतबा पथ का करीब साढ़े 22 किलोमीटर राइडिंग क्वालिटी में सुधार कार्य होगा। करीब 13 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली इस सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ रविवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक बिरुवा ने ग्रामीणों की मौजूदगी में विधिवत पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़कर किया। इस सड़क निर्माण कार्य के लिए ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। चाईबासा-सायतबा बहुप्रतीक्षित सड़क का निर्माण कार्य को शुभारंभ करते हुए विधायक ने कहा कि यह सड़क वर्षों पूर्व बनाई गई थी।

शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल विधायक व अन्य। • फोटोन न्यूज

जिसकी हालत काफी जर्जर है। ग्रामीणों द्वारा इसके मरम्मत की मांग काफी दिनों से की जा रही थी। इसलिए इस सड़क के मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। विधायक ने संवेदक को पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह सड़क पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्र में बनाया जाना है। इस सड़क के बन जाने से इस दुर्गम क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों को सीधे तौर पर इसका लाभ मिलेगा। और वह इस सड़क का इस्तेमाल कर काफी कम समय में सायतबा क्षेत्र पहुंच पाएंगे। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार में उन्हें काफी सुगमता हो जाएगी। यह काफी दुर्गम क्षेत्र की सड़क है इसलिए इसका निर्माण कार्य काफी गुणवत्तापूर्ण कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार विकास कार्य को लेकर समर्पित है। क्षेत्र में सड़क, पुल और पीसीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सतीश सुंडी, मुखिया श्रीराम सुंडी, तुराम सुंडी, शिशिर सुंडी, शंकर सुंडी, संजय सुंडी, पूरेन गोप, गोनो सुंडी, जयधर सुंडी, मंत्री सुंडी, कृष्ण सुंडी, जॉन सुंडी, गर्दी सुंडी समेत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

आदिवासी हो समाज का दो-दिवसीय महाधिवेशन का समापन

अध्यक्ष बने मुकेश व महासचिव सोमा कोड़ा

PHOTON NEWS CHAIBASA : आदिवासी हो समाज महासभा, केंद्रीय समिति का दो-दिवसीय महाधिवेशन कला एवं संस्कृति भवन हरिगुटु चाईबासा में विधिवत रुप से समापन हुआ। समापन समारोह के माध्यम से सर्वसम्मति से आदिवासी हो समाज महासभा केंद्रीय समिति के लिए चार पदों के लिए चयन किया गया। जिसमें केन्द्रीय अध्यक्ष मुकेश बिरूवा, उपाध्यक्ष बामिया बारी, महासचिव सोमा कोड़ा एवं कोषाध्यक्ष चैतन्य कुंकल का चयन किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रखंड से लेकर राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी शामिल रहे। मुख्य रूप से आदिवासी हो समाज महासभा, आदिवासी हो समाज युवा महासभा और

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते समिति के लोग। • फोटोन न्यूज

आदिवासी हो समाज सेवानिवृत्त संगठन के सदस्यों ने भाग लिया। अधिकृत मुख्य चुनाव पदाधिकारी घनश्याम गागराई ने सभी नये पदाधिकारियों को प्रमाण-पत्र चुनाव संचालन समिति की ओर से प्रदान किया। कार्यक्रम में जगन्नाथपुर विधायक सोनाराम सिंकू, जज सचिन बिरूवा, पूर्व अध्यक्ष अर्जुन मुन्दुईया, पूर्व महासचिव यदुनाथ तियु, युवा महासभा पूर्व अध्यक्ष भूषण पाट पिंगुवा, विजय गागराई, सेवानिवृत अध्यक्ष सोनाराम पुरती, सचिव चंद्र मोहन बिरूवा, आदिवासी हो समाज महासभा संस्थापक अध्यक्ष स्व सागु सामड परिवार से हरिश चंद्र सामड, अंजु सामड समेत अन्य मौजूद रहे।

डीसी के नेतृत्व में पढ़ा संविधान का पाठ

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला समाहरणालय प्रांगण में उपायुक्त अनन्य मित्तल के नेतृत्व में जिला स्तरीय पदाधिकारियों, सहकर्मियों द्वारा 26 नवंबर, ₹संविधान दिवस₹ के अवसर पर संविधान की उद्देशिका का पठन किया गया। इस दौरान उपस्थित जनों के द्वारा भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के

समाहरणालय में शपथ लेते उपायुक्त व अन्य अधिकारी। • फोटोन न्यूज

लिए तथा उन सबों में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

इस दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी, चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं समाहरणालय कर्मी, पुलिस के जवान उपस्थित रहे।

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित एसआर रुंगटा बी डिविजन लीग

प्रताप क्रिकेट क्लब को पराजित कर स्टूडेंट क्लब फाइनल में

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे एसआर रूंगटा बी डिविजन लीग के अंतर्गत रविवार को खेले गए पहले सेमीफाईनल मैच में स्टूडेंट क्लब चाईबासा ने प्रताप क्रिकेट क्लब चाईबासा को एक नजदीकी मुकाबले में 16 रनों से पराजित कर फाईनल में अपना स्थान पक्का कर लिया।

स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस सेमीफाईनल मैच में टॉस स्टूडेंट क्लब के कप्तान ने जीता तथा पहले

स्टूडेंट क्लब की टीम। • फोटोन न्यूज

बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले खेलते हुए स्टूडेंट क्लब की टीम ने विकेटकीपर बल्लेबाज शुभम गुप्ता के शानदार अर्द्धशतकीय पारी की बदौलत 28.3 ओवर में 160 रन बनाकर आल आउट हो गई। शुभम गुप्ता ने आठ चौकों एवं एक छक्का की मदद से 51 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों में कैफ जमील ने 26 रन, कप्तान मो वसीम ने 15 रन, मनीष कुमार ने 14 रन तथा सजरुल होदा एवं सोएब अहमद ने 11-11 रनों का योगदान दिया। प्रताप क्रिकेट क्लब की ओर से ललित बी सिंह ने 24 रन देकर दो विकेट, कैफ अब्बास ने 25 रन देकर दो विकेट तथा अमन पासवान ने 31 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए।

जीत के लिए निर्धारित 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रताप क्रिकेट क्लब की टीम ने भी भरपूर प्रयास किया पर पूरे तीस ओवर खेलकर 9 विकेट के नुकसान पर 144 रन ही जुटा पाई। मध्यमक्रम में धीमी बल्लेबाजी ने टीम की लुटिया डुबोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रताप क्रिकेट क्लब की ओर से नितेश पासवान ने तीन चौकों एवं एक छक्का की मदद से सर्वाधिक 43 रन बनाए जबकि चंदन कुमार ने 22 रन, चक्रधर ने 20 रन, अनिस कुमार दास ने 15 रन तथा प्रभात बोयपाई ने 11 नाबाद रन बनाए। स्टूडेंट क्लब की ओर से मनीष कुमार ने 21 रन देकर तीन विकेट, तेज गेंदबाज उत्कर्ष सिंह ने 28 रन देकर तीन विकेट तथा अतुल ने 23 रन देकर दो विकेट चटकाए।

नित्यानंद राय पर तंज, कहा- बेकार बोलते हैं

तेजस्वी बोले- ढाई साल में 5 लाख नौकरी देंगे:2025 तक 10 लाख जॉब देकर वादा पूरा करेंगे

पटना: राष्ट्रीय जनता दल संविधान दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने अपने संबोधन में सबसे बड़ा दुश्मन भाजपा को बताने की बजाय कहा कि हमारा सबसे बड़ा दुश्मन बेरोजगारी और गरीबी है।

ढाई साल में 5 लाख लोगों को नौकरी देंगे तेजस्वी ने कहा कि कोई एक राज्य बता दें कि लाखों की संख्या में नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। बिहार में लाखों की नौकरी मिल रही, दूसरी तरफ पीएम मोदी 50 हजार दिखावटी, बनावटी और मिलावटी नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं, देखा देखी। अब उनकी मजबूरी हो गई है। करीब 2 लाख लोगों को साल भर में सरकारी नौकरी दी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग में हम पब्लिक हेल्थ कैडर ला रहे हैं, जिसमें एक लाख 60 हजार नौकरियां निकलने वाली है। ढाई साल के अंदर हमारी सरकार पांच लाख लोगों को नौकरी देंगी। 2025 तक हम 10 लाख नौकरी का वादा पूरा करेंगे। आरक्षण का दायरा बढ़ाया, इसे अनुसूची 9 में रखा जाए हम चाहते हैं कि सभी के साथ न्याय हो, सभी का विकास हो, कमजोर तबकों के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं। विकास सबसे निचले स्तर तक के लोगों तक पहुंचे। देश का सबसे बड़ा दुश्मन गरीबी और बेरोजगारी है। इसलिए इस दिशा में हम काम कर रहे हैं। हमलोगों ने संघर्ष करके जाति गणना बिहार में करवायी। आर्थिक न्याय देकर मुख्यधारा में लाना हमारा मकसद है। हमलोग पीएम से मिलने गए थे जाति जनगणना के लिए। लेकिन मना कर दिया गया। एक साल हमारी सरकार को हुआ है हमने जाति गणना करवा लिया है। बिहार में 94 लाख परिवार गरीब हैं। हर जाति में है गरीबी गरीब हर जाति में हैं। चाहे वे सवर्ण ही क्यों नहीं हों। अब आबादी के हिसाब से लोगों को हक और अधिकार भी मिलना

चाहिए। इसके लिए आरक्षण की सीमा हमलोगों ने बढ़ायी। 50 से 65 फीसदी आरक्षण किया गया। इससे शैक्षणिक संस्थानों में और रोजगार में ज्यादा अवसर मिलेंगे। 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस का आरक्षण है। भारत सरकार बिहार में हो रहे जाति सर्वे को कोर्ट कचहरी में लोगों को खड़ा करवाकर रोकवाना चाहती थी। अब आरक्षण की बढाई गई सीमा सुरक्षित रहे, इसे अनुसूची 9 में रखा जाए, भारत सरकार को इसके लिए रेकोमेंड किया गया है। जो कांग्रेस पार्टी पहले कभी भी जाति जनगणना की बात नहीं करती थी उसके नेता राहुल गांधी भी कह रहे हैं कि उनकी सरकार आएगी तो जाति जनगणना कराएगी। कई राज्यों में यह मांग है। जो सत्ता में बैठे लोग हैं उनको ये हजम नहीं हो रहा है। 90-10 का रेशियो होना चाहिए कहा कि गरीब परिवार को हमारी सरकार 2 लाख रुपए दे रही। भूमि खरीदने के लिए एक लाख और पक्का मकान बनाने के लिए एक लाख 20 हजार रुपए देने जा रही है। मुंगेर में मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल का शिलान्यास किया और भाजपा के लोग कह रहे हैं कि नरेन्द्र मोदी ने भेजी है राशि, बहुत झूठ बोल रही है भाजपा। वे लोग तो स्कीम का नाम बदल रहे हैं। केन्द्रीय योजना में 90-10 का रेशियो होना चाहिए। हमारी यही तो मांग है। लेकिन इससे केन्द्र सरकार मना कर रही है। हमारा सपना अभी पूरा नहीं हुआ, गैरबराबरी कायम है-शिवानंद आरजेडी के वरिष्ठ नेता शिवानंद तिवारी ने युसूफ मेहर अली और राम मनोहर लोहिया की चर्चा करते हुए अपनी बात रखी। आजाद देश कैसा होगा उसका जो सपना देखा गया था वह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। गैरबराबरी उसी तरह से है। लोहिया का ही कमाल था कि महारानी को उन्होंने मेहतरानी लड़वा दिया था। पिछड़े- दलित को अभी भी हक के लिए लड़ना पड़ रहा है। देश को फासीवाद की तरफ ले जाया जा रहा है। केन्द्र की सरकार काफी खतरनाक है। समय पर हमलोग चेते नहीं इसलिए आज ऐसी स्थिति है। तेजस्वी ने चुनाव के समय 10 लाख लोगों को नौकरी देने की बात कही थी तब नीतीश कुमार ने क्या कहा था वह अलग बात है। बिहार में बदलाव हो रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हर राजनीतिक पार्टी को अपनी बात रखने, कार्यक्रम करने का अधिकार है। नरेन्द्र मोदी की सरकार के लोग तबाह और परेशान हैं। इसलिए उनके कार्यक्रम में भीड़ नहीं जुट रही है। नित्यानंद राय ने बयान दिया था कि आरजेडी जदयू को तोड़ रही है। इस तेजस्वी यादव ने कहा कि जो बेकार की बात बोलता है और जिसके पास कोई तथ्य नहीं है उस पर हम कोई टिप्पणी नहीं करते हैं। राष्ट्रीय जनता दल संविधान दिवस के अवसर पर आजादी की लड़ाई में स्वतंत्रता सेनानी युसूफ मेहर अली को याद कर रही है। आरजेडी का कहना है कि देश में संविधान खतरे में है। युसूफ मेहर अली के बारे में बताएं कि जब उन्होंने महात्मा गांधी को एक धनुष भेंट किया था। धनुष पर खुदा हुआ था- क्विट इंडिया। गांधी जी ने इसी को देख अगस्त क्रांति का नाम 'भारत छोड़ो आंदोलन' रखा। 'साइमन कमीशन गो बैक' का नारा भी युसूफ मेहर अली ने ही दिया था। आरजेडी की ओर से पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी शामिल हो रहे हैं।

2 साल की बच्ची से दुष्कर्म, हत्या कर शव दफनाया

मुजफ्फरपुर :में गुरुवार की रात दो साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला सामने आया है। बच्ची की मां ने शुक्रवार को मीनापुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई है, जिसमें चार लोगों लालबाबू सहनी (18), उसकी मां सीता देवी (47), भाई राजेश कुमार (25) और मौसेरे भाई सुनील (22) को आरोपी बनाया गया है। प्राथमिकी में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को ही मुख्य आरोपी लाल बाबू सहनी और उसके मौसेरे भाई सुनील को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया है। वहीं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पोस्टमार्टम में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। गिरफ्तार आरोपी लालबाबू सहनी ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि खेलने के बहाने के बुलाकार बच्ची से दुष्कर्म किया। फिर दुष्कर्म के बाद राज खुल जाने के डर उसने बच्ची की हत्या कर दिया। इसके बाद शव को घर से 200 मीटर की दूरी पर जमीन में दफना दिया। उसके बाद वो अपने मौसेरे भाई सुनील के पास चला गया। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी मीनापुर थाना अध्यक्ष मुन्ना गुप्ता ने बताया कि बच्ची की मां के द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें चार लोगों को आरोपी बनाया गया है। मुख्य आरोपी लाल बाबू और उसके मौसेरा सुनील भाई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। अन्य दोनों फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है।

एनआरआई प्रोफेसर के खाते से 6.45 लाख उड़ाए

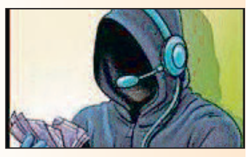

मुजफ्फरपुर: में उज्बेकिस्तान के मेडिकल कॉलेज में बतौर प्रोफेसर काम करने आयुष अभिनव के साथ साइबर ठगों ने ठगी की है। उनके खाते से 6.45 लाख रुपये उड़ा लिए गए हैं। ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आते ही प्रोफेसर के पिता ने इस संबंध में काजी मोहम्मदपुर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दिए आवेदन में ठगी के शिकार प्रोफेसर के पिता ने बताया कि उनका बेटा उज्बेकिस्तान के एक मेडिकल विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। जिनका खाता भगवानपुर के एक निजी बैंक आईसीआईसीआई में है। दो दिन पहले ही उनके बेटे ने कॉल कर पचास हजार रुपए मांगे थे। इसी दिन उनके पुत्र को साइबर अपराधियों ने कॉल कर ना सिर्फ झांसे में लिया बल्कि उनके खाते में मौजूद साढ़े छह लाख की राशि को भी ऑनलाइन उड़ा लिया गया। अब इस संबंध में मुजफ्फरपुर पुलिस को आवेदन देकर परिजनों ने कार्रवाई की मांग की है। वहीं साइबर ठगी से जुड़े इस मामले की शिकायत मिलने पर काजी मोहम्मदपुर के थानेदार मनोज कुमार ने बताया की प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

छात्रों को दी जाएगी इंटेलिजेंस की ट्रेनिंग

पटना: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) की ओर से विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से स्पेशल बूट कैंप का आयोजन किया जाएगा। यह बूट कैंप 28 नवंबर से 14 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। इस बूट कैंप में कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। इस स्पेशल बूट कैंप में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। हर दिन शाम 4 से 6 बजे तक चलेगा ट्रेनिंग सेशन बोर्ड की ओर से बूट कैंप में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन लिंक वेबसाइट पर जारी कर दिया है। इच्छुक विद्यार्थी निःशुल्क रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। प्रत्येक सेशन में कुल 120 बच्चे भाग ले सकेंगे। हर दिन शाम 4 से 6 बजे तक ट्रेनिंग सेशन का आयोजन होगा। न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत क्लास 9वीं और 10वीं के सिलेबस में एआई को शामिल किया गया है। इस ट्रेनिंग में शिक्षक विद्यार्थियों को थिंक-शेयर लर्न प्रैक्टिस के तहत ट्रेनिंग देंगे। ट्रेनिंग में विद्यार्थियों को डिजिटल कंटेंट डेवलपमेंट करने के बारे में प्रशिक्षित किया जाएगा। बोर्ड की ओर से इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विषय के शिक्षकों को पहले ही विशेष ट्रेनिंग दी जा चुकी है। शिक्षकों को क्लाउड, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग की जानकारी दी गई है।

मरीजों पर निजी क्लीनिक में चलने का बना रहा था दबाव

मुजफ्फरपुर: उत्तर बिहार के प्रसिद्ध एसकेएमसीएच अस्पताल में भर्ती को जबरदस्ती व बहला फुसला कर निजी क्लीनिक में लेजाने का खेल काफी दिनों से चल रहा है। इसको लेकर कई बार अभियान भी चलाया गया। लेकिन अबतक इसपर अंकुश नहीं लगा पाया है। शनिवार को एसकेएमसीएच अस्पताल से एक दलाल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अग्रतर कार्रवाई कर रही है।

आरा-टाटा सुपरफास्ट एक्सप्रेस 26 नवम्बर को रहेगी रद्द

बिहार: से झारखंड टाटा जाने वाले यात्रियों के लिए जरूरी सूचना है। इस रूट पर आज 26 नवंबर को यह ट्रेन रद्द हो गईं हैं। अपरिहार्य तकनीकी कारणों को लेकर आरा जक्शन से टाटा नगर के बीच चलने वाली 18184 आरा-टाटा सुपरफास्ट एक्सप्रेस का परिचालन रद्द रहेगी। आरा-टाटा एक्सप्रेस ट्रेन रद्द होने के कारण जमुई से टाटा जाने वाली यात्रियों को काफी परेशानी होगी। आरा से टाटा स्टेशन तक जाने वाली इस ट्रेन में सबसे ज्यादा जमुई स्टेशन पर यात्री सफर करते है। रेल सूत्रों की माने तो सबसे ज्यादा पटना जक्शन के बाद जमुई स्टेशन पर टिकट इस ट्रेन का टिकट कटती है। यात्रियों को होगी परेशानी यह ट्रेन रद्द होने के कारण जसीडीह,मधुपुर, आसानसोल के रास्ते टाटा जाने वाले लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

इसकी जानकारी हाजीपुर जोन के सूचना जनसंपर्क अधिकारी बीरेंद्र कुमार ने प्रेस रिलीज जारी कर दिए। उन्होंने बताया की अपरिहार्य तकनीकी कारणों को लेकर आरा टाटा नगर ट्रेन को रद्द किया गया है।

स्कूली बच्चों ने नशा मुक्ति की शपथ दिला किया जागरूक

किशनगंज (बिहार): मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी राजयोगा संस्थान के तत्वाधान में नशा व व्यसन मुक्ति का संदेश बच्चों के बीच प्रसारित किया गया। विद्यालय के डायरेक्ट श्री त्रिलोक चंद जैन ने बच्चों का ध्यान उक्त विषय की ओर आकृष्ट करते हुए अपने संबोधन में कहा कि मजबूत भारत के निर्माण के लिए हमें नशा एवं व्यसन से दूर रहना चाहिए। आज के समय में नशा एक ऐसी समस्या बन गई है। जिसका प्रभाव व्यक्ति,परिवार और समाज के कई स्तरों पर दिखाई पड़ता है। नशीले पदार्थ के सेवन से समाज एवं देश को क्षति पहुंच रही है।

इसलिए युवा पीढ़ी को नशीले पदार्थों से दूर रहने का संकल्प लेना हैं।

मौके पर ट्रस्टी सह कोषाध्यक्ष राजकरण दफ्तरी ,संयुक्त निदेशक अजय कुमार बैद,ब्रह्म कुमारी के सुमन दीदी , भाई गणेश, प्राचार्या अंकिता जैन, एचएम संजय कुमार साह, सी पी सिंह, शैक्षणिक प्रभारी आशीष दास आदि मौजूद थे।

थर्मल पावर में किसानों की जमीन के मुआवजे का होगा निपटारा

बक्सर: के चौसा में थर्मल पावर निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि के स्थल निरीक्षण के बाद आज यानी 26 नवंबर को विधिक जागरूकता और कैंप कोर्ट आयोजन किया गया है। 9 मौजा के किसानों का वाटर पाइप लाइन और 14 मौजा के किसानों के रेल कॉरिडोर में जा रही जमीन का मुआवजा संबंधी समस्या का निदान करने का प्रयास किया जाना है। इसकी जानकारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी विनोद कुमार ने दी है। उन्होंने बताया है कि इस मामले में अध्यक्ष-सह-पीठासीन पदाधिकारी, भूमि अर्जन पुनर्वासन और प्रमंडल पटना के निर्देश के आलोक में यह आयोजित कराई जा रही है। संबंधित पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिया गया है। आवेदन पत्र में संबंधित सभी प्रपत्र कैंप में पर्याप्त मात्रा में रखने की कार्रवाई जिला भू अर्जन कार्यालय बक्सर कहा गया है। अगर जरूरी हो तो रैयतों का शपथ पत्र कैंप स्थल पर ही तैयार किया जायेगा। जिसके लिए कार्यपालक दण्डाधिकारी बक्सर डुमरांव अपने कर्मी के साथ उपस्थित रहेंगे। इसके लिए अनुमण्डल पदाधिकारी बक्सर डुमरांव आदेश दिया गया है। कैंप स्थल पर काफी संख्या में हितबद्ध रैयतों के आने की संभावना है। विधि व्यवस्था संधारण के लिए पर्याप्त मात्रा में पुरुष, महिला पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति पुलिस दण्डाधिकारी के साथ एसपी द्वारा की जाएगी। कैंप स्थल और स्थल निरीक्षण के क्रम में विधि व्यवस्था संधारण के लिए विशेष कार्य पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा बक्सर, एसडीओ बक्सर से समन्वय स्थापित करते हुए दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। बता दें कि चौसा में निमार्णाधीन 1320 मेगा वॉट थर्मल पावर के महत्वपूर्ण अंग वाटर पाइप लाइन में 9 और रेल कॉरिडोर के लिए 14 मौजा के किसानों की जमीन जा रही है, लेकिन एक साल से ऊपर किसानों और सरकार द्वारा जो जमीन का मुआवजा तय किया गया था, उसे लेने से इनकार कर किसान धरने पर बैठ गए। जिला प्रशासन द्वारा इस मामले को लारा प्राधिकार के अधीन भेज दिया गया। आज चौसा में किसान को बिना परेशानी हाथों हाथ मुआवजा देने के लिए कोर्ट कैंप का आयोजन किया गया है। हालांकि अधिकतर किसान अभी बीना सरकार द्वारा तय रेट पर अपनी जमीन देने को तैयार नहीं है।

संक्षिप्त डायरी

चेन पुलिंग का विरोध करने पर बवाल

समस्तीपुर। जयनगर से दानापुर जा रही इंटरसिटी एक्सप्रेस पर रविवार को हायाघाट रामभद्रपुर स्टेशन के बीच असमाजिक तत्वों ने पथराव कर दिया। इस दौरान कई बोगियों के शीशे टूट गए। घटना की सूचना पर आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। एक युवक को हिरासत में लिया गया है, पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में बताया जा रहा है कि हायाघाट से ट्रेन खुलने के बाद रामभद्रपुर के बीच ट्रेन में सवार करीब 6 युवकों ने कई जगहों पर चेन पुलिंग किया था। बार-बार चेन पुलिंग किए जाने के कारण यात्रियों ने इसका विरोध किया। इस दौरान यात्रियों ने एक युवक को पकड़ लिया। इसी बात से नाराज चेन पुलिंग करने वाले युवक ने रामभद्रपुर स्टेशन पर ट्रेन खुलते ही पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान यात्रियों ने पकड़े गए युवक को समस्तीपुर में आरपीएफ के हवाले कर दिया। आरोपी कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रतबारा गांव का रहने वाला है। एसी बोगी को पहुंचा है ज्यादा नुकसान पथराव के कारण इंटरसिटी एक्सप्रेस की एक बोगी को ज्यादा नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा अउ बोगी के साथ जुड़े एक अन्य सामान कोच को भी नुकसान पहुंचा है। समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के बाद इस ट्रेन को दानापुर के लिए रवाना कर दिया गया। इस मामले में केस दर्ज किया जा रहा है। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने क्या कहा आरपीएफ इंस्पेक्टर बीपी वर्मा ने बताया कि इस मामले में यात्रियों ने एक युवक को पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। युवक ने पथराव में शामिल अन्य लोगों का नाम भी बताया है, जिस पर केस दर्ज की जा रही है। इस घटना के बाद समस्तीपुर दरभंगा रेल खंड पर ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

प्रसव के दौरान महिला की मौत

बेगूसराय: के नगर थाना क्षेत्र में प्रसव के दौरान निजी अस्पताल में एक महिला की मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने जमकर बवाल काटा। डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाकर NH-31 को जाम कर दिया। मृतका की पहचान गढ़पुरा थाना क्षेत्र के रहने वाले अमित कुमार की पत्नी जूही कुमारी के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि शनिवार देर रात जूही कुमारी के पेट में दर्द हुआ था। आनन-फानन में निजी अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती कराया। ऑपरेशन से बच्चे का जन्म हुआ। बाद में महिला की स्थिति गंभीर हो गई। जिसके बाद उसे दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सही तरीके से इलाज नहीं होने के कारण की जूही की मौत हुई है। मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल में हंगामा करने लगे। साथ ही साथ ज्ञान भारती स्कूल के समीप एनएच 31 को जाम कर दिया। अस्पताल में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। मामले की जानकारी मिवते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। थाना अध्यक्ष रामनिवास ने बताया है कि पेनेशिया अस्पताल में एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। फिलहाल स्थिति काबू में है।

नशा मुक्ति दिवस पर निकाली गई मोतिहारी में प्रभात फेरी

मोतिहारी : नशा मुक्ति दिवस के मौके पर जिले में कई तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी बीच स्कूली छात्रों द्वारा नशा मुक्ति पर प्रभात फेरी निकाली, जिसकी शुरूआत डीएम सौरभ जोरवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रभात फेरी के माध्यम से छात्र-छात्राओं द्वारा नशा मुक्ति से संबंधित नारा लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। नशा छोड़ो ,बोतल तोड़ो, घर को जोड़ो, जन-जन का यही पुकार ,नशा मुक्त हो बिहार, मद्य निषेध हितकारी है, बिटिया की बात प्यारी है। नशा मुक्ति से आई खुशहाली, दूर होगी सबकी बदहाली। गृह क्लेश और मार पिटाई, अब तो छोड़ो यह नशे की लत भाई, जैसे नारे लगाए गए। प्रभात फेरी में मुख्यालय के कई स्कूल ने लिया भाग नशा मुक्ति दिवस पर जिला मुख्यालय के एमजेके गर्ल्स इंटर कॉलेज, मंगल सेमिनरी, जिला स्कूल, गोपाल साह विद्यालय, मुजीब बालिका उच्च विद्यालय, प्रभावती गुप्ता बालिका उच्च विद्यालय, गौरीशंकर मध्य विद्यालय, महावीर मध्य विद्यालय, बाल निकेतन मध्य विद्यालय, महावीर ललित मध्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा समाहरणालय गेट से शुरू हुआ जो शहर में घूम घूम कर नारा लगाया। डीईओ संजय कुमार ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर प्रखंड स्तरीय विद्यालयों में निबंध, लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया है। इस मौके पर डीईओ, श्रम अधीक्षक ,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी गण और स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

मायके से देर पहुंची ससुराल, पति ने मार दी गोली..मौत

बेगूसराय : में पति ने अपनी पत्नी की गोली मार कर हत्या कर दी। मृतक महिला शालो देवी (40) शुक्रवार सुबह बीमार पिता को देखने मायके खगड़िया गई थी। शनिवार शाम ससुराल लौटी, लेकिन थोड़ी देर हो गई। इससे नाराज पति नंद किशोर यादव (50) ने देर रात सोई पत्नी को गोली मार दी और फरार हो गया। घटना साहेवपुर कमाल थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव की है। रविवार की सुबह हत्या की सूचना मिलने ही स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। फिर घटना की सूचना साहेवपुर कमाल थाने को दी गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों की शादी 2003 में हुई थी।

पहले भी कर चुका है हत्या का प्रयास नंद किशोर यादव के बेटे हीरा कुमार (18) ने बताया है कि मां मायके गई थी। मायके से आने में थोड़ा देर हो इससे नाराज होकर पिता ने सोए अवस्था में मां की गोली मारकर हत्या कर दी। फिर मौके से फरार हो गए। मृतक महिला के भाई संदीप कुमार ने बताया कि पिताजी की तबीयत बहुत ज्यादा खराब है। पिता को देखने के लिए बहन आई थी। जब मायके से वापस अपने ससुराल गई तो बहनोई नाराज हो गए। रात में बहन सोई थी, तभी उन्होंने गोली मार दी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। संदीप ने बताया कि इससे पहले भी बहनोई ने बहन को धारदार हथियार से हत्या का प्रयास कर चुका है। पति की गिरफ्तारी को लेकर की जा रही घटना की सूचना मिलने के बाद साहेवपुर कमाल थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुट गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है। वहीं, आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

भव्य अयोध्या, दिव्य अयोध्या

पांच सौ वर्ष के अथक संघर्ष के पश्चात अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर श्री रामलला के भव्यझदिव्य मंदिर का निर्माण कार्य तीव्र गति से सम्पूर्णता की दिशा में अग्रसर है । मंदिर के भूतल का लगभग 95 प्रतिशत का कार्य पूर्ण हो चुका है। अगले साल 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन होना भी सुनिश्चित हो गया है। कुछ वर्ष पूर्व तक जो अयोध्या हिन्दुओं के संघर्ष की धरती थी। वह 22 जनवरी 2024 को सर्व संतोषकारिणी नगरी बनने जा रही है। लंबे संघर्ष के बाद प्रभु श्रीराम लला अपनी जन्मभूमि पर पधारेंगे। प्रत्येक सनातनी यह सोचकर हर्षित और प्रफुल्लित हो रहा है कि अयोध्या में श्रीरामलला के विराजमान हो जाने के बाद उनके सभी दुखों व चिंता का निवारण हो जाएगा। उत्तर प्रदेश ही नहीं संपूर्ण भारत में आनंद की बयार बह रही है और हो भी क्यों न, हम सबके श्रीराम अपने घर आ रहे हैं। यही कारण है कि अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार अयोध्या को अखिल विश्व की सुंदरतम नगरी बनाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। एक समय था जब रामभक्त अयोध्या दर्शन करने जाते अवश्य थे किंतु हनुमानगढ़ी और कनक भवन के दर्शनों तक सीमित रह जाते थे और बहुत कम श्रद्धालु श्री रामजन्मभूमि के दर्शन करने के लिए जाते थे, क्योंकि तम्बू में बैठे भगवान तक पहुंचना सरल नहीं था। किन्तु सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आने के बाद परिवर्तन आया। और अब 22 जनवरी के बाद परिस्थितियां पूरी तरह से बदल जाएंगी। रामभक्तों की प्रतीक्षा पूर्ण हो जाएगी। श्रीराम मंदिर के उद्घाटन के पश्चात श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ने की उम्मीद है। अयोध्या में उनके भव्य स्वागत, रहने -ठहरने व दिव्य दर्शन सुलभ करने के लिए व्यापक प्रबंध किए जा रहे हैं। अयोध्या व उसके आसपास के समस्त क्षेत्र को इस प्रकार से निर्मित किया जा रहा है कि श्रद्धालुओं को त्रेतायुग के समय का आभास हो। विगत कई वर्षों से अयोध्या में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रभु श्रीराम माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ उसी प्रकार पुष्पक विमान से उतरते हैं जिस प्रकार वह त्रेता युग में उतरे थे।अयोध्या को विश्व स्तर की धार्मिक नगरी के रूप में विकसित करने के लिए करीब तीन हजार करोड़ रुपये लागत की विभिन्न अवस्थापना परियोजनाओं पर काम चल रहा है। अयोध्या में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के नाम पर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है और संभावना व्यक्त की जा रही है कि दिसंबर में उड़ानें भी प्रारंभ हो जायेंगी। वंदेभारत ट्रेन लखनऊ से अयोध्या के बीच शुरू हो चुकी है।अयोध्या से रामेश्वरम तक सीधी रेलगाड़ी चलाई गई है। अयोध्या रेलवे स्टेशन को भव्य बनाया जा रहा है। पर्यटन विभाग अयोध्या को जोड़ने वाले सुल्तानपुर, बस्ती, गोंडा, अंबेडकरनगर और रायबरेली हाइवे पर बड़े द्वारों का निर्माण कर रहा है। अयोध्या व आसपास के जिलों व कस्बों में बड़ी संख्या में होटल बन रहे हैं। तीर्थयात्रियों को आकर्षित करने के लिए कई योजनाएं: तीर्थयात्री केवल अयोध्या मंदिर दर्शन तक ही सीमित न रह जाएं इसलिए तीर्थाटन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर भी कार्य चल रहा है। पंचकोसी, चौदह कोसी तथा चौरासी कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित धार्मिक स्थलों का भी सुंदरीकरण किया जा रहा है। सरयू नदी में विहार के साथ मंदिरों के दर्शन के लिए क्रूज सेवा और रोमांचक वाटर स्पोर्टस सेवा भी प्रारंभ हो गई है। साथ ही अभी कई और योजनाएं प्रारंभ होने वाली हैं। 2017 में पहली बार मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ अपने प्रथम कार्यकाल में 46 बार अयोध्या पहुंचे और इस कार्यकाल में भी उनका आगमन निरंतर हो रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अयोध्या में हर वर्ष दीपोत्सव का आयोजन होने से अयोध्या को नई पहचान मिली है। हर वर्ष दीपों की संख्या गिनीज बुक में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ती है। अयोध्या तीर्थ विकास परिषद का गठनः अयोध्या पर आयोजित बैठक में अयोध्या जी तीर्थ विकास परिषद व देवी पाटन धाम तीर्थ विकास परिषद के गठन को स्वीकृति दी गई है।अयोध्या कैबिनेट में शुक तीर्थक्षेत्र विकास परिषद के गठन का भी ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। ज्ञातव्य है कि अयोध्या के समग्र विकास के लिए पहले से ही केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से 30,500 करोड़ रुपये की कुल 178 परियोजनाएं चल रही हैं। बलरामपुर जिले में स्थित देवीपाटन के भी समग्र विकास के लिए देवी पाटन धाम तीर्थ विकास परिषद व मुजफ्फरनगर के शुक तीर्थ धाम के विकास के लिए शुक तीर्थ धाम विकास परिषद के गठन का निर्णय लिया गया है। सभी विकास परिषद अपने -अपने क्षेत्रों में किसी भी परियोजना व विकास के प्रस्ताव में परामर्श व मार्गदर्शन करेंगे। बलरामपुर जनपद की अयोध्या से दूरी सड़क मार्ग से मात्र 90 किलोमीटर है। यहां स्थित मां पाटेश्वरी धाम एक महत्वपूर्ण तीर्थ है जहां नेपाल के श्रद्धालु भी आते हैं। भारत मंदिर संग्रहालय बनाने का निर्णयः योगी सरकार ने अयोध्या की तहसील सदर के ग्राम माझा जमथरा की नजूल की 25 एकड़ भूमि पर्यटन विभाग को उपलब्ध करते हुए यहां भारतीय मंदिर वास्तुकला संग्रहालय का निर्माण कराने का निर्णय लिया है, जिससे अयोध्या दर्शन के लिए आने वाले लोग भारत के वास्तु के बारे में भी जान सकेंगे। अलग -अलग कालखंड में किस- किस प्रकार के मंदिर बने, उन मंदिरों के इतिहास को इस संग्रहालय के माध्यम से सामने रखा जा सके इसके लिए प्रस्ताव पारित किया गया है। अयोध्या शोध संस्थान को विस्तार देते हुए अंतरराष्ट्रीय शोष संस्थान का स्तर दिये जाने का भी निर्णय हुआ है। इससे विश्व में रामकथा साहित्य पर अध्ययन एवं शोध हो सकेंगे।

भारत का संविधान और राजधर्म

ANALYSIS

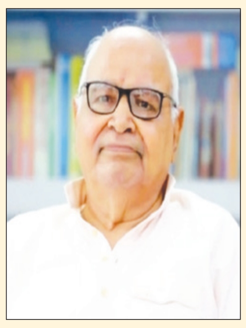

हृदयनारायण दीक्षित

श्रीराम का लंका विजय व श्रीकृष्ण अर्जुन के सुन्दर चित्र भी हैं। बुद्ध, महावीर, सम्राट अशोक, गुप्तकाल, शिवा जी, गुरु गोविन्द सिंह आदि सभी के चित्र आकर्षित करते हैं। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपने आखिरी भाषण में कहा कि, 'संविधान उपबंध करे या न करे, राष्ट्र कल्याण उन व्यक्तियों पर निर्भर करेगा जो देश पर शासन करेंगे।' डॉ. आम्बेडकर ने अंतिम भाषण दिया और कहा कि, 'एक समय था जब भारत गणराज्यों से सुसज्जित था। भारत संसदीय प्रक्रिया से भी अपरिचित नहीं था।' संविधान सभा में राष्ट्रजीवन की सभी समस्याओं पर चर्चा हुई थी। जम्मू कश्मीर विषयक अनुच्छेद 370 संविधान का अस्थाई उपबंध बना। जम्मू कश्मीर विशेष उपबंध की व्यवस्था ठीक नहीं थी। इस व्यवस्था का खात्मा नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 2019 में किया। भारतीय संविधान की रचना में देश के चोटी के विद्वानों ने हिस्सा लिया था। सभी विषयों पर जमकर चर्चा हुई थी। अल्पसंख्यक अधिकार समिति के सभापति सरदार पटेल ने अपनी सिफारिशें सभा में रखी थीं।

संविधान भारत का राजधर्म है। संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 के दिन संविधान पारित किया था। भारत के लिए यह तिथि चिर स्मरणीय है। संविधान जन गण मन का भाग्य विधाता है। संविधान में विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका प्रतिष्ठित संस्थाएं हैं। संविधान में विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विधि के समक्ष समता सहित सभी मौलिक अधिकार हैं। संविधान में भारतीय संस्कृति को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है। संविधान की हस्तलिखित प्रति में राम, कृष्ण, हड़प्पा काल की मोहरों व वैदिक काल के गुरुकुल आश्रम के चित्र हैं। श्रीराम का लंका विजय व श्रीकृष्ण अर्जुन के सुन्दर चित्र भी हैं। बुद्ध, महावीर, सम्राट अशोक, गुप्तकाल, शिवा जी, गुरु गोविन्द सिंह आदि सभी के चित्र आकर्षित करते हैं। संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपने आखिरी भाषण में कहा कि, 'संविधान उपबंध करे या न करे, राष्ट्र कल्याण उन व्यक्तियों पर निर्भर करेगा जो देश पर शासन करेंगे।' डॉ. आम्बेडकर ने अंतिम भाषण दिया और कहा कि, 'एक समय था जब भारत गणराज्यों से सुसज्जित था। भारत संसदीय प्रक्रिया से भी अपरिचित नहीं था।' संविधान सभा में राष्ट्रजीवन की सभी समस्याओं पर चर्चा हुई थी। जम्मू कश्मीर विषयक अनुच्छेद 370 संविधान का अस्थाई उपबंध बना। जम्मू कश्मीर विशेष उपबंध की व्यवस्था ठीक नहीं थी। इस व्यवस्था का खात्मा नरेन्द्र मोदी की सरकार ने 2019 में किया। भारतीय संविधान की रचना में देश के चोटी के विद्वानों ने हिस्सा लिया था। सभी विषयों पर जमकर चर्चा हुई थी। अल्पसंख्यक अधिकार समिति के सभापति सरदार पटेल ने अपनी सिफारिशें सभा में रखी थीं।

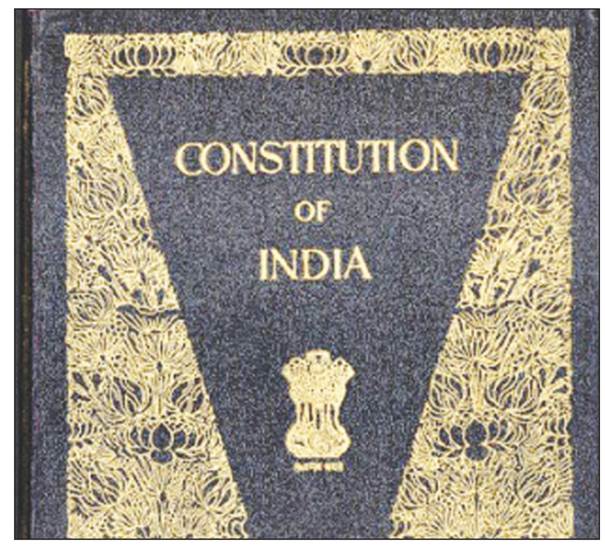

यह हिस्सा ऐतिहासिक महत्व का है। यों तो संविधान सभा की पूरी बहस रोमांचकारी है। लेकिन बहस का एक मजेदार किस्सा संविधान में 'ईश्वर' को शामिल करने का है। राष्ट्रपति की शपथ के प्रारूप मसौदे में 'ईश्वर' का उल्लेख नहीं था। एचवी कामत ने ईश्वर को जोड़ने का संशोधन प्रस्ताव रखा, 'मेरे मन में भावना उठी कि इसमें कुछ कमी है। ईश्वर को विधान में स्थान मिलना चाहिए। मेरी धारणा थी कि प्रस्तावना का ही आरम्भ ईश्वर की स्तुति से होना चाहिए था। कदाचित यह ईश्वर की इच्छा थी कि विधान उसके नाम से वंचित होना चाहिए।' कामत ने कहा, 'हम भगवान को जितना दूर हटाते हैं, उतना ही वह हमारा पीछा करता है।' महावीर त्यागी ने ईश्वर के नाम पर या निश्चयपूर्वक सत्यनिष्ठा से शपथ लेने का संशोधन रखा। उन्होंने कहा 'इसका अर्थ यह होगा कि जो भगवान में विश्वास करते हैं वे उसके नाम में शपथ लेंगे और जो इस मत के हैं कि ईश्वर के विषय में न कुछ जाना जा सका है और न जाना जा सकता है उन नास्तिकों को केवल गम्भीरतापूर्वक निश्चयोक्ति करने की स्वतंत्रता होगी।' यह बहस भारत के इतिहास का अंग है। त्यागी ने कहा, 'ब्रिटिश संसद भी प्रार्थना से शुरू होती है। उनकी व्यवस्था साम्प्रदायिक राज्य नहीं है।' काजी करीमुद्दीन ने कहा, 'मैं बहुत प्रसन्न हूं कि उन्होंने ईश्वर के पक्ष में तर्क उपस्थित किये हैं कि ईश्वर को हमारे विधान से नहीं मिटाना चाहिए। मेरा निवेदन है कि यदि उनका संशोधन स्वीकार कर लिया जाये तो हम उन लोगों को अलग कर रहे होंगे जिन्हें ईश्वर में विश्वास नहीं है। इस देश में और अन्यत्र ऐसे बहुत से लोग है जिन्हें ईश्वर में विश्वास नहीं होता।' प्रो. केटी शाह ने कहा, 'ईश्वर का नाम रखने की प्रबल इच्छा के बावजूद मैं समझता हूं, हम अन्य लोगों की मूर्खताओं को दोहरा सकते हैं। मुझे भय है कि ईश्वर के नाम की केवल उपस्थिति मनुष्य की निर्बलता के विरुद्ध प्रतिभूति नहीं होगी।' धर्म और ईश्वर के नाम पर झगड़ों की चर्चा भी हुई। आरके सिंघवा ने कहा, 'मुझे ईश्वर के अस्तित्व तथा धर्म में भी दृढ़ विश्वास है। हम ईश्वर का आशीर्वाद मांगते हैं, केवल इसीलिये परमात्मा का नाम विधान में रखना उचित नहीं होगा। यदि आपको ईश्वर पर सच्चा विश्वास है तो वह सर्वत्र व्यापक है। ईश्वर के विधान में रखने मात्र से संतोष अनुभव करने से कोई लाभ नहीं है। प्रधान (राष्ट्रपति) ईश्वर के नाम पर शपथ लें तथा बाद में ईश्वर के उपदेशों के विरूद्ध कोई कार्य करे। मैं अपने मित्र करीमुद्दीन के विचारों से सहमत नहीं हूं कि असाम्प्रदायिक राज्य में 'ईश्वर' शब्द आ ही नहीं सकता। असाम्प्रदायिक राज्य का यह अर्थ नहीं है कि कोई व्यक्ति भगवान में विश्वास ही नहीं कर सकता। हम कहते हैं कि धर्म का हमारे विधान से कोई सम्बन्ध नहीं होगा। धर्म व्यक्तिगत मामला है। मैं भगवान पर विश्वास करता हूं। मैं धर्म को निजी मामला समझता हूं। मुझे यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि भगवान पर किस रूप में किस प्रकार विश्वास करते हैं। ईश्वर धर्म का प्रतीक है। श्रीमान्, हम जानते ही हैं कि धर्म के नाम पर इस देश में कैसी नाशकारी बातें होती रही हैं।' केएम मुंशी बोले 'यदि भारतीय संस्कृति का कुछ भी आशय है तो यही कि ईश्वर है। भारत धर्म-परायण ही रहेगा और भारत का राज्य धर्म-विरोधी होने के अर्थ में कभी असाम्प्रदायिक नहीं बन सकता। इसका यह अर्थ नहीं कि ईश्वर पर विश्वास करने वाला देशसेवा की प्रतिज्ञा करते समय ईश्वर की शपथ नहीं ले सकता।' दिलचस्प दलील देते हुए तजम्मुल हुसैन ने कहा, 'समस्त धर्म कहते हैं कि ईश्वर की इच्छा के बिना कुछ नहीं होता। मेरे माननीय मित्र श्री कामत ईश्वर की इच्छा से ही ईश्वर के नाम को रखने का प्रस्ताव रखने के लिए खड़े हुए थे और मैं भी यहां ईश्वर की इच्छा और आज्ञा से ही यह कहने आया हूं कि वह अपना नाम यहां बिल्कुल नहीं चाहता।' उन्होंने कहा, 'हम सब जानते हैं कि भगवान एक है किन्तु हमने हजारों ईश्वरों की उत्पत्ति कर दी है। आप किसके भगवान को रखेंगे?' डॉ. आम्बेडकर ने कहा, 'जहां तक मेरा अध्ययन है, 'ईश्वर' शब्द का विभिन्न धर्मों में विभिन्न महत्व है। ईसाई और मुसलमान ईश्वर को एक कल्पना के समान ही नहीं मानते बल्कि ऐसी शक्ति मानते हैं जो संसार पर राज्य करती है। अस्तिकों के नैतिक और आध्यात्मिक कार्यों पर शासन करती है। जहां तक हिन्दू धर्म का सम्बन्ध है, मेरे विचार से और मैं पूर्णतः गलती पर हो सकता हूं। मैं इस विषय का ज्ञानी होने का दावा नहीं करता - मेरा ख्याल था कि 'ईश्वर' शब्द और बड़ा शब्द प्रयोग करें तो 'परमेश्वर' एक आशय का, एक कल्पना का निचोड़ ही है। मुझे प्रसन्नता है कि यह संशोधन पेश किया गया है। कुछ सदस्यों ने संशोधन पर आपत्ति की है। उन्हें भय है कि 'ईश्वर' शब्द के रखने से असाम्प्रदायिक राज्य के गुण में अंतर पड़ जायेगा। मेरे विवेकानुसार 'ईश्वर' शब्द के रख देने से वह प्रश्न तो उठता नहीं। उन्होंने कहा, 'यदि प्रधान (राष्ट्रपति) सोचता हो कि ईश्वर एक विश्वसनीय मंत्री है और यदि उसके नाम से शपथ नहीं लेगा तो वह अपने कर्तव्य के प्रति सच्चा नहीं रहेगा, तो हमें चाहिए कि उसे ईश्वर के नाम पर शपथ लेने की स्वतंत्रता दें। यदि कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ईश्वर को विश्वसनीय मंत्री नहीं समझता तो हमें उसे निश्चयोक्ति के आधार पर कर्तव्य करने की स्वतंत्रता देनी चाहिए।'

लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।

उन्होंने आंखों के लाखों रोगियों को दिया उजाला

जब समाज में डॉक्टरों को लेकर तमाम तरह की नकारात्मक बातें होने लगी हैं, तब कुछ ऐसे भी डॉक्टर हैं जो अपने काम से सर्वप्रिय हो जाते हैं। उनका सब स्वतः ही सम्मान करने लगते हैं। शंकर नेत्रालय के संस्थापक डॉ.एस.एस. बद्रीनाथ भी उस तरह के डॉक्टर थे। उनकी वजह से आंखों के लाखों रोगियों के जीवन में खुशियां आ गईं थीं। उनके हाल ही में हुए निधन से देश ने एक इस तरह के डॉक्टर को खो दिया जिसने अमीर-गरीब रोगियों के बीच में कभी भी भेदभाव नहीं किया । उनकी निगरानी में चेन्नई में शंकर नेत्रालय शुरू हुआ और वह भारत के सबसे बड़े धर्मार्थ नेत्र अस्पतालों में से एक के तौर पर स्थापित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. बद्रीनाथ के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ठीक ही कहा कि आंखों की देखभाल में डॉ. बद्रीनाथ के योगदान और समाज के प्रति उनकी अथक सेवा ने एक अमिट छाप छोड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. बद्रीनाथ का काम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा। आजकल बहुत से डॉक्टरों के रोगियों के साथ सही से इलाज न करने के समाचार सुनने को मिलते रहते हैं, तब डॉ. बद्रीनाथ जैसे डॉक्टर ही एक तरह से उम्मीद की किरण जगाते हैं। उनका हमारे बीच में होना सुकून देता था। वे नेत्र रोगियों के जीवन में आशा की किरण जगाते रहे । किसी भी रोगी के लिए अपने नेत्र चिकित्सक का चयन करना आसान नहीं होता। आखिरकार, रोगी अपनी बहुमूल्य दृष्टि की सुरक्षा के लिए और उसे आजीवन उत्तम स्थिति में बनाए रखने में किसी श्रेष्ठ डॉक्टर की तलाश में रहते हैं। उन्हें जब डॉ. ब्रदीनाथ जैसा सच्चा और ईमानदार डॉक्टर मिल जाता है तो उनकी परेशानी दूर हो जाती है। डॉ. बद्रीनाथ ने मद्रास मेडिकल कॉलेज से मेडिसिन की पढ़ाई की थी। उन्होंने 1963 और 1968 के बीच ग्रासलैंड हॉस्पिटल, न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी पोस्ट-ग्रेजुएट मेडिकल स्कूल और ब्रुकलिन आई एंड ईयर इन्फर्मरी में नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की। अमेरिका में डॉ. बद्रीनाथ की मुलाकात डॉ. वासंती से हुई। एक साल बाद, उन्होंने 1970 तक डॉ. चार्ल्स एल शेपेंस के अधीन मैसाचुसेट्स आई एंड ईयर इन्फर्मरी, बोस्टन में काम करना शुरू किया और लगभग एक साथ रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स (कनाडा) के फेलो और नेत्र विज्ञान में अमेरिकन बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की। वे 1970 में अपने परिवार के साथ भारत आ गए। उन्होंने छह साल की अवधि तक स्वैच्छिक स्वास्थ्य सेवाओं, अड्यार में एक सलाहकार के रूप में काम किया। इसके बाद उन्होंने निजी प्रैक्टिस शुरू की। डॉ. बद्रीनाथ ने 1978 में मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की, जिसकी शंकर नेत्रालय अस्पताल इकाई, एक पंजीकृत सोसायटी और एक धर्मार्थ गैर-लाभकारी नेत्र रोग संगठन है। अगले 24 वर्ष में, उन्होंने और उनके सहयोगियों ने भारत में अंधेपन से निपटने के लिए एक सेना बनाने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञों और पैरामेडिकल कर्मियों को पढ़ाने और प्रशिक्षित करने के अलावा, किफायती लागत पर गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल की पेशकश की और अनुसंधान के माध्यम से नेत्र देखभाल समस्याओं के लिए स्थायी स्वदेशी समाधान की खोज जारी रखी। वर्षों तक अपने धर्मार्थ कार्यों के लिए, डॉ. बद्रीनाथ को भारत सरकार से पद्म श्री और पद्म भूषण का राष्ट्रीय सम्मान मिला । ड़ॉ. बद्रीनाथ को उनके रोगी और उनके संबंधी अपना भगवान मानते थे। आजकल डॉक्टरों के साथ मारपीट के मामले बढ़ते जा रहे हैं। रोगियों के करीबी बात-बात पर डॉक्टरों पर हाथ छोड़ने लगे हैं। पर डॉ. बद्रीनाथ का उनके रोगी और सहयोगी तहेदिल से सम्मान करते थे। बेशक, डॉक्टरों से हाथापाई करने वालों की हरकतों के कारण भ्रष्ट डाक्टरों के खिलाफ मुहिम कमजोर पड़ती है। रोगी और डॉक्टरों के संबंधों में मिठास घोलने की जरूरत है। इसकी पहल डॉक्टरों को ही करनी होगी। ग्राहक को भगवान का दर्जा दिया गया है। डॉक्टरों के लिए भी उनके मरीज ग्राहक रूपी भगवान हैं। मरीजों के लिए तो डॉक्टरों को पहले से ही भगवान का दर्जा प्राप्त है। लेकिन, उन्हें अपने व्यवहार में विनम्रता लाने की सख्त जरूरत है। वे भी रूखा व्यवहार और बदतमीजी नहीं कर सकते। उन्हें डॉ. बद्रीनाथ से प्रेरणा लेनी होगी। डॉ. बद्रीनाथ का जीवन किसी भी डॉक्टर के लिए एक उदाहरण बन सकता है। खैर, यह कहना तो सरासर गलत होगा कि सारे ही डॉक्टर खराब हो गए हैं या सभी पैसे के पीर ही हो गए हैं। अब भी बड़ी संख्या में डॉक्टर निष्ठा और लगन से अपने पेशे के साथ ईमानदारी पूर्वक न्याय कर रहे हैं। सुबह से देर रात तक कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हां, पर कुछ धूर्त डाक्टरों ने अपने पेशे के साथ न्याय तो नहीं ही किया है। भारत में मेडिसन के पेशे से जुड़े सभी लोगों को यह तो मानना ही पड़ेगा कि उनकी तरफ से देश में कोई बड़े अनुसंधान तो हो नहीं रहे, जिससे कि रोगियों का स्थायी भला हो। पर उन पर फार्मा कंपनियों से माल बटरोने से लेकर पैसा कमाने के दूसरे हथकंडे अपनाने के तमाम आरोप लगते ही रहते हैं। क्या ये सारे आरोप मिथ्या हैं? क्या फार्मा कम्पनियों से पैसे लेकर उनकी ही ब्रांडेड दवाइयां लिखने वाले डॉक्टरों के प्रति मरीजों और उनके सगे-सम्बन्धियों में कभी ऐसे डॉक्टरों के प्रति कभी भी सम्मान का भाव जागेगा? इस तरह के तमाम गंभीर आरोप डॉ. बद्रीनाथ पर तो नहीं लगते थे। नेत्र चिकित्सक डॉ. बद्रीनाथ की बात करते हुए यह कहना जरूरी है कि हरेक इंसान को अपनी आंखों का बहुत ध्यान देना चाहिए। इंसान के सबसे जरूरी अंगों में से एक है आंख। लेकिन हम इंसान आंखों का ही ख्याल नहीं रखते हैं। आंखों से जुड़ी सभी तरह की बीमारियों से बचने का सबसे आसान उपाय यह है कि पहले इस रोका जाए। इसके लिए सबसे पहले आपको आंखों में होने वाले इंफेक्शन से बचना होगा।

Social Media Corner

सच के हक में...

देश के शोषित और वंचित समाज को समता का अधिकार देता है संविधान। देश के लोकतंत्र का सशक्त आधार है संविधान। देश को संविधान रूपी महान ग्रंथ देने के लिए बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर एवं अन्य सभी संविधान निमार्ताओं को शत-शत नमन। आज के इस शुभ अवसर पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार। जय बिरसा! जय भीम! जय संविधान!

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

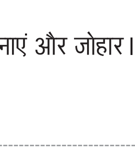

रांची के गोंदा थाने क्षेत्र में कल देर रात पुलिसकर्मी समेत अन्य लोग जुआ खेलते पकड़े गये हैं। ये पुलिसकर्मी खुद भी जुआ खेल रहे थे और खेलवा भी रहे थे। इस पूरे प्रकरण में सबसे खास बात यह है कि इनमें से कुछ पुलिसकर्मी मुख्यमंत्री आवास में कार्यरत हैं और इस बात को पूरी तरह से छिपाया गया है। किसी भी तरह से मामले को रफा दफा किया जा रहा है। जिस राज्य का मुखिया सुबह से रात तक बस चोरी और हेरा-फेरी का गोरखधंधा करने में लगा हो, वहां ठीक उसके नाक के नीचे काम करने वालों को ऐसा अपराध करने का ऑक्सीजन मिलता ही रहता है। जब बॉस ही राज्य के साथ रोज जुआ खेले तो चेले क्यों पीछे हटेंगे? साथ ही साथ यह भी पता लगाना जरूरी है कि इस जुआ के आमदनी का पैसा ऊपर कहांतक जाता है?

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

आत्म-नियंत्रण से बेहतर होगी वायु की गुणवत्ता

जब दिल्ली और उसके आसपास के दो सौ किलोमीटर के दायरे में सांसों पर संकट छाया और सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त नजरिया अपनाया, तो सरकार का एक नया शिगूफा सामने आ गया- कृत्रिम बरसात। वैसे भी दिल्ली के आसपास जिस तरह सीएनजी वाहन की अधिकता है, वहां बरसात नये तरीके का संकट ला सकती है। विदित हो कि सीएनजी दहन से नाइट्रोजन ऑक्साइड और ऑक्साइड ऑफ नाइट्रोजन का उत्सर्जन होता है। चिंता की बात यह है कि ऑक्साइड ऑफ नाइट्रोजन गैस वातावरण में मौजूद पानी और ऑक्सीजन के साथ मिलकर तेजाबी बारिश कर सकती है। जिस कृत्रिम बरसात का झांसा दिया जा रहा है, उसकी तकनीक को समझना जरूरी है। इसके लिए हवाई जहाज से सिल्वर आयोडाइड और कई अन्य रासायनिक पदार्थों का छिड़काव किया जाता है, जिससे सूखे बर्फ के कण तैयार होते हैं। असल में सूखी बर्फ ठोस कार्बन डाइऑक्साइड ही होती है। सूखी बर्फ की खासियत होती है कि इसके पिघलने से पानी नहीं बनता और यह गैस के रूप में ही लुप्त हो जाती है। यदि परिवेश के बादलों में थोड़ी भी नमी होती है, तो ये सूखी बर्फ के कोनों पर चिपक जाती है और इस तरह बादल का वजन बढ़ जाता है, जिससे बरसात हो जाती है। एक तो इस तरह की बरसात के लिए जरूरी है कि वायुमंडल में कम से कम 40 प्रतिशत नमी हो, फिर यह थोड़ी सी देर की बरसात ही होती है। इसके साथ यह खतरा बना रहता है कि वायुमंडल में कुछ ऊंचाई तक जमा स्मॉग और अन्य छोटे कण फिर धरती पर आ जाएं। साथ ही सिल्वर आयोडाइड, सूखी बर्फ के धरती पर गिरने से उसके संपर्क में आने वाले पेड़-पौधे, पक्षी और जीव ही नहीं, नदी-तालाब पर भी रासायनिक खतरा संभावित है। हमारे नीति निर्धारक आखिर यह क्यों नहीं समझ रहे कि बढ़ते प्रदूषण का इलाज तकनीक में तलाशने से ज्यादा जरूरी है प्रदूषण को कम करना। यह मसला केवल दिल्ली तक ही सीमित नहीं है, मुंबई, बेंगलुरु के हालात भी इससे बेहतर नहीं हैं। दिल्ली में अभी तक जितने भी तकनीकी प्रयोग किये गये, हकीकत में वे बेअसर ही रहे हैं। यह तो भला हो सर्वोच्च न्यायालय का जिसकी एक टिप्पणी के चलते इस बार दिल्ली में वाहनों का सम-विषम संचालन थम गया। तीन वर्ष पहले एम्स के तत्कालीन निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने भी कहा था कि दूषित हवा से सेहत पर पड़ रहे कुप्रभाव का सम-विषम स्थायी समाधान नहीं है। क्योंकि ये उपाय उस समय अपनाये जाते हैं जब हालात पहले से ही आपात स्थिति में पहुंच गये होते हैं। सर्वोच्च न्यायालय भी कह चुका है कि जिन देशों में ऑड-ईवन लागू हैं, वहां पब्लिक ट्रांसपोर्ट काफी मजबूत और फ्री हैं। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड भी अदालत को बता चुकी है कि ऑड-ईवन से प्रदूषण सिर्फ चार प्रतिशत कम हुआ है। इससे पहले हम स्मॉग टावर के हसीन सपनों को तबाह होते देख चुके हैं। दीवाली के पहले जब दिल्ली में वायु गुणवत्ता दुनिया में सबसे खराब थी, तब राजधानी में लगे स्मॉग टावर धूल खा रहे थे। वर्ष 2019 के 15 नवंबर को जब दिल्ली हांफ रही थी, तब सर्वोच्च न्यायालय ने तात्कालिक राहत के लिए प्रस्तुत किये गये विकल्पों में से स्मॉग टावर के निर्देश दिये थे। एक वर्ष बाद दिल्ली-यूपी सीमा पर 20 करोड़ लगाकर आनंद विहार में स्मॉग टावर लगाया गया। इससे पहले 23 अगस्त को कनॉट प्लेस में पहला स्मॉग टॉवर 23 करोड़ खर्च कर लगाया गया था। इसके संचालन और रखरखाव पर शायद इतना अधिक खर्च था कि वे बंद कर दिये गये। इसी सप्ताह जब फिर सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली की हवा के विषैले होने पर चिंतित दिखा, तो टावर शुरू कर दिये गये। सरकारी रिपोर्ट में दर्ज है कि इस तरह के टावर से समग्र रूप से कोई लाभ हुआ नहीं।

भारतीयों की जिंदगी

उत्तरकाशी का सिलक्यारा सुरंग हादसा और उसके बाद चला बचाव अभियान न केवल प्रशंसनीय, बल्कि अनुकरणीय भी है। विशेष रूप से बचाव कार्य से यह सहज आभास हो जाता है कि हम भारतीय अपने जीवन और उसके मूल्य को लेकर कितने सजग हो गए हैं। हमारे लिए एक-एक भारतीय की जान कीमती है और हादसे के बाद एक क्षण के लिए भी यह एहसास नहीं होने दिया गया है कि बचाव में कोई कोताही बरती जा रही है। सुरंग में फंसे 41 हमवतन मजदूर किसी वीर योद्धा से कम नहीं हैं। जब अचानक ऐसा कोई हादसा होता है, तो संयम और मनोबल बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। सभी 41 मजदूरों की प्रशंसा होनी चाहिए और बचाव कार्य में लगे उन तमाम मजदूरों और विशेषज्ञों की भी पीठ थपथपाने की जरूरत है, जिन्होंने मौके पर मोर्चा संभाल रखा है। तारीफ करनी चाहिए, उस इंजीनियर या अधिकारी की, जिसकी चतुराई से सुरंग में एक पाइप पहले ही बिछ गई थी और लगभग 60 मीटर तक मलबा गिरने के बावजूद कारगर जीवन-रेखा बनी हुई है। देश में जहां कहीं भी सुरंगें बन रही हैं, वहां ऐसी जीवन-रेखा का पहले ही बिछ जाना कितना जरूरी है, यह सबने देख लिया है। पाइप के स्वरूप में यह जीवन-रेखा इस हादसे का एक बहुमूल्य सबक है। ऐसा सुरंग हादसा भारत में पहले कभी नहीं देखा गया था और न ऐसा बचाव अभियान कभी चला है। जहां भारत के तमाम सुरंग विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है, वहीं विदेशी मशीनों और विदेशी विशेषज्ञों की मदद लेने में भी कोई संकोच नहीं है। भारत को अपनी तरक्की में किसी भी विशेषज्ञ मदद का लाभ लेने में हिचकना नहीं चाहिए और जहां बात भारतीयों के जीवन की आती है, तो उससे भी समझौते की कोई गुंजाइश नहीं छोड़नी चाहिए। अगर सुरंग निर्माण में लगी कंपनियां किसी भी स्तर पर उदासीनता या लापरवाही बरत रही हैं, तो उन्हें पाबंद करने की जरूरत है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

बिक्री बढ़ाने के लिए टेस्ला ने 6 महीने तक मुफ्त सुपरचार्जिंग की पेशकश की

सैन फ्रांसिस्को।

एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला साल के अंत तक उत्तरी अमेरिका में नए मॉडल 3 और मॉडल वाई ऑर्डर के लिए छह महीने की मुफ्त सुपरचार्जिंग की पेशकश कर रही है। कंपनी ने पहले ही नई वाहन सूची पर 3,000 डॉलर तक की छूट दे दी है, और अब नए खरीददारों के लिए मुफ्त सुपरचार्जिंग की पेशकश कर रही है।यह खबर सबसे पहले इलेक्ट्रेक द्वारा रिपोर्ट की गई।कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, अगर उपभोक्ता 31 दिसंबर, 2023 तक मॉडल 3 या मॉडल वाई खरीदते हैं और डिलीवरी लेते हैं तो उन्हें छह महीने की मुफ्त सुपरचार्जिंग मिल सकती है। ऑफर में लिखा है, एक नया मॉडल 3 ऑर्डर करें और 31 दिसंबर, 2023 तक डिलीवरी लें, ताकि आप 6 महीने की मुफ्त सुपरचार्जिंग के लिए पात्र हो सकें।हालांकि, यह ऑफर कुछ शर्तों के साथ है, जिसमें एक है कि ज्यादा चार्जिंग करने पर टेस्ला आपका ये ऑफर वापस ले सकता है।अत्यधिक चार्जिंग की स्थिति में टेस्ला अपने विवेक से आपके वाहन से मुफ्त सुपरचार्जिंग को हटाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।इस बीच, एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि टेस्ला वाहनों ने इस साल के पहले नौ महीनों में अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पंजीकरण में महत्वपूर्ण अंतर से बढ़त हासिल की है। एक्सपेरियन के वाहन पंजीकरण डेटा के अनुसार, टेस्ला मॉडल वाई और मॉडल 3 जनवरी और सितंबर के बीच

अमेरिका में दो सबसे अधिक पंजीकृत ईवी थे, जो अपने प्रतिस्पर्धियों से कहीं अधिक थे।टेस्ला के पास ब्रांड के आधार पर एक कमांडिंग लीड थी, इस अवधि में अमेरिका में 489,454 ईवी पंजीकृत हुए, जो साल दर साल 41 प्रतिशत की वृद्धि है।

धन जुटाने के लिए एनपीओ के लिए बड़ा बाजार

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में एनपीओ के काम करने के तरीके में भारी परिवर्तन हो रहा है। एमएमजेसी एंड एसोसिएट्स के संस्थापक मकरंद एम जोशी ने कहा है कि यह केवल यह सत्यापित करने के बारे में नहीं है कि इसका उपयोग क्या इस उद्देश्य के लिए किया गया था, बल्कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात ये है कि क्या इससे गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) द्वारा किए गए हस्तक्षेप के बाद वंचितों या लाभार्थियों पर कोई प्रभाव पड़ा? सेबी बोर्ड की बैठक में हाल ही में सामाजिक लेखा परीक्षक को सामाजिक प्रभाव मूल्यांकनकर्ता में बदलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। सेबी बोर्ड द्वारा सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर न्यूनतम आवेदन आकार और न्यूनतम इश्यू आकार में कमी को मंजूरी देने पर जोशी ने कहा कि इंडियन कॉरपोरेशंस पहले ही सीएसआर पर 25,000-30,000 करोड़ रुपये खर्च कर चुके हैं। इसलिए एनपीओ के लिए धन जुटाने का एक बड़ा बाजार है। तो यह उन लोगों के लिए एक अवसर है जो सामाजिक कार्य करना चाहते हैं और प्रभाव डालना चाहते हैं। अच्छे कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं है। सेबी बोर्ड ने सोशल

स्टॉक एक्सचेंज पर एनपीओ द्वारा धन जुटाने को प्रोत्साहन देने के उपायों को मंजूरी दे दी। इसमें एसएसई पर एनपीओ द्वारा जीरो कूपन जीरो प्रिंसिपल इंस्ट्रूमेंट्स (जेडसीजेडपी) के पब्लिक इशू के मामले में न्यूनतम इश्यू आकार को 1 करोड़ रुपये से घटाकर 50 लाख रुपये करना शामिल है।एसएसई पर एनपीओ द्वारा जेडसीजेडपी के पब्लिक इशू के मामले में न्यूनतम आवेदन आकार को 2 लाख रुपये से घटाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है, जिससे खुदरा समेत ग्राहकों की व्यापक भागीदारी संभव हो सकेगी। इसने एनपीओ को सुविधा प्रदान करने और सामाजिक क्षेत्र के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्त करने के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकनकर्ता के साथ सामाजिक लेखा परीक्षक के नामकरण को बदलने को भी मंजूरी दे दी।

चीन अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला संवर्धन मेला आर्थिक वैश्वीकरण बढ़ाएगा

बीजिंग।

प्रथम चीन अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला संवर्धन मेला 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक चीन की राजधानी पेइचिंग में स्थित चीन अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र में होने वाला है। इस मेले की थीम ÷दुनिया को जोड़ें और एक साथ भविष्य बनाएं÷ है, और इसमें स्मार्ट कार श्रृंखला, हरित कृषि श्रृंखला, स्वच्छ ऊर्जा श्रृंखला, डिजिटल प्रौद्योगिकी श्रृंखला, स्वस्थ जीवन श्रृंखला और आपूर्ति श्रृंखला को समर्पित प्रदर्शनी क्षेत्र शामिल होंगे।विश्व इस समय महत्वपूर्ण परिवर्तनों के दौर से गुजर रहा है। कोविड-19 महामारी के चल रहे प्रभाव ने वैश्विक आर्थिक सुधार को चुनौतीपूर्ण बना दिया है, जिससे वैश्विक औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन में तेजी आई है। दुनिया भर के देश अपनी औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखलाओं की स्थिरता को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि ये श्रृंखलाएं न केवल विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ती हैं बल्कि वैश्विक उद्यमों के लिए पूंजी, प्रौद्योगिकी और औद्योगिक गतिविधियों के प्रवाह को भी सुविधाजनक बनाती हैं। एक स्थिर, सुरक्षित और कुशल वैश्विक

औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली स्थापित करना अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुदाय की एक साझा अपेक्षा और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने जी20 शिखर सम्मेलन, एपेक नेताओं की अनौपचारिक बैठक और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और विदेशी नेताओं के साथ बैठकों में वैश्विक औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखला प्रणाली की स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर लगातार जोर दिया है। चीन आर्थिक वैश्वीकरण का समर्थन करने और खुली दुनिया में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अंतर्राष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला संवर्धन मेले का आयोजन देशों को चीन के साथ आर्थिक और व्यापार सहयोग बढ़ाने के नए अवसर प्रदान करेगा, जिससे आपसी सहयोग के लिए एक मंच तैयार होगा। मेले का उद्देश्य व्यापार और निवेश को सुविधाजनक बनाना है, साथ ही वैश्विक आर्थिक सुधार और आर्थिक वैश्वीकरण को आगे बढ़ाना है।

मस्क के ब्रेन इम्प्लांट स्टार्टअप ने जुटाए अतिरिक्त 43 मिलियन डॉलर

सैन फ्रांसिस्को।

अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) के साथ एक फाइलिंग के अनुसार, एलन मस्क के स्वामित्व वाली ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस कंपनी न्यूरालिंक ने अतिरिक्त 43 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। ।टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, फाइलिंग से पता चला है कि कंपनी ने अगस्त की शुरुआत में पीटर थिएल के फाउंडर्स फंड के नेतृत्व में अपनी पिछली किश्त को 280 मिलियन डॉलर से बढ़ाकर 323 मिलियन डॉलर कर दिया था। फाइलिंग के अनुसार, 32 निवेशकों ने इस राउंड में भाग लिया। न्यूरालिंक ने अपने मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया है। लेकिन, जून में रिपोर्ट में कहा गया था कि निजी तौर पर निष्पादित स्टॉक ट्रेडों के बाद कंपनी का मूल्य लगभग 5 बिलियन डॉलर था। न्यूरालिंक, जिसे 2016 में स्थापित किया गया था, ने एक सिलाई मशीन जैसा रोबोट बनाया। यह मस्तिष्क के अंदर अति पतले धागे को प्रत्यारोपित करने में सक्षम है। धागे इलेक्ट्रोड के साथ एक कस्टम-डिजाइन किए गए चिप से जुड़ते हैं जो न्यूरॉन्स ग्रुप्स से डेटा पढ़ सकते हैं। सितंबर में, न्यूरालिंक ने कहा कि वह पैरालिसिस कंट्रोल डिवाइस वाले लोगों की मदद के लिए मानव परीक्षणों के लिए अपने पहले परीक्षण विषयों की भर्ती कर रहा है। कंपनी ने एक बयान में कहा, पीआरआईएमई स्टडी (शॉर्ट फॉर प्रीसाइस रोबॉर्टिकल इम्प्लांट ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस) का उद्देश्य

हमारे इम्प्लांट (एन1) और सर्जिकल रोबोट (आ1) की सुरक्षा का मूल्यांकन करना और पक्षाघात से पीड़ित लोगों को अपने विचारों से बाहरी उपकरणों को नियंत्रित करने में सक्षम बनाने के लिए हमारे वायरलेस ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफ़ेस की प्रारंभिक कार्यक्षमता का आकलन करना है।

ब्लैक फ्राइडे पर अमेरिकी ऑनलाइन बिक्री में रिकॉर्ड 9.8 बिलियन डॉलर की कमाई

सैन फ्रांसिस्को।

ब्लैक फ्राइडे ने अमेरिकी ऑनलाइन बिक्री में रिकॉर्ड 9.8 बिलियन डॉलर की कमाई की, जो एक साल पहले की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है। एडोब एनालिटिक्स के अनुसार, ऑनलाइन बिक्री में मोबाइल शॉपिंग का हिस्सा 5.3 बिलियन डॉलर का था। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ब्लैक फ्राइडे पर सबसे ज्यादा बिकने वाली कैटेगिरीज में स्मार्टवॉच और टेलीविजन जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, साथ ही खिलौने और गेमिंग थे। एडोब डिजिटल इनसाइट्स के प्रमुख विश्लेषक विवेक पंड्या के हवाले से कहा गया, हमने पिछले साल रणनीतिक उपभोक्ता को उभरते देखा है, जहां वे वास्तव में इन महत्वपूर्ण दिनों का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वे अधिकतम छूट प्राप्त कर सकें। पंड्या ने कहा कि प्रभावशाली लोगों और सोशल मीडिया विज्ञापनों ने उपभोक्ताओं के लिए अपने मोबाइल उपकरणों पर पैसा खर्च करना आसान बना दिया है।हालांकि, खरीददार कीमत के प्रति सचेत हैं और पिछले साल की रिकॉर्ड मुद्रास्फीति और ब्याज दरों के चलते सख्त बजट का प्रबंधन कर रहे हैं।कुल 79 मिलियन डॉलर की बिक्री उन उपभोक्ताओं से हुई, जिन्होंने बाय नाऊ, पे लेटर भुगतान पद्धति का उपयोग किया, जो पिछले साल से 47 प्रतिशत अधिक है।एडोब अमेरिका में खुदरा वेबसाइटों पर एक ट्रिलियन विजिट, 18 प्रोडक्ट कैटेगिरीज और 100 मिलियन यूनिक आइटम्स का विश्लेषण कर डेटा एकत्र करता है।ब्लैक फ्राइडे ने थैंक्सगिविंग डे से गति जारी रखी, जब ऑनलाइन बिक्री कुल 5.6 बिलियन डॉलर थी, जो पिछले वर्ष से 5.5 प्रतिशत की वृद्धि थी।एडोब को उम्मीद है कि वीकेंड और साइबर मंडे तक खर्च मजबूत रहेगा, और सबसे अच्छे डील्स अभी भी आने बाकी हैं।

पेट्रोल और डीजल नोएडा में सस्ता, पटना में महंगा

नई दिल्ली । कच्चे तेल में गिरावट के बीच देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। ज्यादातर राज्यों व शहरों में ईंधन के दाम में कोई बड़ा अंतर नहीं आया है। हालांकि असम में 98.70 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 111.79 प्रति लीटर है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 111.35 रुपये और डीजल 97.28 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

महेंद्र सिंह धोनी ने फिटनेस स्टार्टअप में किया निवेश

- फिटनेस स्टार्टअप तगड़े रहो की शुरुआत साल 2020 में ऋषभ मल्होत्रा ने की थी

नई दिल्ली । तगड़े रहो नामक स्टार्ट अप में भारतीय क्रिकेटर और आईसीसी विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने निवेश किया है। हालांकि कंपनी ने अभी कितना निवेश किया है, इसका खुलासा नहीं किया है। स्टार्टअप ने कहा कि इसका उद्देश्य फिटनेस के प्रति धोनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप भारतीय भौतिक संस्कृति को पुनर्जीवित करना है। इसके अलावा कंपनी ने कहा की धोनी के साथ इस भागीदारी होने से तगड़े रहो का पूरे देश में विस्तार करने में मदद मिलेगी। तगड़े रहो की शुरुआत साल 2020 में ऋषभ मल्होत्रा द्वारा की गई थी। कंपनी ट्रेडिशनल इंडियन इक्विपमेंट को मॉडर्न ट्रेनिंग एप्लिकेशन के साथ मुहैया कराए जाते हैं, जैसे गदा, मुदगर, वज्र और सुमतोला। यह स्टार्टअप कंपनी अपनी वेबसाइट के जरिए भी ट्रेनिंग इक्विपमेंट को सेल करती है। ट्रेनिंग की बात करें तो यह स्टार्टअप बेंगलुरु में ट्रेनिंग देता है, जहां कंपनी ने एक डगआउट बनाया है। आसान भाषा में समझाएं तो डगआउट के जरिए लोगों को एक ही जगह पर कई तरह की ट्रेनिंग दी जाती है। साथ ही कई तरह के खेल भी होते हैं। अगले महीने कंपनी महाराष्ट्र में एक नया डगआउट खोलने की तैयारी कर रही है। कंपनी की योजना अगले साल तक देश के 4-5 राज्यों में अपने कारोबार को विस्तार करने का है। फिटनेस स्टार्टअप तगड़े रहो में निवेश को लेकर धोनी ने कहा कि फिटनेस मेरे जीवन का एक हिस्सा है और रही है; जब मैं छोटा था तब खेल खेलना शुरू कर दिया था और अब यह वर्कआउट को अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या का हिस्सा बनाने के रूप में विकसित हो गया है। जब मुझे तगड़े रहो के बारे में पता चला तो कंपनी का कॉन्सेप्ट मुझे पसंद आया। उन्होंने कहा कि कंपनी इसमें इनोवेशन के तहत उस वर्कआउट को सामने लाने की कोशिश कर रही है, जिसे लोग भूल चुके हैं।

टाटा के आईपीओ ने तोड़ा एलआईसी का रिकॉर्ड

– सबसे ज्यादा बोली पाने वाला आईपीओ बना

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप की इंजीनियरिंग कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ बाजार में छा गया है। इस आईपीओ ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 24 नवंबर को यह आईपीओ रिकॉर्ड 69.43 गुना अधिक सब्सक्रिप्शन के साथ बंद हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा टेक आईपीओ के लिए कुल 73.5 लाख लोगों ने आवेदन किया। इसके साथ ही इसने एलआईसी के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बता दें कि एलआईसी के आईपीओ को लगभग 73.38 लाख आवेदन मिले थे। यह टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का अब तक का सबसे अच्छा आईपीओ प्रदर्शन भी है। टाटा ग्रुप का अब तक का सबसे सफल आईपीओ टीसीएस का था, जो इसने 19 साल पहले 2004 में लॉन्च किया था। टीसीएस के आईपीओ को 775-900 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड के साथ लॉन्च किया गया था। टीसीएस के शेयर 25 अगस्त, 2004 को 26.6 फीसदी प्रीमियम के साथ 1,076 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए थे। टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ को इश्यू के अंतिम दिन शुक्रवार को 69.43 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। करीब दो दशक में टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का यह पहला आईपीओ है। इश्यू खुलने से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 791 करोड़ रुपये जुटाए थे। टाटा टेक का आईपीओ 22 नवंबर को खुला था. बोली खुलने के करीब एक घंटे के अंदर ही यह आईपीओ पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया था। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 475-500 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी के शेयर 5 दिसंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होने की उम्मीद है।

वैश्विक रुख से तय होगी बाजार की चाल

- कच्चा तेल और डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति भी बाजार की चाल को प्रभावित करेगी

मुंबई ।

विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह घरेलू स्तर पर किसी बड़े घटनाक्रम की गैर मौजूदगी में शेयर बाजार की चाल काफी हद तक वैश्विक रुझानों से ही तय होगी। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी घरेलू शेयर बाजारों की चाल को प्रभावित करेगी। एक बाजार विश्लेषक ने कहा कि स्पष्ट वैश्विक संकेतों के अभाव में बाजार का रुख मजबूती की उम्मीद में संभवतः अमेरिकी बॉन्ड के प्रतिफल, डॉलर सूचकांक और कच्चे तेल की कीमतों के साथ-साथ संस्थागत निवेश पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होने तक बाजार की स्थिरता प्रभावित हो सकती है और उस समय तक बाजार का एक स्पष्ट रुझान सामने आ सकता है। अगस्त से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) बड़े पैमाने पर भारतीय बाजारों से पूंजी की निकासी कर रहे हैं। अगस्त से लेकर 15 नवंबर तक एफपीआई ने कुल मिलाकर 83,422 करोड़ रुपये के शेयरों की बिकवाली की है। हालांकि इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 77,995 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। डीआईआई के साथ व्यक्तिगत निवेशकों की खरीदारी ने एफपीआई की बिक्री को पूरी तरह से बेअसर कर दिया। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि डीआईआई और व्यक्तिगत निवेशकों की लिवाली का ही असर है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी एक बार फिर 19,700 के

आसपास मौजूद है, जहां वह अगस्त की शुरुआत में था। बाजार वैश्विक और घरेलू व्यापक-आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल, कच्चे तेल के भंडारण, एफआईआई एवं डीआईआई के निवेश रुझान और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर ध्यान केंद्रित करेगा। वैश्विक संकेत काफी हद तक इस प्रवृत्ति को तय कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि यह प्रवृत्ति आने वाले सप्ताह में भी जारी रहेगी।

डिजिटल व्यापार के विकास को बढ़ावा देने के चीन के प्रयासों का दुनिया पर सकारात्मक प्रभाव : आईटीसी कार्यकारी निदेशक

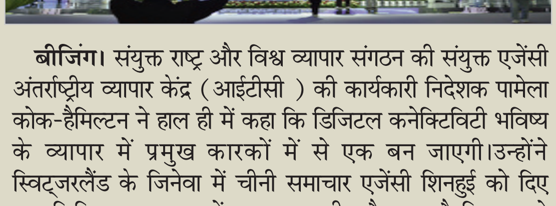

बीजिंग। संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन की संयुक्त एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र (आईटीसी) की कार्यकारी निदेशक पामेला कोक-हैमिल्टन ने हाल ही में कहा कि डिजिटल कनेक्टिविटी भविष्य के व्यापार में प्रमुख कारकों में से एक बन जाएगी।उन्होंने स्विट्जरलैंड के जिनेवा में चीनी समाचार एजेंसी शिनहुई को दिए एक लिखित साक्षात्कार में यह बात कही। गौरतलब है कि 23 से 27 नवंबर तक दूसरा वैश्विक डिजिटल व्यापार एक्सपो पूर्वी चीन के चच्यांग प्रांत की राजधानी हांगचो में आयोजित हो रहा है। कोक-हैमिल्टन ने कहा कि यह दूसरी बार है कि आईटीसी ने इस एक्सपो में भाग लिया। उम्मीद है कि डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत कर विकासशील देशों में व्यापार को बढ़ावा दिया जाएगा। कोक-हैमिल्टन के विचार में डिजिटल अर्थव्यवस्था का चीन पर गहरा प्रभाव पड़ा है और लोगों की जीवनशैली बदल गई है। चीन में डिजिटल अर्थव्यवस्था सेवाओं को अधिक सुविधाजनक, विकल्पों को अधिक व्यापक और वस्तुओं को सस्ता बनाती है। कोक-हैमिल्टन ने यह भी कहा कि डिजिटल व्यापार के विकास ने व्यापार के नए अवसर पैदा किए हैं और डिजिटल व्यापार के विकास को बढ़ावा देने के चीन के प्रयासों का दुनिया, विशेषकर विकासशील देशों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। डिजिटल व्यापार के क्षेत्र में चीन का समृद्ध अनुभव अन्य विकासशील देशों में छोटे व्यवसायों के लिए संदर्भ और सहायता प्रदान कर सकता है।

शादी के मौसम की शुरुआत के साथ आभूषण, परिधान, होटल, विमानन जैसे क्षेत्रों में दिखेगी तेजी

नई दिल्ली।

शादी के मौसम की शुरुआत के साथ, आभूषण, परिधान, होटल, विमानन और अन्य संबंधित उद्योगों जैसे क्षेत्रों में तेजी आने की संभावना है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के रिटेल रिसर्च प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, अगले सप्ताह हमें बाजार में कुछ तेजी लौटने की उम्मीद है क्योंकि निवेशक अमेरिका, चीन और भारत के जीडीपी आंकड़ों सहित विभिन्न आर्थिक आंकड़ों पर नजर रखे हुए हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि घरेलू सूचकांक पूरे सप्ताह सकारात्मक रुख के साथ एक सीमित दायरे में रहे। फेड रिजर्व ने सतर्क रुख अपनाया और यूरोपीय और जर्मन बाजारों में नरम रुख का असर घरेलू बाजारों पर भी

पड़ा। मुद्रास्फीति में गिरावट और अमेरिका में नौकरी के हालिया कमजोर आंकड़ों के साथ-साथ अमेरिकी बांड पर ब्याज में कमी ने विदेशी फंडों को उभरते बाजार की ओर आकर्षित किया है। व्यापक भारतीय बाजार में कुछ मुनाफावसूली हुई है। निवेशकों का ध्यान प्राथमिक बाजार की ओर स्थानांतरित हो गया, जो सप्ताह के लिए निर्धारित आईपीओ के एक सेट द्वारा चिह्नित है। त्योहारी मांग में जोरदार उछाल के कारण टिकाऊ उपभोक्ता सामान और रियल्टी जैसे क्षेत्रों ने बढ़त हासिल की। हालाँकि, कमजोर वैश्विक आंकड़ों के जवाब में आईटी क्षेत्र ने कमजोर प्रदर्शन दिखाया। उन्होंने कहा कि एनबीएफसी द्वारा असुरक्षित ऋण देने की आरबीआई की जांच के बावजूद, बैंकिंग सूचकांक ने इस सप्ताह लचीलापन दिखाया।

राजस्व में गिरावट, अन्य कारणों से पूंजीगत व्यय के लक्ष्य से चूक सकते हैं राज्यः रिपोर्ट

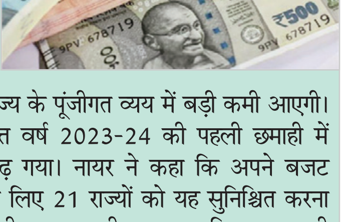

मुंबईः राजस्व में गिरावट, चुनाव और कई अन्य कारणों से राज्य चालू वित्त वर्ष के लिए अपने पूंजीगत व्यय के लक्ष्य से चूक सकते हैं। इक्रा रेटिंग्स की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि राजस्व प्राप्तियों में भारी गिरावट से राज्य के पूंजीगत व्यय में बड़ी कमी आएगी। राज्यों का पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में रिकॉर्ड 35 प्रतिशत तक बढ़ गया। नायर ने कहा कि अपने बजट अनुमानों को बनाए रखने के लिए 21 राज्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि दूसरी छमाही में पूंजीगत व्यय की दर 28 प्रतिशत पर बनी रहे। उन्होंने कहा कि हालांकि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद यह संभव नहीं है। नायर ने कहा कि आम चुनाव से पहले मार्च तिमाही में आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने की संभावना है। पूंजीगत व्यय तथा अन्य व्यापक आंकड़ों की उपलब्धता के आधार पर इन 21 राज्यों को विश्लेषण में शामिल किया गया। इन 21 राज्यों का संयुक्त राजस्व और राजकोषीय घाटा अप्रैल-सितंबर के दौरान क्रमशः 70,000 करोड़ रुपए और 3.5 लाख करोड़ रुपए तक बढ़ा है।

हमारे अच्छे कर्मों से खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है– योगः कर्मसु कौशलम्‌ अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्वों से बना है। इन तत्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समम्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्रत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूढ़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः
ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी–देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं–

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

संक्षेप खबर

संवैधानिक अधिकारों को कुचल रहे भाजपा-आरएसएस ¬खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने संविधान को भारतीय लोकतंत्र की जीवन रेखा बताते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) देश की जनता के संवैधानिक अधिकारों को कुचल रहे हैं।श्री खडगे ने संविधान दिवस पर आज अपने संदेश में कहा, ÷भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र की जीवन रेखा है। हम 74वें संविधान दिवस को मनाते हुए इसके निर्माताओं के कृतज्ञ हैं और उनके प्रति अत्यंत श्रद्धा से सर नवाते हैं- क्योंकि उन्होंने हमारे संविधान में प्रत्येक भारतीय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी दी है।उन्होंने कहा, ÷इन गारंटियों के बावजूद आज हमारे संविधान की भावना के समक्ष अनेक चुनौतियां सामने आकर खड़ी हो गई हैं और लोगों को इन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। देश का वर्तमान शासन संविधान में निहित सभी स्वतंत्रताओं को कुचलने और कम करने के लिए हर चाल चल रहा है। असहमति को दबाया जा रहा है और संस्थाओं को सत्तावादी व्यवस्था लागू करने के खेल में मोहरा बनाया जा रहा है। यही नहीं सामाजिक परिवर्तनों की आड़ में नफरत को परोसा जा रहा है।श्री खडगे ने कहा आरएसएस भाजपा संविधान पर व्यवस्थित और तीखा हमला करने के लिए सरकारी मशीनरी के हर नट और बोल्ट का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग कर रहे है। ऐसा लगता है कि हम जल्द ही उस चरम बिंदु पर पहुंच जाएंगे जहां सामाजिक न्याय और सद्भाव खत्म हो जाएगा और कमजोर वर्गों के डारे अधिकार धीरे-धीरे छीन लिए जाएंगे। यह विभाजन और नफरत की इस राजनीति के खिलाफ खड़े होने का समय है।उन्होंने कहा कांग्रेस इस लड़ाई को आगे बढ़कर लड़ रही है। पार्टी नेता राहुल गांधी ने शांति,एकता, सौहार्द और करुणा का संदेश फैलाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा का नेतृत्व किया। अधिक लोगों, अधिक राज्यों और समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने के लिए उनकी यात्रा जारी है। संविधान और उसके मूल्यों पर होने वाले हमले को लेकर प्रत्येक नागरिक को सवाल उठाना चाहिए। हम बिना किसी डर के लड़ने और अपने लोकतंत्र की रक्षा करने में सक्षम हैं। आज अंग्रेज़ों से निडर होकर लड़ने वाले अपने नेताओं से प्रेरणा लेने का दिन है।कांग्रेस नेता ने कहा ÷हम देश को महान संविधान देने वाले पंडित जवाहरलाल नेहरू, बाबा साहेब डॉ. बी. अम्बेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ राजेंद्र प्रसाद, केएम मुंशी, सरोजिनी नायडू, ए कृष्णमूर्ति अय्यर, राजकुमारी अमृत कौर और अन्य प्रमुख नेताओं और महापुरुषो को आज के दिन याद करते हैं। हम उनकी दूरदर्शिता और बुद्धि के ऋणी हैं।

सिख श्रद्धालु गुरु नानक की जयंती मनाने पाकिस्तान पहुंचे

लाहौर/नई दिल्ली। सिख धर्म के संस्थापक बाबा गुरु नानक देव जी की 554वीं जयंती में भाग लेने के लिए भारत से लगभग 3,000 सिख यात्रियों (तीर्थयात्रियों) का प्रतिनिधिमंडल यहां वाघा सीमा के रास्ते से पाकिस्तान पहुंचा।इवेक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अतिरिक्त सचिव (धर्मस्थल) राणा शाहिद सलीम, पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (पीएसजीपीसी) के प्रधान सरदार अमीर सिंह, समिति के सदस्य सरदार सतवंत सिंह, सरदार रविंदर सिंह और अन्य ने तीर्थयात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। शनिवार को ननकाना साहिब में गुरु नानक की 554वीं जयंती के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में सिख यात्री पाकिस्तान पहुंचे।राणा शाहिद सलीम ने मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि तीर्थयात्रियों के लिए विशेष बसों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा, ÷हम दुनिया भर से आए सभी सिख तीर्थयात्रियों का खुले दिल से स्वागत करते हैं।पीएसजीपीसी प्रधान सरदार अमीर सिंह ने कहा कि 25 नवंबर से चार दिसंबर तक पाकिस्तान में 10 दिवसीय प्रवास के दौरान, तीर्थयात्री गुरुद्वारा जन्मस्थान ननकाना साहिब, गुरुद्वारा पुंजा साहिब हसनअबदाल, गुरुद्वारा सच्चा सौदा, गुरुद्वारा डेरा साहिब लाहौर, गुरुद्वारा रोहरी साहिब ऐमनाबाद और गुरुद्वारा दरबार साहिब करतारपुर नारोवाल का दौरा करेंगे।

सिंह ने की एनसीसी की प्रशंसा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की स्थापना दिवस पर संगठन की प्रशंसा की है और कहा है कि यह संगठन देश के युवाओं की शक्ति तथा प्रतिभा का प्रदर्शन करता है। श्री सिंह ने रविवार को एनसीसी कैडेट और संगठन के कर्मियों को एनसीसी दिवस की शुभकामना और बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर कहा है, ÷एनसीसी राष्ट्र की अखंडता, एकता, अनुशासन और सेवा के मूल्यों को सशक्त करता है। यह भारत की विविधता और हमारी जीवंत %युवा शक्ति% की जबरदस्त प्रतिभा को प्रदर्शित करता है।

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ा रहे कोयला आधारित ऊर्जा संयंत्र ¬रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ताप ऊर्जा संयंत्रों द्वारा उत्सर्जन मानकों का पालन नहीं किए जाने से क्षेत्र में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है। एक नए विश्लेषण में यह जानकारी सामने आई है।पर्यावरण से जुड़े 'थिंक टैंक' 'सेंटर फॉर साइंस एंड इंवायरमेंट' (सीएसई) ने दिल्ली-एनसीआर में 11 ताप ऊर्जा संयंत्रों (टीपीपी) से उत्सर्जित प्रदूषक तत्वों, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक अध्ययन किया है। यह अध्ययन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की वेबसाइट पर मौजूद अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक की उनकी पर्यावरणीय स्थिति रिपोर्ट पर आधारित है। अध्ययन के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर में पीएम2.5 प्रदूषण में टीपीपी का हिस्सा करीब आठ फीसदी है।सीएसई में 'रिसर्च एंड एडवोकेसी' की कार्यकारी निदेशक अनुमिता रॉयचौधरी ने कहा, ÷अगर ताप ऊर्जा संयंत्र जैसे प्रदूषण के स्त्रोत इतने उच्च स्तर पर प्रदूषण करेंगे तो दिल्ली-एनसीआर स्वच्छ वायु के मानदंड और जन स्वास्थ्य की रक्षा के अपने लक्ष्य को कभी हासिल नहीं कर सकेगा। इस तरह के संयंत्र मानदंडों को पूरा करने में असमर्थ हैं, जिसकी शुरुआती वजह समयसीमा को लगातार आगे बढ़ाया जाना है।सीएसई रिपोर्ट के मुताबिक, समयसीमा को बार-बार आगे बढ़ाए जाने और केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संशोधित वर्गीकरण के बावजूद क्षेत्र में बहुत से संयंत्र नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड प्रदूषक तत्वों के उत्सर्जन के लिए तय मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं।मंत्रालय ने दिसंबर 2015 में कोयला आधारित संयंत्रों के लिए सख्त उत्सर्जन मानक लागू किए थे, जिनका दो वर्ष के भीतर पालन किया जाना था। बाद में मंत्रालय ने दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सभी ऊर्जा संयंत्रों के लिए तय समयसीमा को पांच साल के लिए बढ़ा दिया था, जिसपर क्षेत्र में उच्च प्रदूषण स्तर को देखते हुए 2019 तक अमल किया जाना था।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक को लेकर पंजाब के छह और पुलिसकर्मी निलंबित

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनवरी 2022 में पंजाब की यात्रा के दौरान हुई सुरक्षा में चूक के मामले में छह और पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। निलंबित किए गए पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी के साथ ही इन छह पुलिसकर्मियों पर यह कार्रवाई की गई है।राज्य के गृह विभाग के 22 नवंबर के आदेश के अनुसार, दो पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों-परसोन सिंह और जगदीश कुमार, निरीक्षक जतिंदर सिंह और बलविंदर सिंह, उपनिरीक्षक जसवंत सिंह और सहायक उपनिरीक्षक रमेश कुमार को निलंबित कर दिया गया है।वर्तमान में बठिंडा जिले में पदस्थ पुलिस अधीक्षक गुरबिंदर सिंह को शनिवार को निलंबित किया गया था। आदेश के अनुसार, सभी पुलिसकर्मियों को पंजाब सिविल सेवा नियम (सजा और अपील) 1970 की धारा आठ के तहत आरोपपत्र में नामित किया गया है।फिरोजपुर में पांच जनवरी 2022 को प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई नाकेबंदी के कारण प्रधानमंत्री मोदी का काफिला एक फ्लाईओवर पर फंस गया था, जिसके बाद उन्हें कार्यक्रम में शामिल हुए बिना पंजाब से लौटना पड़ा था और अपनी रैली रद्द करनी पड़ी थी। इस सुरक्षा चूक की जांच के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा पिछले साल 12 जनवरी को एक समिति नियुक्त की गई थी, जिसने इसके लिए राज्य के कई अधिकारियों को दोषी ठहराया था।

कोलकाता ¬फोर्ट विलियम के समीप कार ने मोटरसाइकिल को मारी टक्कर, एक व्यक्ति की मौत दो घायल

कोलकाता। कोलकाता में फोर्ट विलियम के समीप एक लग्जरी कार ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

26/11 का आतंकी हमला यूपीए सरकार की विफलता, मोदी ने देश को बनाया सुरक्षित : सत्यपाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

मुंबई के पुलिस कमिश्नर रह चुके रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यपाल सिंह ने 26/11 आतंकी हमले को तत्कालीन यूपीए सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की विफलता बताते हुए कहा है कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में जो हमला हुआ वह पाक आतंकियों का हमला था जो बहुत ही भयावह और दर्दनाक था।

भाजपा सांसद सत्यपाल सिंह ने आगे कहा कि यह आतंकवादी हमला देश और प्रदेश की जो तत्कालीन सरकारें थी, के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियो की बहुत बड़ी विफलता थी कि हम लोगों को पता ही नहीं चल पाया। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से कांग्रेस का और यूपीए का जो शासनकाल था, वह देश के आम आदमियों को सुरक्षा देने में एकदम नाकामयाब रहा। उस दौर में देश के अलग-अलग शहरों में लगातार आतंकी वारदातें हुआ करती थी, बम धमाके हुआ करते थे लेकिन 2014 में नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद पूरा परिदृश्य बदल गया।

सत्यपाल सिंह ने मोदी सरकार द्वारा सुरक्षा एजेंसियों, राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों के आधुनिकीकरण के लिए युद्धस्तर पर किए गए काम का हवाला देते हुए कहा कि आज हमारी सुरक्षा एजेंसियां पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा मजबूत हुई है और सक्षम बनी है। उन्होंने दावा किया कि 2014 में मोदी के सत्ता में आने के बाद देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा मजबूत हुई है। मोदी सरकार में भारत में आतंकवादियों के घरों या कैंप में घुसकर मारने की राजनीतिक इच्छा शक्ति भी है और मारक क्षमता भी है और वे यह कह सकते हैं कि कश्मीर को छोड़कर, जहां कुछ घटनाएं अभी भी हो रही हैं, आज लगभग पूरा का पूरा देश आतंकवादी घटनाओं से पूरी तरह से मुक्त हो गया है।उन्होंने यहां तक दावा किया कि मोदी है तो देश सुरक्षित है और मोदी है तो आतंकी पूरी तरह से भयभीत भी हैं और आज भारत की सुरक्षा का पूरा का पूरा परिदृश्य ही बदल गया है। आंकड़े यह बताते हैं कि देश में आतंकवाद की कमर टूट गई है। देश के अंदर नक्सलवादी हिंसा में भी 80 प्रतिशत के लगभग कमी आई है और कश्मीर को छोड़कर आज पूरा भारत आतंकी हिंसा से लगभग सुरक्षित है।हालांकि इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि कश्मीर में भी पहले जो आए दिन लोग पत्थर फेंकते थे, पत्थरबाजी की उन घटनाओं में भी कमी आई है। कुछ घटनाएं (आतंकी) कश्मीर में अभी भी हो रही है लेकिन वहां का आम आदमी भी अपने आपको अब सुरक्षित महसूस कर रहा है। सिविलियन के मारे जाने की घटनाओं में काफी कमी आई है। सुरक्षा बलों के ऊपर जरूर कुछ हमले हो रहे हैं लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि कश्मीर में सुरक्षा के हालात में बहुत सुधार हुआ है।

26/11 के आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को अभी तक सजा नहीं मिलने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि जब से भारत में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तब से पाकिस्तान पर आतंकवाद को लेकर अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ा है और पाकिस्तान की हालत आज बहुत खस्ता हो गई है। सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के अंदर या पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के अंदर जो आतंकवादियों के ट्रेनिंग कैंप चला करते थे उसकी संख्या में भी कमी आई है। आज पूरा पाकिस्तान बहुत दबाव में है।

उन्होंने कहा कि जब तक मोदी इस देश के प्रधानमंत्री हैं तब तक आतंकवादी भारत में 26/11 की तरह का आतंकी हमला करने का सोच भी नहीं सकते लेकिन इसके बावजूद भारत को लगातार सतर्क, सावधान और अलर्ट रहना पड़ेगा क्योंकि आज आतंकवाद एक ग्लोबल समस्या बन चुका है।

राज्यपाल द्वारा लंबित विधेयकों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

केरल उच्च न्यायालय द्वारा विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपाल के लिए कोई निश्चित समयसीमा निर्धारित करने से इनकार करने के फैसले के खिलाफ केरल सरकार द्वारा दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 28 नवंबर को मामले की सुनवाई करेंगी।

केरल सरकार द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका उच्च न्यायालय द्वारा एक वकील द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज करने पर सवाल उठाती है, इसमें यह घोषणा करने की मांग की गई थी कि विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोकने के राज्यपाल के कदम अपमानजनक, मनमाने, निरंकुश और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत हैं।जनहित याचिका (पीआईएल) में कहा गया था कि राज्यपाल के पास बिलों को अनंत काल तक रोकने की कोई शक्ति नहीं है और भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत बिना किसी विलंब के बिलों पर विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करना उनका संवैधानिक दायित्व है।

इसमें मांग की गई कि राज्य विधानमंडल द्वारा प्रस्तुत विधायी विधेयकों पर राज्यपाल को प्राप्ति की तारीख से दो महीने की अवधि के भीतर कार्रवाई करनी चाहिए।

उच्च न्यायालय के समक्ष दायर याचिका में कहा गया, ÷यह राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है कि या तो वह किसी विधेयक पर सहमति दें या उसे विधानमंडल द्वारा पुनर्विचार के लिए वापस भेजें या राष्ट्रपति द्वारा विचार के लिए आरक्षित रखें।

इसमें कहा गया है कि संविधान के कामकाज की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय आयोग, सरकारिया आयोग और न्यायमूर्ति एम.एम. पुंछी आयोग ने सिफारिश की है कि एक समय सीमा होनी चाहिए, जिसके भीतर राष्ट्रपति या राज्यपाल को अपनी विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग करना होगा।

सीएम ने गोपालगंज डीएम-एसपी को उत्पाद पद देकर किया सम्मानित

गोपालगंज। एजेंसी

नशामुक्ति दिवस के अवसर पर रविवार को पटना में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए अधिकारियों को सम्मानित किया।

इस दौरान सीएम ने शराबबंदी के बावजूद शराब के कारोबार से जुड़े तस्करों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई को लेकर डीएम डॉ नवल किशोर चौधरी, एसपी स्वर्ण प्रभात तथा उत्पाद अधीक्षक को सम्मानित किया गया। मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री कुमार

ने अधिकारियों को शराब माफियाओं के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी रखने का निर्देश दिया।

जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा ड्रग्स फ्री मिशन के तहत जिले में कार्यक्रम का आयोजन कर आम जन मानस को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने को लेकर कई कार्यक्रम को चलाया। मिशन के तहत नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कार्यवाही भी की गई है। जिले भर में नशा निषेध दिवस मनाया गया।

डीएम ने वर्तमान में युवा पीढ़ी नशे की नशे से बचाने की सलाह दी। भावी पीढ़ी को हर हाल में नशे की लत से बचाने के लिए हम सभी को सजग रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज की बुराइयों एवं कुरीतियों को समाप्त करने के लिए हम सभी को जागरूक नागरिक के रूप में ईमानदारी के साथ कार्य करने की जरूरत है। साथ ही अपने आस पड़ोस में नशे में संलिप्त असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखने की जरूरत है।

मुंबई : 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 15 साल पहले आज के ही दिन मुंबई पर हुए आतंकी हमले में आतंकवादियों से लड़ते हुए जान गंवाने वाले शहीदों को रविवार को पुष्पांजलि अर्पित की।

बैस और शिंदे ने दक्षिण मुंबई में पुलिस आयुक्त के कार्यालय के परिसर में शहीदों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की, जहां राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, दीपक केसरकर, शहर के पुलिस प्रमुख विवेक फणसालकर और पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्यों ने भी 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के दौरान जान गंवाने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

राज्यपाल ने हमले में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्यों से भी मुलाकात की।

राष्ट्रीय सुरक्षा गारद, मुंबई पुलिस के कर्मियों और भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी समीर वानखेड़े ने ताज महल पैलेस होटल के सामने 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर आयोजित कैंडल मार्च में हिस्सा लिया।

आतंकवादियों ने जिन जगहों पर हमला किया उनमें से एक ताज महल पैलेस होटल भी था।

शहीदों की याद में आयोजित मार्च में रोटरी क्लब के सदस्य और मीठीभाई कॉलेज के छात्र भी शामिल

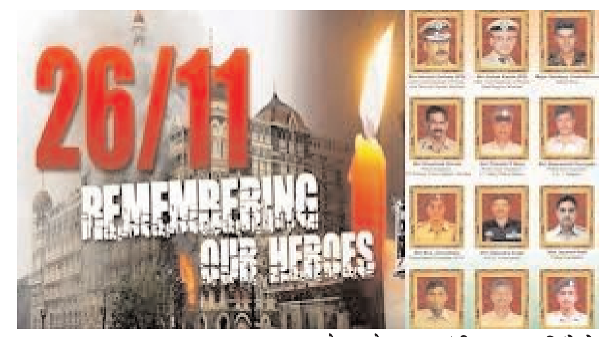

हुए।

दस पाकिस्तानी आतंकवादी समुद्री मार्ग से 26 नवंबर, 2008 को मुंबई में घुसे और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 18 सुरक्षाकर्मियों सहित 166 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। हमले में करोड़ों रुपये की संपत्ति को नुकसान पहुंचा था।

आतंकी हमलों में शहीद हुए सुरक्षा बलों के जवानों में आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के तत्कालीन प्रमुख हेमंत करकरे, मेजर संदीप उन्नीकृष्णन, मुंबई के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अशोक कामटे और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय सालस्कर शामिल थे।

सुरक्षा बलों ने बाद में नौ आतंकवादियों को मार गिराया था। अजमल कसाब एकमात्र आतंकवादी था, जिसे जिंदा पकड़ा गया था। उसे चार साल बाद 21 नवंबर 2012 को फांसी दी गई थी।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने मुंबई में 26/11 हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को दक्षिण मुंबई स्थित शहीद स्मारक पर 15 साल पहले 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के दौरान आतंकियों से लड़ते हुए शहीद हुए जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की।इस मौके पर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुंबई शहर के प्रभारी मंत्री दीपक केसरकर सहित तमाम अधिकारी उपस्थित थे। इस हमले में विदेशी नागरिकों सहित 166 लोग मारे गये थे और 300 से अधिक घायल हो गये।मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि 15 साल पहले हुए हमले के बाद मुंबई पुलिस शहर की आंतरिक सुरक्षा उपायों को मजबूत किया गया है। एक दर्जन से अधिक लैंडिंग स्थलों की पहचान की गई है जो असुरक्षित हो सकते हैं और वहां चौबीसों घंटे गश्त की जाती है। साथ ही तटीय सुरक्षा में मदद के लिए नई त्वरित प्रतिक्रिया पुलिस टीमें भी तैनात की हैं और ड्रोन भी जोड़े हैं।उल्लेखनीय है कि लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने 26 नवंबर 2008 की रात को मुंबई में प्रवेश किया था।

पूर्व सैनिक को घायल महिला की मदद करना पड़ा भारी, चालान के साथ लाइसेंस जब्त

हल्द्वानी। गौलापार क्षेत्र के रहने वाले एक पूर्व सैनिक को महिला का मदद करना भारी पड़ गया है। दरअसल, गौलापार क्षेत्र में बीते दिन एक महिला पेड़ से गिर गई थी, पास में ही रहने वाले रिटायर्ड सूबेदार मेजर नारायण सिंह बोरा महिला को गंभीर अवस्था में अपनी कार में अस्पताल में भर्ती कराने ले गए।

महिला की गंभीर हालत को देख तेजी से कार चलते हुए पूर्व सैनिक अस्पताल को निकले तो काठगोदाम में सीपीयू ने पूर्व फौजी को तेज कार चलाने पर ऑनलाइन चालान कर दिया। पूर्व फौजी के पास जब ऑनलाइन चालान आया तो उन्होंने चालान भर दिया, लेकिन पूर्व फौजी का ड्राइविंग लाइसेंस भी 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया गया तो पूर्व सैनिक संगठनों ने इस पर आपत्ति जताई।

एसएसपी कार्यालय पहुंचे पूर्व सैनिक संगठन में नाराजगी देखी गई, जहां भारी संख्या में पूर्व सैनिकों ने एसपी कार्यालय में अपनी नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान पूर्व सैनिकों ने कहा कि उन्हें देश सेवा और लोगों की सेवा के लिए सेना में प्रशिक्षण दिया जाता रहा है, यहां भी वह लोगों की मदद ही करते हैं। महिला को अस्पताल पहुंचने के लिए कार तेज चलाने पर सीपीयू ने चालान कर दिया।

यहां तक तो सब ठीक है, चालान की रकम भी जमा कर दी। लेकिन लाइसेंस 3 महीने तक जब्त किए जाने को लेकर उनको आपत्ति है, अब पूर्व सैनिकों ने एसपी सिटी एसपी से मुलाकात कर लाइसेंस जब्त न किए जाने की मांग की है। पुलिस इसे ऑनलाइन चालान का हवाला देकर खुद को असमर्थ बता रही है।

एसपी सिटी हरबंस सिंह का कहना है कि पूर्व सैनिकों को समझा बुझा दिया गया है। साथ ही नियम के अनुसार कार्रवाई की गई है, उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिक ने अगर महिला की मदद की है तो उसका वह प्रमाण दिखा दें, इसके बाद उनका लाइसेंस जब्ती की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

ठाणे और पालघर में भारी बारिश; आकाशीय बिजली गिरने से इमारत में आग लगी

ठाणे/पालघर।

महाराष्ट्र के ठाणे और पालघर जिले के कई हिस्सों में रविवार तड़के भारी बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से ठाणे में एक इमारत में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।भिवंडी-निजामपुर नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ अधिकारी साकिब खरबे ने बताया कि ठाणे में भिवंडी शहर के कलहेर क्षेत्र में दुर्गेश पार्क इलाके में एक इमारत की प्लास्टिक की छत पर सुबह लगभग पौने सात बजे आग लग गई। उन्होंने कहा कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन आग से इमारत की प्लास्टिक की छत क्षतिग्रस्त हो गई।

अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद दमकल की एक गाड़ी को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया गया। पालघर में बारिश के बाद कुछ मोटरसाइकिल दुर्घटनाओं की सूचना मिली।पालघर जिला ग्रामीण नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि केलवे पुलिस थाना अंतर्गत इस तरह की एक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

दमोह- आकार ले रहा देश का सबसे बडा टाईगर रिजर्व

दमोह। एजेंसी

देश का सबसे बडा टाईगर रिजर्व मध्यप्रदेश के दमोह और सागर जिलों में अस्तित्व में आने लगा है। नौरादेही और रानीदुर्गावती अभ्यारण को मिलाकर अब एक कर दिया गया है और अब यह रानी दुर्गावती टाईगर रिजर्व के नाम से पहचाना जायेगा।दमोह जिले के जबेरा विधानसभा क्षेत्र का एक बडा भाग सिग्रामपुर जहां वीरांगना रानी दुर्गावती की राजधानी रही है, वन अभ्यारण के नाम से पहचाना जाता था। इसी से लगा हुआ सागर जिले का एक बडा भाग नौरादेही अभ्यारण के नाम से पहचाना जाता था। दमोह जिले का 582 स्त्रक्वॉयर किलोमीटर एरिया इसमें सम्मिलित होने के बाद यह 23 सौ स्क्वायर किलोमीटर हो जायेगा जो भारत में सबसे बड़ा टाईगर रिजर्व होगा।दमोह के वनमंडलाधिकारी महेन्द्र

सिंह उईके ने बताया कि दमोह वन मंडल सेंचुरी की यह भूमि हम नौरादेही अभ्यारण को हस्तांरित करने जा रहे हैं। दमोह जिले में 3 नई रेंज बनेंगी टाईगर रिजर्व का मुख्यालय दमोह जिले के जबेरा में बनाने के लिये प्रस्ताव भेजा गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 16 टाईगर यहां हैं।

मोदी चाहते हैं कि केसीआर सत्ता में बने रहें - राहुल गांधी

संगारेड्डी (तेलंगाना)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि के. चंद्रशेखर राव तेलंगाना में सत्ता में बने रहें।बीआरएस और भाजपा के बीच छुपी साझेदारी का आरोप लगाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस का पहला लक्ष्य तेलंगाना में केसीआर को हराना है और फिर केंद्र से मोदी सरकार को हटाना है।

राहुल गांधी पार्टी उम्मीदवार पूर्व उपमुख्यमंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के लिए प्रचार करने के लिए संगारेड्डी जिले के एंडोले में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि बीजेपी, बीआरएस और एमआईएम एक साथ है और कांग्रेस इन सभी से लड़ रही है।

उन्होंने दावा किया कि बीआरएस ने जीएसटी, नोटबंदी और कृषि बिलों पर मोदी सरकार का समर्थन किया।

उन्होंने कहा, ÷चूंकि मैं हर दिन बीजेपी से लड़ता हूं, मेरे खिलाफ 24 मामले हैं लेकिन केसीआर के खिलाफ ईडी, सीबीआई या आईटी का एक भी मामला नहीं है।÷

राहुल गांधी ने एमआईएम पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां भी कांग्रेस बीजेपी से लड़ रही है, वहां वह बीजेपी की मदद के लिए अपने उम्मीदवार उतार देती है।

शनिवार रात हैदराबाद में बेरोजगार युवाओं के साथ अपनी मुलाकात का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि केसीआर सरकार ने टीएसपीएससी परीक्षा में पेपर लीक के जरिए उनका भविष्य बर्बाद कर दिया।

उन्होंने कहा, उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने परीक्षा की तैयारी के लिए पैसे खर्च किए और कड़ी मेहनत की, लेकिन पेपर लीक ने उनके सारे सपने चकनाचूर कर दिए।

कांग्रेस नेता ने 30 नवंबर के विधानसभा चुनाव को 'दोराला सरकार' और 'प्रजला सरकार' के बीच लड़ाई बताया। उन्होंने वादा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो जनता का शासन लाएगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार पूरे देश में सबसे भ्रष्ट है। उन्होंने कहा, ÷तेलंगाना अलग राज्य के लिए लड़ते समय लोगों ने एक ऐसी सरकार का सपना देखा था जो गरीबों, आदिवासियों, किसानों और कमजोर वर्गों के लिए काम करेगी, लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि एक परिवार उन पर शासन कर रहा है।

उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि केसीआर और उनके परिवार द्वारा उनसे लूटा गया पैसा कांग्रेस छह गारंटी लागू कर लोगों को वापस करेगी।

THE PHOTON NEWS

संक्षेप खबर

उत्तरी गाजा पहुंची 61 ट्रक सहायता सामग्री - संरा

संयुक्त राष्ट्र। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा है कि शनिवार को उत्तरी गाजा में 61 ट्रक सहायता सामग्री पहुंचाई गई, जो सात अक्टूबर को हमास और इजरायल के बीच शुरू हुए संघर्ष बाद से सबसे ज्यादा सहायता सामग्री है।संरा के मुताबिक सहायता सामग्री में भोजन, पानी और आपातकालीन चिकित्सा आपूर्ति शामिल है। इसके साथ ही घायल लोगों का उपचार करने में सहायता के लिए 11 एम्बुलेंस, तीन कोच और एक फ्लैटबेड उत्तरी गाजा के अल शिफा अस्पताल में पहुंचाया गया।संरा ने बताया कि अन्य 200 ट्रकों को इज़रायली सीमावर्ती शहर नित्ज़ाना से राफ़ा क्रॉसिंग के लिए भेजा गया। उनमें से 187 स्थानीय समयानुसार शनिवार रात तक गाजा में प्रवेश कर गए। संरा कार्यालय के अनुसार, इसके अलावा 1,29,000 लीटर ईंधन गाजा पहुंच गया है।संरा के अनुसार इनमें से कोई भी आपूर्ति फ़िलिस्तीनी और मिस्र की रेड क्रिसेंट सोसाइटीज़ की सहायता के बिना संभव नहीं होती। मानवीय संघर्ष विराम जितना लंबा रहेगा, मानवीय एजेंसियां गाजा में उतनी ही अधिक सहायता भेज सकेंगी।संरा ने कहा, ÷हम आज और अधिक बंधकों की रिहाई का स्वागत करते हैं और सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई के लिए अपना आह्वान दोहराते हैं। हमें उम्मीद है कि अधिक फिलिस्तीनी बंदियों की रिहाई से उनके परिवारों और प्रियजनों को राहत मिलेगी।

पाकिस्तान में सड़क हादसे में सात की मौत, 18 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए।अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। सरकारी राहत एवं बचाव संगठन रेस्क्यू 1122 के अनुसार शनिवार को घटित हुयी पहली घटना में चार यात्रियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह घटना पूर्वी पंजाब प्रांत में अटक जिले के फतेह जंग इलाके में घटित हुयी। यहां एक एक्सप्रेसवे पर एक कार एक ट्रॉलर से टकरा गई।इस घटना की जानकारी मिलते ही बचाव कर्मी और राजमार्ग गश्ती पुलिस घटनास्थल पर पहुंचे और शवों तथा घायलों को पास के अस्पताल में पहुंचाया। पुलिस ने कहा कि कार चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और तेज रफ्तार कार ने लंबे वाहन को पीछे से टक्कर मार दी।रेस्क्यू 1122 ने कहा कि एक अन्य दुर्घटना में पश्चिमोत्तर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्वात जिले के पेशमल कलाम इलाके में पर्यटकों से भरा एक वाहन गहरी खाई में गिर गया, जिसके कारण तीन लोगों की जान चली गई और 16 अन्य घायल हो गए।

जापान में भूकंप के तेज झटके

टोक्यो। जापान के होंशू के पूर्वी तट पर रविवार को तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। अंतरराष्ट्रीय समय के अनुसार आज तड़के 01.47 महसूस किए गए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.1 मापी गयी। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि भूकंप का केंद्र धरती की सतह से 10.0 किलोमीटर की गहराई में 37.81 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142.74 डिग्री पूर्वी देशांतर में था।

कराची में शॉपिंग मॉल में आग लगने से 11 की मौत, 20 से अधिक झुलसे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बंदरगाह शहर कराची में शनिवार को एक शॉपिंग मॉल में भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक झुलस गए।कराची के पूर्वी जिले के उपायुक्त अल्ताफ शेख ने शनिवार शाम मीडिया को घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि बुरी तरह से जलने के कारण कई लोगों को तीन अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।उन्होंने कहा कि आग बुझा दी गई है और राशिद मिन्हास रोड पर मल्टी स्टोरी शॉपिंग मॉल में कूलिंग ऑपरेशन चल रहा है। उन्होंने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच की जाएगी।उधर राहत एवं बचाव कर्मियों ने संकेत दिया कि आग मॉल की छत पर स्थित एक खराब जनरेटर से लगी थी।दक्षिणी सिंध प्रांत के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मकबूल बकर ने इस घटना की तत्काल जांच के आदेश दिए हैं और कहा है कि सरकार इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए जवाबदेही और सजा सुनिश्चित करेगी।उल्लेखनीय है कि एक आधिकारिक रिपोर्ट से पता चला कि आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक संरचनाओं सहित कराची की सभी इमारतों में से 90 प्रतिशत में आग की रोकथाम, अग्निशमन प्रणाली और आग से बाहर निकलने की सुविधाओं का अभाव है।

बांग्लादेश में सड़क हादसे में भारतीय दंपति की मौत

ढाका। बांग्लादेश में शनिवार हादसों का दिन रहा। सतखिरा, राजशाही, चटगांव, गाजीपुर, फेनी, मुंशीगंज और जेसोर में सड़क पर 16 लोगों की जान चली गई। इनमें एक भारतीय दंपति और एक पुलिस कांस्टेबल शामिल है।स्थानीय अंग्रेजी अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार भारत के पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के रहने वाले भारतीय दंपति की उस समय मौत हो गई जब सतखिरा के सदर उपजिला के तलतला में एक ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। मृतकों में 45 वर्षीय असीम कुमार विश्वास और उनकी 42 वर्षीय पत्नी चोबी विश्वास हैं। यह हादसा बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के सतखिरा कैंप के सामने सुबह करीब आठ बजे हुआ।अखबार के अनुसार, सतखिरा सदर पुलिस स्टेशन प्रभारी (ओसी) महिदुल इस्लाम ने कहा कि असीम खुलना-मोंगला रेलवे परियोजना के उप प्रबंधक थे। वह अपनी पत्नी के साथ भोमरा भूमि बंदरगाह के रास्ते भारत जा रहे थे। हादसे में उनका ड्राइवर घायल हो गया।इसके अलावा राजशाही में दोपहर को बेलपुकुर में एक ट्रक और सीएनजी से चलने वाले ऑटो-रिक्शा के बीच आमने-सामने की टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। मृतकों में 35 वर्षीय परवीन बेगम, 17 वर्षीय शर्मिन, 75 वर्षीय इनसाब अली, 35 वर्षीय अयूब अली लाबू और 35 वर्षीय सीएनजी चालक मोखलेसुर रहमान हैं। घायल 18 वर्षीय हृदयॉय हैं।पाबा हाइवे पुलिस स्टेशन के ओसी मोफक्करुल इस्लाम ने कहा, बेलपुकुर बाइपास इलाके के पास एक ट्रक और सीएनजी से चलने वाले ऑटो-रिक्शा के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। चटगांव में एक तेज रफ्तार ट्रक ने कर्णफुली गैस वितरण कंपनी के तीन कर्मचारियों को कुचल दिया। मृतकों में 35 वर्षीय मसूद मियां, 45 वर्षीय आलमगीर हुसैन और 42 वर्षीय शफीकुल इस्लाम हैं। शनिवार को हुए हादसों में कुल 16 लोगों की जान गई।

बांग्लादेश में सड़क हादसे में भारतीय दंपति की मौत

ढाका। बांग्लादेश में शनिवार हादसों का दिन रहा। सतखिरा, राजशाही, चटगांव, गाजीपुर, फेनी, मुंशीगंज और जेसोर में सड़क पर 16 लोगों की जान चली गई। इनमें एक भारतीय दंपति और एक पुलिस कांस्टेबल शामिल है।

स्थानीय अंग्रेजी अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार भारत के पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के रहने वाले भारतीय दंपति की उस समय मौत हो गई जब सतखिरा के सदर उपजिला के तलतला में एक ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। मृतकों में 45 वर्षीय असीम कुमार विश्वास और उनकी 42 वर्षीय पत्नी चोबी विश्वास हैं। यह हादसा बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के सतखिरा कैंप के सामने सुबह करीब आठ बजे हुआ।

अखबार के अनुसार, सतखिरा सदर पुलिस स्टेशन प्रभारी (ओसी) महिदुल इस्लाम ने कहा कि असीम खुलना-मोंगला रेलवे परियोजना के उप प्रबंधक थे। वह अपनी पत्नी के साथ भोमरा भूमि बंदरगाह के रास्ते भारत जा रहे थे। हादसे में उनका ड्राइवर घायल हो गया।इसके अलावा राजशाही में दोपहर को बेलपुकुर में एक ट्रक और सीएनजी से चलने वाले ऑटो-रिक्शा के बीच आमने-सामने की टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। मृतकों में 35 वर्षीय परवीन बेगम, 17 वर्षीय शर्मिन, 75 वर्षीय इनसाब अली, 35 वर्षीय अयूब अली लाबू और 35 वर्षीय सीएनजी चालक मोखलेसुर रहमान हैं। घायल 18 वर्षीय हृदयॉय हैं।

दुनिया भर में आतंकवाद बढ़ रहा है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र इससे लड़ने में पूरी तरह नाकाम

संयुक्त राष्ट्र।एजेंसी

26/11 के मुंबई आतंकवादी हमले के 15वें वर्ष में दुनिया ने इज़राइल में बड़े पैमाने पर एक और आतंकवागी हमला देखा, फिर भी विश्व संगठन इससे लड़ने में नाकाम है।

1996 में भारत द्वारा प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन (सीसीआईटी) अधर में लटका हुआ है। कुछ देश चाहते हैं कि उनके पसंदीदा आतंकवादियों कोस्वतंत्रता सेनानियों÷ के रूप में महिमामंडित किया जाए।

आतंकवादियों के खिलाफ प्रतिबंध जारी करने वाली सुरक्षा परिषद की समिति 26/11 के मास्टरमाइंड साजिद मीर को वैश्विक आतंकवादी घोषित नहीं कर सकती क्योंकि वह चीन के संरक्षण में है।

7 अक्टूबर को हुए हमास हमले के बाद गाजा संघर्ष पर महासभा द्वारा अपनाए गए एक प्रस्ताव में आतंकवादी समूह का नाम भी नहीं लिया गया। भारत ने प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया क्योंकि उसने स्पष्ट रूप से आतंकवाद की निंदा नहीं की।

मतदान के बाद भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजना पटेल ने नई दिल्ली की स्थिति को दृढ़ता से रखा- ÷आतंकवादी कृत्यों को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता। आइए हम मतभेदों को दूर रखें, एकजुट हों और आतंकवाद के प्रति शून्य-सहिष्णुता का दृष्टिकोण अपनाएं।

आतंकवाद के औचित्य ने सीसीआईटी को अपनाने से रोक दिया है और पाकिस्तान इस विचारधारा का प्रमुख उदाहरण प्रस्तुत करता है।

सीसीआईटी का विरोध करते हुए, इसके स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने कहा कि आतंकवादी कृत्यों और विदेशी और औपनिवेशिक कब्जे के तहत लोगों के आत्मनिर्णय के लिए वैध संघर्ष के बीच अंतर स्पष्ट है।

उन्होंने कहा कि यह मुस्लिम देशों के समूह इस्लामिक सहयोग संगठन का रुख है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने आतंकवाद और आतंकवादियों के कृत्यों के बीच अंतर करने के प्रयासों को खारिज कर दिया है।पिछले साल मुंबई की यात्रा के दौरान, उन्होंने 26/11 पीड़ितों के स्मारक का दौरा किया और कहा कि ÷कोई भी कारण, कोई बहाना, कोई शिकायत÷ इसे उचित नहीं ठहरा सकती।

26/11 का हमला शुरू होने के एक दिन बाद, सुरक्षा परिषद ने सर्वसम्मति का एक प्रदर्शन करते हुए अपने सदस्यों के ÷संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के तहत अपनी जिम्मेदारियों के अनुसार, सभी प्रकार के आतंकवाद से लड़ने के दृढ़ संकल्प÷ की घोषणा की।

इसने यह भी घोषित किया कि ÷आतंकवाद का कोई भी कृत्य आपराधिक और अनुचित है, चाहे उनकी प्रेरणा कुछ भी हो, कहीं भी, कभी भी और किसी ने भी किया हो÷।उस समय के महासचिव बान की-मून ने कहा कि वह प्रतिबद्ध हैं कि संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद से निपटने में अग्रणी भूमिका निभाए।उन्होंने कहा कि मुंबई हमले के साजिशकर्ताओं को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए।आतंकवाद पर परिषद की प्रतिबंध समिति ने कुछ ही हफ्तों में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) को एक वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया और उस पर प्रतिबंध लगा दिए।इसके तीन नेताओं, बॉस हाफ़िज़ सईद, संचालन प्रमुख ज़ाकिर रहमान लखवी, और वित्त प्रमुख हाजी मोहम्मद अशरफ़ को भी पैनल द्वारा अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया गया, जिसे औपचारिक रूप से ÷1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति÷ के रूप में जाना जाता है। उनकी संपत्ति जब्त कर ली गई और यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

लेकिन उसके बाद, चीन ने मुंबई आतंकवादी हमले में शामिल अन्य लश्कर-ए-तैयबा के कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्रतिबंध पर रोक लगानी शुरू कर दी।

जनवरी में हालांकि वह थोड़ा नरम हुआ और अब्दुल रहमान मक्की पर प्रतिबंध लगाने की अनुमति दे दी, लेकिन हाल ही में जून में, उसने 26/10 हमले के मास्टरमाइंड साजिद मीर के खिलाफ कार्रवाई को रोक दिया।भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने परिषद से दो टूक कहा कि आतंकवादियों से निपटने में उसकी विफलता उसकी विश्वसनीयता को चुनौती देती है।

पिछले वर्ष के अंत में समाप्त हुए परिषद के निर्वाचित सदस्य के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, भारत ने इसकी आतंकवाद-रोधी समिति का नेतृत्व किया।

पैनल के अध्यक्ष के रूप में कंबोज ने मुंबई में और नई दिल्ली में एक सत्र बुलाया, जहां परिषद के 15 सदस्य 26/11 के प्रभाव को देख और महसूस कर सकते हैं।

हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम से लेबनान के सीमावर्ती इलाकों में लोग वापस लौट रहे

कफर किला (लेबनान), । हमास और इजराइल के बीच चार दिवसीय युद्धविराम से दक्षिण लेबनान के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी शांति बहाल होने लगी है। युद्ध के चलते जो लोग गांव में अपने घर खाली करके चले गए थे वे अब वापस लौटने लगे हैं। बंद दुकानें फिर से खुल गई हैं और सड़कों पर वाहन भी नजर आ रहे हैं।अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, इजराइल-हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद लेबनानी चरमपंथी समूह हिजबुल्ला और इजराइली बलों के बीच कई बार संघर्ष देखा गया, जिसके कारण सीमावर्ती इलाकों से लगभग 55,500 लेबनानी नागरिक अपने घर छोड़कर चले गए।इस संघर्ष के दौरान लेबनान में भी 100 से अधिक और इजराइल में 12 लोग मारे गए। लेबनान में कम से कम 12 आम नागरिकों को जान गंवानी पड़ी, जिनमें तीन पत्रकार थे।इस चार दिवसीय युद्धविराम से लेबनान के सीमावर्ती इलाकों के लोगों को हवाई हमलों, बमबारी और गोलीबारी से अस्थायी राहत मिली है। इसको देखते हुए कुछ लोग वापस अपने क्षतिग्रस्त घरों को देखने के पहुंचे और अपना सुरक्षित बचा सामान साथ ले जा रहे हैं। वहीं, कुछ लोग यहां रहने के लिए ही लौटे हैं।हौला गांव के निवासी सेवानिवृत्त स्कूल प्रधानाचार्य अब्दुल्ला कुतीश और उनकी पत्नी सबा भी उन लोगों मे से हैं जो युद्ध के चलते अपने घर को छोड़कर उत्तरी क्षेत्र में अपनी बेटी के पास रहने चले गए थे।युद्धविराम के लागू होने वाले दिन शुक्रवार को वे अपने घर लौट आए, लेकिन काफी समय तक पानी नहीं दिए जाने से उन्हें अपना बगीचा पूरी तरह सूखा मिला।सबा ने कहा, ''इस युद्ध के कारण हमने भी बहुत कुछ खोया है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है कि हम सुरक्षित हैं। अगर हालात ऐसे ही शांत रहे तो हम अब दोबारा अपना घर छोड़कर नहीं जाएंगे।'' हालांकि, कई लोगों का कहना है कि शांति स्थापित होने की उम्मीद कम ही है।सीमा के पश्चिमी छोर पर गांव मारवहीन के निवासी एवं कैफे के संचालक खलील घनम शनिवार को वापस लौट आए, लेकिन वह यहां रुकने के लिए नहीं, बल्कि अपने कैफे का बचा हुआ सामान वापस लेने आए थे और फिर लौट गए।

रिहा किए गए फलस्तीनी कैदियों को लेकर वेस्ट बैंक पहुंची रेड क्रॉस की बस

वेस्ट बैंक।एजेंसी

हमास द्वारा 13 इजराइली और चार विदेशी बंधकों के रिहा किए जाने के बाद इजराइल द्वारा रिहा किए गए कम से कम 36 फलस्तीनी कैदियों के साथ एक बस रविवार तड़के वेस्ट बैंक पहुंची।हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों और इजराइल में फलस्तीनी कैदियों की अदला-बदली के दूसरे दौर के तहत इन बंधकों और कैदियों को रिहा किया गया है।

अल बिरेह पहुंचने पर सैकड़ों लोगों ने रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति की बस का स्वागत किया। भीड़ ने बस के पहुंचते ही ''अल्लाह हू अकबर'' के नारे लगाए। बस की छत पर कई युवा पुरुष खड़े हो गए। भीड़ में मौजूद कई लोगों ने हमास के झंडे पकड़ रखे थे। उन्होंने हमास के समर्थन में नारेबाजी की।इजराइली सेना ने कहा कि हमास द्वारा छोड़े गए बंधकों में चार लोग थाईलैंड के नागरिक हैं। इन बंधकों को इजराइल ले जाया गया है और उन्हें उनके परिवारों से मिलाया जा रहा है।हमास ने एक वीडियो जारी किया है जिसमें बंधक घबराए और कांपते हुए नजर आ रहे हैं, लेकिन इनमें से अधिकतर की शारीरिक स्थिति ठीक प्रतीत हो रही है।

वीडियो में नकाबपोश चरमपंथी उन्हें रेड क्रॉस के वाहन की ओर ले जाते दिख रहे हैं।हमास ने इजराइल पर युद्ध विराम समझौते की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए बंधकों की रिहाई कई घंटों तक टाले रखी, जिसके कारण तनावपूर्ण गतिरोध पैदा हो गया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता प्रयासों से इस गतिरोध को अंतत- दूर कर दिया गया। हमास ने इजराइल पर सात अक्टूबर को अप्रत्याशित हमला कर करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया था, जिसके बाद इजराइल ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी पर हमला किया। इजराइल और हमास के बीच चार दिवसीय युद्ध विराम के दौरान कुल 50 इजराइली बंधकों और 150 फलस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाना है।

हमास ने अमेरिकी बंधकों की रिहाई पर सस्पेंस बरकरार रखा

वाशिंगटन।एजेंसी

हमास द्वारा बंधकों की रिहाई शुरू करने के बाद, अमेरिका उनमें से अमेरिकियों की रिहाई का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में अमेरिकी बंधकों के भाग्य के बारे में पूछे जाने पर कहा, ÷हम नहीं जानते कि ऐसा कब होगा, लेकिन हम ऐसा होने की उम्मीद करते हैं।

बाइडेन ने कहा, ÷हमें नहीं पता कि सभी बंधकों की सूची क्या है और उन्हें कब रिहा किया जाएगा, लेकिन हम रिहा होने वाले लोगों की संख्या जानते हैं। इसलिए, यह मेरी आशा और उम्मीद है कि यह जल्द ही होगा।÷ अक्टूबर के अंत में हमास द्वारा रिहा किए गए पहले बंधकों में दो अमेरिकी थे।

अमेरिकी बंधकों में से एक अबीगैल मोर इडा शुक्रवार को चार साल की हो गई। वह अपने पिता की गोद में थी जब 7 अक्टूबर को हमास के आतंकवादियों ने दक्षिणी इज़राइल में कफ़र अज़ा किबुत्ज़ पर हमला किया। उसकी बड़ी चाची लिज़ हिर्श नफ़्ताली ने एनबीसी न्यूज़ को बताया, उसके माता-पिता दोनों को गोली मार दी गई थी। अबीगैल ÷अपने पिता के शरीर के नीचे से उनके खून से लथपथ होकर निकली थी।

अबीगैल एक पड़ोसी के पास भाग गई थी और परिवार के बाकी सदस्यों के साथ बम आश्रय में शरण ली थी। उन्होंने कहा, ÷आखिरी बात जो हमें पता चली वह यह थी कि किसी ने एक आतंकवादी को मां, उसके तीन बच्चों और अबीगैल को किबुत्ज़ से बाहर ले जाते देखा था।÷ ÷बस हमें यही पता है।÷ बाइडेन ने बंधकों के पहले बैच की रिहाई पर टिप्पणी में उनके बारे में बात की।

हम उन सभी को भी याद करते हैं जिन्हें अभी भी हिरासत में रखा गया है और उनकी रिहाई के लिए भी काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। लापता लोगों में दो अमेरिकी महिलाएं और एक चार साल का बच्चा अबीगैल भी शामिल है।बाइडेन ने सभी अमेरिकी बंधकों को घर लाने की कसम खाई है और संवाददाताओं से कहा कि वह कतर, मिस्र और इज़राइल के नेताओं के साथ व्यक्तिगत संपर्क में हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह ट्रैक पर रहे और समझौते के हर पहलू को लागू किया जाए।

पहली खेप में किसी भी अमेरिकी को रिहा नहीं किए जाने पर बाइडेन की आलोचना

वाशिंगटन।एजेंसी

पहली खेप में किसी भी अमेरिकी को रिहा नहीं किए जाने पर जीओपी सांसदों के नेतृत्व में अमेरिकी लोगों के एक वर्ग ने अपने गुस्से और हताशा को व्यक्त किया व राष्ट्रकपति बाइडेन की आलोचना की। मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया है।शुक्रवार को, हमास ने एक समझौते के तहत 13 इजरायलियों को मुक्त कर दिया। चार दिवसीय युद्धविराम के दौरान 50 बंधकों को रिहा किया जाना है। इसके बदले में इजरायली जेलों में बंद 150 फिलिस्तीनी महिलाओं और बच्चों को ररहि किया जाएगा।न्यूजवीक की रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को रिहा किए गए लोगों में से कोई भी अमेरिकी नहीं शामिल होने पर कुछ रूढ़िवादी सांसद नाराज हो गए, जिन्होंने बाइडेन की आलोचना की।अपनी प्रतिक्रिया में रूढ़िवादी टिप्पणीकार कारमाइन सबिया ने एक्स पर लिखा- कहा जाता है कि राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इज़राइल और हमास के साथ बंधकों के लिए सौदा किया और किसी भी अमेरिकी को इसमें शामिल नहीं किया गया। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थक ग्राहम एलन ने पोस्ट किया- ÷मुझे कैसे पता चलेगा कि जो बाइडेन कमजोर हैं? आज किसी भी अमेरिकी को रिहा नहीं किया गया। अगर यह ट्रंप होते, तो वे अपने परिवारों के साथ धन्यवाद ज्ञापन करते।पॉडकास्टर एलेक लेस ने टिप्पणी की- ÷जाहिर तौर पर हमास और इज़राइल के बीच बंधक सौदे में किसी भी अमेरिकी को रिहा नहीं किया जा रहा है, इसके लिए बाइडेन ने मध्य स्थंता करने का दावा किया है ! इस बीच, रूढ़िवादी टिप्पणी वेबसाइट टाउनहॉल के स्तंभकार फिल होलोवे ने बंधकों की रिहाई के बारे में एक समाचार लेख साझा किया।

बाइडेन को और अमेरिकी बंधकों की रिहाई की उम्मीद, हमास ने इजरायल पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गाजा में युद्धविराम के दूसरे दिन शनिवार को उम्मीद जताई कि हमास और इजराइल के बीच कैदियों और बंधकों की अदला-बदली के दूसरे चरण में कुछ और अमेरिकी बंधकों को रिहा किया जाएगा।व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने घोषणा की कि बाइडेन ने लड़ाई में चार दिनों के विराम के लिए लगभग 50 बंधकों के बड़े समूह के हिस्से के रूप में दो अमेरिकी नागरिकों की रिहाई सुनिश्चित कर ली है। लेकिन मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि पहली खेप में अधिक अमेरिकियों को रिहा करने के बाइडेन के आश्वाासन को हमास ने झुठला दिया है।अमेरिकी सरकार के एक अधिकारी ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर कहा, हम इस प्रक्रिया के शुरुआती दौर में हैं कि समझौते के पहले चरण के दौरान कम से कम 50 महिलाओं और बच्चों को रिहा किया जाएगा।अधिकारी ने कहा,÷हमें उम्मीद है कि इसमें तीन दोहरी राष्ट्रीय महिलाएं और बच्चे शामिल होंगे, जो अमेरिकी नागरिक हैं। यह आने वाले दिनों में सामने आएगा। हम व्यक्तिगत मामलों पर टिप्पणी नहीं करेंगे क्योंकि प्रक्रिया चल रही है।÷राष्ट्रपति बाइडेन ने राष्ट्रीय स्तर पर टेलीविज़न संबोधन में कहा कि ÷हिंसा के इस चक्र को समाप्त करने में मदद करने के लिए एक स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राज्य की स्थापना की उनकी योजना युद्ध और इसकी भयावहता के अंत का एकमात्र व्यवहार्य समाधान थी।उन्होंने इजरायली बंधकों की रिहाई का स्वागत करते हुए कहा, ÷दो-राज्य समाधान को आगे बढ़ाने का हमारा संकल्प... अब पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। अत्यंत आवश्यक मानवीय सहायता के वितरण के रूप में।बाइडेन ने कहा, ÷आतंकवाद और हिंसा और हत्या और युद्ध के रास्ते पर चलते रहना हमास को वह देना है जो वे चाहते हैं, और हम ऐसा नहीं कर सकते।÷

जटिल मुद्दों पर दिशा दिखाने की क्षमता भारत को संभावित मध्यस्थ के रूप में पेश करती है- कम्बोज

न्यूयॉर्क। एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कम्बोज ने कहा है कि भारत की रणनीतिक स्थिति उसे विभिन्न शक्ति समूहों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने में सक्षम बनाती है और जटिल कूटनीतिक मामलों में दिशा दिखाने की उसकी क्षमता उसे अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में एक संभावित मध्यस्थ के रूप में पेश करती है।

कम्बोज ने यहां कहा, ''तीव्र बदलावों एवं जटिल चुनौतियों वाले युग में भारत केवल अत्यंत विविधता एवं सांस्कृतिक समृद्धि वाले देश के तौर पर ही नहीं उभरा है, बल्कि यह सहयोग, शांति एवं पारस्परिक सम्मान के सिद्धांतों को अपनाते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक बड़ी भूमिका भी निभाता है।'

उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स' के दीपक और नीरा राज सेंटर द्वारा पिछले सप्ताह आयोजित 'भारत- अगला दशक' सम्मेलन में 'उभरती वैश्विक व्यवस्था में भारत' विषय पर एक विशेष भाषण के दौरान कहा कि भारत का प्राचीन दर्शन 'वसुधैव कुटुंबकम' उसे वैश्विक मामलों में एक मध्यस्थ और समाधानकर्ता के रूप में विशिष्ट स्थान देता है।

कम्बोज ने कहा कि हालिया वर्षों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने विभिन्न देशों के बीच वार्ता एवं समझ को बढ़ावा देने को लेकर भारत का अग्र-सक्रिय दृष्टिकोण देखा है। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा भारत की रणनीतिक स्थिति और इसका गुटनिरपेक्ष इतिहास इसे विभिन्न शक्ति समूहों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने में सक्षम बनाना है।''

कम्बोज ने कहा, ''भारत ने दिखाया है कि भिन्न विचारधाराओं और शासन मॉडल वाले देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखना संभव है। जटिल राजनयिक मामलों में दिशा दिखाने की यह क्षमता भारत को अंतरराष्ट्रीय संघर्षों में एक संभावित मध्यस्थ के रूप में पेश करती है।''

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत की जी20 की अध्यक्षता ने विभिन्न दृष्टिकोणों के बीच आम सहमति बनाते हुए एक जटिल भू-राजनीतिक परिदृश्य में नेतृत्व करने की देश की क्षमता को दिखाया।

कम्बोज ने कहा कि तेजी से बदलते भू-रणनीतिक और भू-आर्थिक माहौल में खुद को ढालने में असमर्थता के कारण संयुक्त राष्ट्र अपने उद्देश्य को पूरा करने में सक्षम नहीं है।

उन्होंने दोहराया कि संयुक्त राष्ट्र में सुधारों के मुद्दे को अब ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता और 21वीं सदी की समकालीन वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए सुरक्षा परिषद की संरचना में बदलाव किए बिना यह प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकती।

कम्बोज ने कहा, ''दुनिया यह भी मानती है कि परिषद की सदस्यता के लिए भारत के दावे को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।ज्जनसंख्या, क्षेत्र, जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद), आर्थिक क्षमता, सभ्यतागत विरासत, सांस्कृतिक विविधता, राजनीतिक व्यवस्था, इतिहास और संयुक्त राष्ट्र की गतिविधियों विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में जारी योगदान जैसे किसी भी वस्तुनिष्ठ मानदंड के आधार पर भारत सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का पूरी तरह से हकदार है।''

चाइना मास्टर्स 2023: सात्विकसाईराज और चिराग खिताब से चूके

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी रविवार को शेनझेन में चीन मास्टर्स 2023 में घरेलू पसंदीदा लियांग वेई केंग और वांग चांग के खिलाफ हारकर उपविजेता रहे।रोमांचक मुकाबले में यह जोड़ी 19-21, 21-18, 19-21 से हार गई। इससे पहले, सात्विकसाईराज और चिराग ने सेमीफाइनल में घरेलू पसंदीदा हे जी टिंग/रेन जियांग यू को 21-16, 22-20 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

गौतम गंभीर ने टी20 के लिए रोहित शर्मा को चुना भारतीय टीम का कप्तान

-पिछले साल से भारतीय टीम की कमान संभाल रहे हार्दिक पंड्या को लगा जोरदार झटका

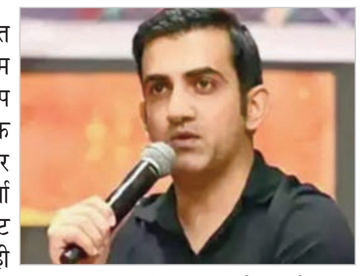

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर ने अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम के कप्तान के लिए रोहित शर्मा को सजेस्ट किया है। उन्होंने जैसे ही अपनी पसंद बताई तो पिछले एक साल से भारतीय टीम की कमान संभाल रहे हार्दिक पंड्या को जोरदार झटका लगा है। गौतम गंभीर ने कहा कि रोहित शर्मा को ही अगले साल टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का कप्तान बने रहना चाहिए। हालांकि गौतम गंभीर ने मी डिया से बातचीत में ध्यान दिलाया कि भले ही हार्दिक पांड्या पिछले साल से भारतीय टी20 टीम की कमान संभाल रहे हो, लेकिन वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा को कप्तानी करनी चाहिए। गंभीर ने साथ ही कहा कि टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को भारतीय टीम में चुना जाना चाहिए। मैं चाहता हूं कि टी20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएं। हार्दिक पांड्या ने भले ही टी20 इंटरनेशनल मैचो में कप्तानी की, लेकिन मैं अब भी चाहता हूं कि टी20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा की कप्तानी करें। गौतम ने कहा कि वनडे वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा ने दिखाया कि वो बल्लेबाजी में क्या कर सकते हैं। अगर रोहित शर्मा का चयन होता है तो विराट कोहली को अपने आप ही चुना जाएगा। अगर रोहित शर्मा टी20 वर्ल्ड कप खेलने का फैसला लेते हैं तो उन्हें कप्तान के रूप में चुना जाना चाहिए न कि केवल बल्लेबाज के रूप में। बता दें कि रोहित शर्मा के सफेद गेंद भविष्य पर फैसला लेने की खबरें जोरों पर हैं और इस बीच गंभीर के इस बयान से भारतीय कप्तान को निश्चित ही बल मिलेगा। देखना दिलचस्प होगा कि रोहित शर्मा आगामी वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगे या नहीं। बहरहाल, भारतीय टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में व्यस्त हैं। सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम की कमान संभाल रहे हैं।

7वीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी में संजीत, वरिंदर की शानदार शुरुआत

नई दिल्ली:

एशियाई चैंपियनशिप 2021 के स्वर्ण पदक विजेता संजीत (92 किग्रा) और 3 बार के राष्ट्रीय चैंपियन वरिंदर सिंह (60 किग्रा) ने अपने 7वें एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप अभियान की विजयी शुरुआत करने के लिए पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया।एसएससीबी का प्रतिनिधित्व कर रहे संजीत का मुकाबला कर्नाटक के जगदीश्वरन जे. से था, जिन्होंने पहले दौर में ही अपने प्रतिद्वंद्वी को हराने के लिए अपने अनुभव का इस्तेमाल किया। उनके आक्रामक रवैये और जोरदार मुक्कों को संभालना जगदीश्वरन के लिए बहुत मुश्किल था। इस तरह उनके नाम एक आसान जीत रही। अब मंगलवार को राउंड 16 के मुकाबले में संजीत का मुकाबला चंडीगढ़ के सावन गिल से होगा।वरिंदर, जो आरएसपीबी (रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड) के लिए खेल रहे हैं। उन्होंने बिहार के अमलेश कुमार के खिलाफ सावधानी से मुकाबला शुरू किया और शुरुआती मिनटों में अपने प्रतिद्वंद्वी का परीक्षण किया। उन्होंने पहले राउंड को समाप्त करने के लिए कुछ जवाबी हमले किए। अपने पहले दो राउंड के कारनामों से आत्मविश्वास से भरे वरिंदर ने 5-0 से आसान जीत हासिल की। वरिंदर अब रविवार को राउंड 32 के मुकाबले में महाराष्ट्र के विशाल नुपे से भिड़ेंगे। पुरुष विश्व चैंपियनशिप 2023 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले राजस्थान के हर्ष चौधरी (80 किग्रा) ने अपने टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में उत्तर प्रदेश के शिवम सैनी का सामना किया।

उन्होंने अपने त्वरित क्षणों, ताकत और सटीक मुक्कों से अपने प्रतिद्वंद्वी को आसानी से हराया। हर्ष ने यह मुकाबला 5-0 से जीता। अब मंगलवार को राउंड-16 के मुकाबले में उनका मुकाबला जम्मू-कश्मीर के चंद्र देव सिंह से होगा। पंजाब के जशनप्रीत सिंह (71 किग्रा) ने गुजरात के मोहम्मद मोइन शेख के खिलाफ दूसरे दौर में केओ (नॉकआउट) के साथ मुकाबला समाप्त होने के साथ शानदार जीत दर्ज की।छह बार के एशियाई पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा) जो असम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, अपने पहले दौर में बाई मिलने के बाद 32 चरण के दौर से अपना अभियान शुरू करेंगे। सोमवार को उनका मुकाबला हिमाचल प्रदेश के

अभिनाश जामवाल से होगा। इसी तरह विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) जो एसएससीबी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, सोमवार को राउंड 32 के मुकाबले में महाराष्ट्र के शिवाजी के खिलाफ उतरेंगे।चैंपियनशिप में 13 भार वर्गों में कुल 350 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

वसीम अकरम ने बताया वर्ल्ड कप फाइनल में टीम इंडिया की हार का कारण

मुंबई ।

पाकिस्तानी क्रिकेटर वसीम अकरम ने वर्ल्ड कप में भारत की हार का कारण बताया है। वसीम का मानना है कि भारत के पुछल्ले खिलाड़ियों की लंबी सूची होने से केएल राहुल बेखौफ बल्लेबाजी नहीं कर सका और विश्व कप फाइनल में भारत की हार का यह भी एक कारण रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 240 रन बनाये जिसमें राहुल ने 107 गेंद में 66 रन बनाये जिसमें एक ही चौका शामिल था। अकरम ने कहा कि अगर मुझे लगता है कि मध्यक्रम को 'करो या मरो की सोच के साथ खेलना चाहिए था। मैं समझ सकता हूं कि राहुल के दिमाग में क्या चल रहा था। जडेजा के बाद कोई बल्लेबाज नहीं था और उसे जोखिम लिए बिना टिककर खेलना था। फाइनल में भारत को हरफनमौला हार्दिक पंड्या की कमी खली जो मध्यक्रम को संतुलन देते हैं। अकरम ने कहा कि हार्दिक टीम में होता तो राहुल जोखिम ले सकता था। अगर उसने जोखिम लिया होता और आउट हो जाता तो भी लोग उसकी आलोचना करते। उन्होंने कहा कि भारत ने बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाए होते तो मैच की तस्वीर कुछ और होती। वसीम ने तेजी से शुरूआत देने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि उसने पूरे विश्व कप में ऐसे ही खेला। पूरे टूर्नामेंट में किसी ने इसकी शिकायत नहीं की। वह 50 के भीतर आउट होता रहा लेकिन टीम को तेज शुरूआत दी। फाइनल में भी उसने ऐसा किया तो लोग शिकायत करने लगे। वसीम अकरम ने कहा कि वह स्पिन को बखूबी खेलने वाले दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से है। वह फाइनल में मैक्सवेल का शिकार हो गए लेकिन रोहित ने अच्छा खेला और उसे इसमें बदलाव की जरूरत नहीं है।

लखनऊ सुपर जाइंट्स में गौतम गंभीर की जगह ले सकते हैं राहुल द्रविड़

नई दिल्ली ।

लखनऊ सुपर जाइंट्स में गौतम गंभीर की जगह राहुल द्रविड़ ले सकते हैं। क्यों कि अब उनका मुख्य कोच का कार्यकाल शत्म हो गया है, ऐसे में वह कुछ बेहतर करने की सोच रहे हैं। सूत्रों की मानें तो टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में वापसी के बारे में सोच रहे हैं, जिसके वर्तमान प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण टीम इंडिया में द्रविड़ की जगह लेंगे। हालांकि, आगामी सीजन से पहले द्रविड़ के आईपीएल फ्रेंचाइजी में से एक में शामिल होने की खबरें हैं। माना जा रहा है कि अगर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड उन्हें नया अनुबंध नहीं देता है, तो वह बतौर सलाहकार लखनऊ सुपर जाइंट्स से जुड़ सकते हैं। जानकारी` मिली है` कि गौतम गंभीर जोकि लखनऊ के सलाहकार थे, इस पद को छोड़कर आगामी सीजन के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ गए हैं। उनके खाली पद पर संभवत⁓ राहुल द्रविड़ आ सकते हैं। हालांकि राजस्थान रॉयल्स भी अपने पूर्व खिलाड़ी द्रविड़ को वापस लाने की संभावना तलाश रही है लेकिन लखनऊ का प्रस्ताव बड़ा है। वह गंभीर की जगह किसी बड़े क्रिकेटर को ही अपनी टीम का सलाहकार बनाना चाहेगी। गौरतलब है कि राहुल द्रविड़ बतौर कोच अपनी टीम को आईसीसी टूर्नामेंट में जीत नहीं दिला पाए हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में टीम इंडिया इंग्लैंड से हार गई थी जबकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हरा दिया था।

रोहित फिटनेस बना लें तो खेल सकते हैं वर्ल्ड कप : मुरलीधरन

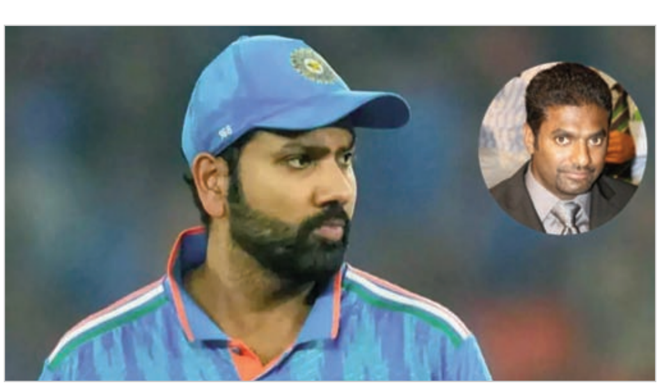

-महान श्रीलंकाई गेंदबाज ने कहा

नई दिल्ली ।

अगर रोहित शर्मा अपनी फिटनेस को विराट कोहली की तरह बेहतर कर लें तो वे आसानी से अगले वर्ल्ड कप को खेल सकते हैं। यह कहना है महान गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन का। उन्होंने बताया है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा साल 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को कैसे खेल सकते हैं। अगले विश्व कप तक रोहित शर्मा 40 और विराट कोहली 39 साल के हो जाएंगे। रोहित शर्मा ने कभी भी क्रिकेट वर्ल्ड कप नहीं जीता है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम को वर्ल्ड कप 2023 में ट्रॉफी उठाने का मौका मिल सकता था, लेकिन लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा और रोहित शर्मा का देश के लिए वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया। अभी अगले वर्ल्ड कप में चार साल का समय है, लेकिन फैंस चाहते हैं कि वे अगला विश्व कप खेलें, लेकिन इसमें कठिनाइयां हैं। वर्ल्ड कप 2023 में 125 के स्ट्राइक रेट से 597 रन बनाने वाले रोहित शर्मा से मुथैया मुरलीधरन खुश हैं। उन्होंने कहा आप उनके वनडे वर्ल्ड कप के प्रदर्शन को देखिए। उन्होंने जो शुरुआत दिलाई, जिस तरह की स्ट्राइक रेट से उन्होंने बल्लेबाजी की। वह टूर्नामेंट में कभी असफल नहीं हुए। और वह अभी 36 वर्ष के हैं और वह युवा हैं। अगर वह विराट की तरह अपनी फिटनेस पर ध्यान दें तो वह एक और विश्व कप खेल सकते हैं।श्रीलंकाई दिग्गज ने कहा, लोग इतनी कठोर बातें क्यों कर रहे हैं कि यह उनके जाने और युवाओं को लाने का सही समय है। जब तक वे फिट होकर प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें खेलने दीजिए। रोहित ने वनडे में 130 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की, जो टी20 के लिए बुरा नहीं है। वह एक अनुभवी खिलाड़ी है। आपको बस 35 के बाद अपनी फिटनेस पर अधिक मेहनत करनी होगी। अगर इच्छा है तो वह खेलेंगे। मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से एक और विश्व कप खेलेंगे। यह उनके दिमाग में है।

उन्होंने रोहित को टी20 प्रारूप में खेलने का भी समर्थन किया और कहा कि वनडे विश्व कप में उनकी स्ट्राइक टी20 के लिए अच्छी थी और वह 2024 में अगला टी20 विश्व कप खेलने की इच्छा रखते हैं, जो निश्चित रूप से वह कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

धोनी की कप्तानी में कई प्रतिभाओं को निखरने का मिला मौका : अंबाती रायुडू

(एजेंसी)

भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी ही ऐसे कप्तान रहे हैं, जिन्होंने अनेक नई प्रे तिभाओं को निखरने का मौका दिया। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान एमएस धोनी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विदेशी खिलाड़ियों सहित कई क्रिकेटरों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराया है। रायुडू ने कहा कि पूर्व भारतीय कप्तान ने अपने शानदार करियर के दौरान कई क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारा और उनका मार्गदर्शन किया। मैच के नतीजों से पता चलता है कि खेल में धोनी के फैसले ज्यादातर समय सही थे। 38 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि अब कोई भी चेन्नई के कप्तान के फैसलों पर सवाल नहीं उठा सकता क्योंकि वह खेल में इतने सफल रहे हैं। रायुडू ने कहा कि हर कोई जानता है कि उसने कई खिलाड़ियों और सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ निकाला है। यहां तक कि वह विदेशी प्लेयरों से भी सर्वश्रेष्ठ निकालने में माहिर है। मुझे लगता है कि यह उसमें है। रायुडू ने कहा कि हालांकि कुछ मौकों पर मुझे थोड़ा आश्चर्य जरूर होता है लेकिन दिन के अंत में आए नतीजों से पता चलता है कि वह 99।9 प्रतिशत सही था। इससे पता चलता है कि वह जानता है कि वह क्या कर रहा है और उसने इसे इतने लंबे समय तक और इतनी सफलतापूर्वक इसे किया है कि मुझे नहीं लगता कि कोई भी भारतीय क्रिकेटर उनके करीब है। भारत के पूर्व बल्लेबाज ने ड्रेसिंग रूम में धोनी के व्यवहार पर कहा कि वह हमारे नेता हैं। वह सिर्फ चिल्लाने के लिए नहीं चिल्लाते। बल्कि वह सूक्ष्मता से बताते हैं कि करना क्या है। बता दें कि आईपीएल 2023 में एमएस धोनी ने रिकॉर्ड 5वीं बार ट्रॉफी हो सिल की थी।

राहुल का आउट होना भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था : इरफान पठान

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल में विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल के आउट होने का मतलब था कि मेजबान टीम आगे नहीं बढ़ पाएगी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 92,453 की भीड़ के सामने राहुल ने सर्वाधिक 66 रन बनाए। लेकिन, उन्होंने 107 गेंदें खेलीं और केवल एक बार बाउंड्री लगाने में सफल रहे क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने उन पर और विराट कोहली पर कड़ी पकड़ बनाए रखी। इसका नतीजा रहा कि यह जोड़ी कभी भी गति नहीं पकड़ पाई और भारत ने मात्र 240 रन बनाए। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने ट्रैविस हेड के 137 और मार्नस लाबुशेन के नाबाद 58 रनों की बदौलत 43 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने अपना छठा विश्व कप खिताब जीता।इरफान पठान ने कहा, यह कठिन था क्योंकि भारतीय टीम पीछे की ओर देख रही थी। वो जडेजा और सूर्यकुमार यादव से अंतिम ओवरों में उम्मीद लगा रही थी। जब केएल राहुल आउट हुए तो मुझे लगता है कि यही वह समय था जब भारत स्कोर में ज्यादा आगे नहीं बढ़ सकता था।पठान ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, जब उन्हें पता चला कि कोई कवर नहीं है, कोई मिड-ऑफ नहीं है।

हार्दिक पांड्या के बाद जोफ्रा आर्चर और कैमरून ग्रीन भी होंगे मुंबई इंडियंस से बाहर

नई दिल्ली ।

मुंबई इंडियंस टीम से हार्दिक पांड्या के बाद जोफ्रा आर्चर और कैमरून ग्रीन भी बाहर हो सकते हैं। क्यों कि मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 को लेकर सख्त फैसले लेती हुई नजर आ रही है। हालां कि पहले खबर आई थी कि मुंबई इंडियंस प्रबंधन ने हार्दिक पांड्या को गुजरात टाइटंस से ट्रेड कर लिया है। अब खबर है कि मुंबई ने जोफ्रा आर्चर और कैमरून ग्रीन को भी रिलीज करने का फैसला कर लिया है। खबर है कि हार्दिक पांड्या के लिए 15 करोड़ रुपए फीस निर्धारित की गई थी। अगर पांड्या मुंबई में आते हैं तो वह सीधे कप्तानी के दावेदार होंगे। गुजरात द्वारा हार्दिक को रिलीज करते ही उनके वेतन कैप में 15 करोड़ रुपए बढ़ जाएंगे जिससे वह और प्लेयर खरीद सकते हैं। जानकारी मिली है कि मुंबई इंडियंस पंड्या की रिलीज क्लॉज को तोड़ने के लिए गुजरात टाइटन्स को अतिरिक्त पैसे भी देगी, जिन्होंने टाइटन्स को उनके पहले सीज़न में प्रतिष्ठित खिताब जीतने में मदद करने से पहले एक उभरते एमआई युवा खिलाड़ी के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी। इसकी असल कीमत का खुलासा करने के अ धिकार बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी के पास ही हैं। बता दें कि कैमरून ग्रीन ने एमआई के लिए आईपीएल 2023 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 16 मैचों में 50.22 की औसत से 452 रन बनाए थे और साथ ही 6 विकेट भी लिए थे। ऐसा लगता है कि मुंबई इंडियंस के पास लंबे कद के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर को रिलीज करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि उन्हें हार्दिक के साथ जुड़ने के बाद अपने संतुलन में सुधारने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर, आर्चर के लिए आईपीएल 2023 का सीजन भूलने वाला रहा। इंग्लिश तेज गेंदबाज, जो राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार फॉर्म में थे, रोहित शर्मा एंड कंपनी के लिए अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे, उन्होंने 5 मैचों में 2 विकेट लिए थे।

आईपीएल से पहले चेन्नई सुपर के दीपक चाहर ने किया कमाल का प्रदर्शन

नई दिल्ली । आईपीएल 2024 के लिए रविवार को सभी 10 टीमें रीटेन करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर सकती हैं। इस बीच एमएस धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने कमाल का प्रदर्शन किया है। लिस्ट-ए टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी के एक मैच में चाहर ने 6 विकेट लेकर अपनी टीम को बड़ी जीत दिलाई। गौरतलब है कि वे टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक भी ले चुके हैं। राजस्थान से खेल रहे दीपक चाहर ने 10 ओवर में 41 रन देकर 6 विकेट झटके। इस कारण गुजरात की टीम सिर्फ 128 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में राजस्थान ने लक्ष्य को 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। 31 साल के तेज गेंदबाज दीपक चाहर आईपीएल 2023 में भी चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे थे। गुजरात की ओर से चिराग गांधी ने 43 तो क्षितिज पटेल ने 31 रन बनाए। हालों कि पूरी टीम 29 ओवर में 128 रन बनाकर सिमट गई। राजस्थान की ओर से दीपक चाहर के अलावा खलील अहमद ने 2 तो अनिकेत चौधरी व साहिल को एक-एक विकेट मिला। जवाब में राजस्थान ने कप्तान दीपक हुडा के नाबाद 76 रन के सहारे लक्ष्य को 28.4 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। जानकार बता रहे हैं कि दीपक चाहर का 41 रन देकर 6 विकेट लिस्ट-ए करियर का बेस्ट प्रदर्शन है। वे अब तक 2 बार 5 विकेट लिए हैं। ओवरऑल लिस्ट-ए करियर में उन्होंने अब तक 59 पारियों में 27 की औसत से 82 विकेट झटके हैं। गौरतलब है कि टीम इंडिया की ओर से दीपक चाहर ने 13 वनडे खेले हैं और 16 विकेट लिए हैं। 27 रन देकर 3 विकेट बेस्ट प्रदर्शन है। चाहर ने 24 टी20 इंटरनेशनल में 29 विकेट झटके हैं। 7 रन देकर 6 विकेट बेस्ट प्रदर्शन रहा है। दीपक चाहर के ओवरऑल टी20 करियर की बात करें, तो वे अब तक 137 मैच में 24 की औसत से 160 विकेट ले चुके हैं। 3 बार 4 और 2 बार 5 विकेट लिया है।

आईपीएल 2024 रिटेंशन:

पंत, वार्नर, शॉ और अक्षर को दिल्ली ने किया रिटेन

नई दिल्ली।

दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को आईपीएल 2024 रिटेंशन डे पर ऋषभ पंत, डेविड वार्नर, पृथ्वी शॉ, अक्षर पटेल और मिचेल मार्श को रिटेन किया है। जबकि, फ्रेंचाइजी ने रोवमैन पॉवेल, सरफराज खान और मुस्तफिजुर रहमान समेत 11 खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है। आईपीएल 2023 में बल्ले से खराब प्रदर्शन के बाद पृथ्वी शॉ को दिल्ली कैपिटल्स रिटेन करेगी या नहीं, इस पर कुछ अटकलें थीं। लेकिन फ्रेंचाइजी ने उन्हें बरकरार रखा है। जबकि मनीष पांडे, सरफराज खान, चेतन सकारिया, रिपल पटेल, कमलेश नागरकोटी और अमन खान को रिलीज कर दिया गया है। डीसी द्वारा जारी किए गए हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों में पॉवेल का नाम रहमान और रिले रोसौव के साथ सबसे ऊपर है। अगले महीने दुबई में होने वाली आईपीएल नीलामी से पहले, डीसी के पास अब 28.95 करोड़ रुपये का पर्स है। उनके पास टीम में नौ स्थान शेष हैं, जिनमें से पांच विदेशी हैं।

रिटेन किए गए खिलाड़ी: ऋषभ पंत, प्रवीण दुबे, डेविड वार्नर, विक्की ओस्टवाल, पृथ्वी शॉ, एनरिक नॉर्टजे, अभिषेक पोरेल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, लुंगी एनगिडी, ललित यादव, खलील अहमद, मिचेल मार्श, ईशांत शर्मा, यश ढुल और मुकेश कुमार।

रिलीज किए गए खिलाड़ी: रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, मनीष पांडे, सरफराज खान, फिल साल्ट, मुस्तफिजुर रहमान, कमलेश नागरकोटी, रिपल पटेल, अमन खान, प्रियम गर्ग और चेतन सकारिया।

मेकर्स को लगता है बड़े स्टार्स ही पैसा ला सकते हैं लेकिन अब चीजें बदल गई हैं

विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म 12वीं फेल कमाल दिखा रही है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि फिल्म इतनी सफल हो जाएगी और ये बॉक्स ऑफिस पर भी रिकॉर्ड बनाने में सफल रही। फिल्म की कास्ट की बात करें, तो विक्रांत मैसी लीड रोल में हैं और एक्ट्रेस मेधा शंकर फीमेल लीड हैं। मेधा एक पढ़े-लिखे संपन्न परिवार से आती हैं और उनका एक्टिंग करियर जरा भी आसान नहीं था।

12वीं फेल बड़ी हिट बन गई है, हर तरफ लीड एक्ट्रेस के तौर पर आपकी बातें हो रही हैं, कैसा लग रहा है?
मैं बहुत ब्लेस्ड महसूस कर रही हूं। मैं कई सालों से मुंबई में हूं और अब जाकर कुछ अच्छा आया है। लोगों का जो प्यार मिल रहा है, वो देखकर बहुत खुशी हो रही है। विधु सर ने बहुत अच्छी फिल्म बना दी है।

आपको इंडस्ट्री में कितने साल हो चुके हैं और शुरुआत कैसे हुई थी?
मैं दिल्ली से हूं और 2017 में मुंबई आई थी। 2018 से ऑडिशन देना शुरू किया था। उसके बाद से अब 6 साल हो चुके हैं। बीचम हाउस से मेरी शुरुआत हुई थी। मैं ऐड के लिए ऑडिशन देती थी लेकिन मिलते नहीं थे। उसके बाद साजिस्तान मिली थी, फिर दिल बेकरार किया। उसमें मैं सेकेंड लीड थी लेकिन मेरी उस वक्त बहुत बात हुई थी। लोगों ने काफी तारीफ की थी।

12वीं फेल कैसे मिली थी?
विधु सर का प्रोसेस बहुत मुश्किल होता है। ऑडिशन में जाकर मैंने ऑडिशन दिया और 10 दिन बाद मुझे स्क्रीन टेस्ट के लिए कॉल आया था। तब मैंने विक्रांत के साथ पहली बार सीन किया था। मैं जब ऑडिशन देकर घर गई तो मुझे लग रहा था कि ये रोल मेरे लिए ही बना है। सर ने मेरे सीन की बहुत तारीफ की थी। विधु सर बहुत सख्त हैं, आप जैसा करोगे वो बोल देंगे कि कैसा है। मैंने घर जाकर पापा को बोला था कि पापा ये फिल्म तो मुझे ही मिलने वाली है। मुझे लग रहा था कि ये रोल मेरी किस्मत का ही है। मुझे अंदर से फिलींग आ रही थी कि ये रोल मेरे लिए ही बना है।

श्रद्धा का कैरेक्टर फिल्म में बहुत मजबूत था। तो आप ये बताएं कि आप उस कैरेक्टर से असल जिंदगी में कितनी मेल खाती हैं?
मैं सच कहूं तो जब मैं और श्रद्धा मैम मिलते थे और जब हम बात करना शुरू करते थे तो हमारी सोच हर चीज पर सेम होती थी। हम बस यही बोलते थे कि हमारा कुछ तो कनेक्शन है। ऐसा कैसे होता है। देश–दुनिया को लेकर भी हमारी सोच एक जैसी ही होती है। ये अक्सर होता था। अब तो हम बड़ी और छोटी बहन के जैसे रहते हैं और बातें करते हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में बड़े प्रोडक्शन कहीं न कहीं सिर्फ स्टारकिड्स को मौका देते हैं, अच्छे एक्टर्स पीछे रह जाते हैं, इस पर कुछ कहेंगी?
आप कितने भी बड़े स्टार हैं लेकिन आपके कंटेंट में दम नहीं है तो फिल्म फ्लॉप हो जाएगी आपकी, जैसा कि हो भी रहा है। मेकर्स को लगता है बड़े स्टार्स ही पैसा ला सकते हैं लेकिन अब चीजें बदल गई हैं। अब चाहिए कि भईया एक्टर अच्छा लाओ। लोगों को अब सिर्फ अच्छे एक्टर्स ही देखने हैं। और चीजें बदल रही हैं। थोड़ा वक्त लगेगा लेकिन मौका जरूर मिलेगा।

शुरू से आपको एक्टिंग ही करनी थी या कुछ और भी बैकअप प्लान था?
मैं बहुत पढ़ाकू सी स्टूडेंट थी स्कूल में। लेकिन मैं परफॉर्म करती थी। हां, लेकिन कभी थिएटर भी नहीं किया था। फिर ग्रेजुएशन के वक्त मुझे मॉडलिंग में ट्राई करना था। फिर मैंने मास्टर्स किया और तब मैं मुंबई आई। मैं जिस परिवार से आती हूं, सब काफी पढ़े–लिखे हैं। मुझे पढ़ाई करनी ही थी। लेकिन मुझे एक्टिंग से बहुत प्यार हो गया था। उसके बाद से तो मुझे एक्टर ही बनना था।

आगामी फिल्म द क्रू में करीना कपूर और तब्बू के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी कृति सेनन

अभिनेत्री कृति सेनन अपनी आगामी फिल्म द क्रू को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री करीना कपूर और तब्बू के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। कृति सेनन फिल्मों के अलावा तमाम विषयों पर अपनी राय देने के लिए भी जानी जाती हैं।

हाल ही में, एक मीडिया बातचीत के दौरान कृति सेनन ने खुलासा किया कि फैशन पुलिस के आने के बाद से सितारों ने अपने लुक को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया हैं। इसके अलावा भी कृति ने कई दिलचस्प बातें साझा कीं। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान जब कृति सेनन से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि फैशन के लिए आराम को छोड़ दिया जाता है? इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि फैशन पुलिस के आने के बाद से सितारों ने अपने पहनावे और लुक को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है। कृति सेनन ने कहा, फैशन पुलिस के आने से हम अपने लुक को लेकर बहुत गंभीर हो गए हैं कि हम कैसे दिखें। मेरा मानना है कि फैशन एक ऐसी चीज है, जिसका हमें आनंद लेना चाहिए। फैशन और आराम को देखते हुए ही हमें अपने लुक का चयन करना चाहिए। आपको बताते चलें कि फैशन पुलिस एक इंटरनेशनल सीरीज है, जिसमें सेलेब्स के ड्रेसिंग सेंस आदि को जज किया जाता है।

इमरान हाशमी के साथ मेरा बॉन्ड बहुत खास है, वे रियल लाइफ में बिल्कुल अलग हैं

निकिता दत्ता फेमिना मिस इंडिया 2012 की फाइनलिस्ट में से एक थीं। उन्होंने साल 2014 में लेकर हम दीवाना दिल से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म को सैफ अली खान ने प्रोड्यूस किया था। साल 2021 में आई फिल्म कबीर सिंह में निकिता ने एक्ट्रेस जिया शर्मा का किरदार निभाया था। फिल्म में शाहिद कपूर के साथ फिल्माए गए सीन को लेकर निकिता को काफी पॉपुलैरिटी मिली। निकिता ने बताया कि इमरान हाशमी एक नो–नॉनसेंस वाले इंसान हैं। उन्होंने अभिषेक बच्चन को मजाकिया कहा। निकिता ने रैपिड फायर सेगमेंट के दौरान पूछे गए दिलचस्प सवालों के मजेदार जवाब भी दिए। निकिता दत्ता ने अभिषेक बच्चन के साथ साल 2021 में द बिग बुल फिल्म में काम किया था। इंटरव्यू के दौरान निकिता ने कहा, अभिषेक बच्चन के साथ काम करने का एक्सपीरियंस बहुत अच्छा था। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर कमाल का है। अभिषेक बच्चन बहुत मजाकिया हैं। बहुत टांग खींचते हैं। वे किसी को नहीं छोड़ते हैं। अभिषेक के पास बहुत कहानियां हैं। जब भी वे सेट पर होते थे, सबको कहानियां सुनाते थे। निकिता ने बताया कि अक्षय और निकिता खुद फिटनेस को लेकर बहुत सीरियस हैं। इमरान हाशमी के साथ निकिता ने साल 2021 में डिबुक फिल्म में काम किया था। उन्होंने बताया कि इमरान एक नो–नॉनसेंस वाले इंसान हैं। वे अपने काम से काम रखते हैं। इमरान रियल लाइफ में अपनी स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग हैं। उनके साथ मेरा बॉन्ड बहुत खास रहा है। इंटरव्यू के दौरान निकिता दत्ता से रैपिड फायर सेगमेंट भी खेला गया।

ऐ वतन मेरे वतन को लेकर बोलीं सारा अली खान

अपनी अदाकारी से दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने वाली अभिनेत्री सारा अली खान इन दिनों अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। अभिनेत्री एक के बाद एक प्रोजेक्ट्स साइन कर रही हैं। अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की तैयारी में लगीं सारा की अगली फिल्म ऐ वतन मेरे वतन रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। अब अभिनेत्री ने अपनी फिल्म को लेकर बड़ा बयान दिया है। अभिनेत्री सारा अली खान ने कहा कि उनकी आने वाली फिल्म ऐ वतन मेरे वतन भारत के स्वतंत्रता संग्राम की एक कालजयी कहानी है जो वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित करने की क्षमता रखती है। बता दें कि निर्माताओं ने भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के चल रहे 54वें संस्करण में सच्ची घटनाओं से प्रेरित थ्रिलर ड्रामा फिल्म का एक विशेष प्रदर्शन प्रस्तुत किया। सारा ने अपनी फिल्म के बारे में बताते हुए कहा, यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित फिल्म है, लेकिन यह एक कालजयी कहानी है। वर्तमान पीढ़ी को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल में त्रिप्ती डिमरी सरप्राइज एलिमेंट हैं?

संदीप रेड्डी वांगा की आगामी फिल्म एनिमल के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर ने दर्शकों को उत्साह से भर दिया है, और एक नाम शहर में चर्चा का विषय बन गया है - त्रिप्ती डिमरी। अपने सशक्त और प्रभावशाली अभिनय के लिए मशहूर, त्रिप्ती की ट्रेलर में झलक ने इस प्रतिशोध की कहानी में उनकी भूमिका के बारे में उत्सुकता और अटकलें बढ़ा दी हैं।

कालाऔर बुलबुल जैसी प्रोजेक्ट में अपने शानदार अभिनय के लिए प्रशंसित त्रिप्ती डिमरी एनिमल में एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। उनकी भूमिका का विवरण गोपनीयता में छिपा हुआ है, जिससे फिल्म में रहस्य का तत्व जुड़ गया है। दर्शकों को गहराई से प्रभावित करने वाले परफॉर्मन्स देने की प्रतिष्ठा के साथ, त्रिप्ती की भूमिका कहानी में महत्वपूर्ण होने की उम्मीद है। प्रसिद्ध अर्जुन रेड्डी निर्देशक, संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित, एनिमल में रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, बॉबी देओल और त्रिप्ती डिमरी जैसे कलाकार शामिल हैं। 1 दिसंबर को रिलीज होने वाली यह फिल्म साज़िश, बदले और त्रिप्ती के मनमोहक परफॉर्मन्स से भरी एक मनोरंजक कहानी होने का वादा करती है। त्रिप्ती फिलहाल भोपाल में अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की शूटिंग कर रही हैं।

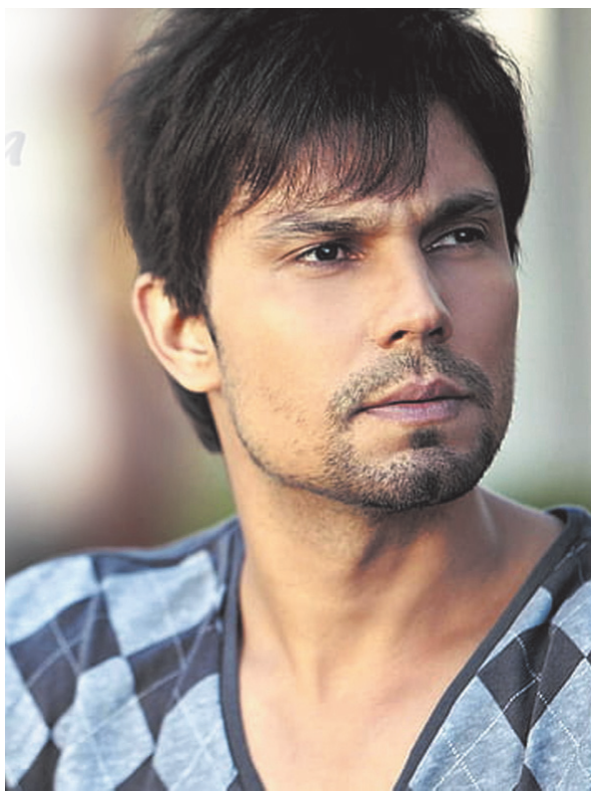

29 नवंबर को लिन लैशराम संग सात फेरे लेंगे रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड के हैंडसम हंक रणदीप हुड्डा अपने जीवन का नया चैप्टर शुरू करने जा रहे हैं। रणदीप हुड्डा लंबे समय से लिन लैशराम को डेट कर रहे हैं। बीते दिन खबर आई थी कि 6 साल की लंबी डेटिंग के बाद कपल जल्द शादी के बंधन में बंधने जा रहा है। वहीं अब खबर आ रही है कि 6 साल की लंबी डेटिंग के बाद कपल जल्द शादी के बंधन में बंधने जा रहा है। अब, हमें उनकी शादी की तारीख और रीति–रिवाजों के बारे में रिपोर्टें मिलीं जो अविस्मरणीय हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रणदीप हुड्डा 29 नवंबर, 2023 को लिन लैशराम संग सात फेरे लेने जा रहे हैं। कपल लिन लैशराम के होम टाउन में शादी रचाएगा। शादी में कपल डिजाइनर आउटफिट को छोड़कर पारंपरिक मणिपुरी ड्रेस पहनेगा। एक करीबी सूत्र के मुताबिक रणदीप और लिन की पारंपरिक मणिपुरी शादी में मणिपुरी खाना और गायक भी होंगे। सूत्र ने इस शादी को बिना फिल्मी तड़का बताया। सूत्र ने आगे बताया कि रणदीप और लिन की शादी उनके करीबी दोस्तों और रिश्तेदारों के बीच शादी होगी। इसके बाद वे दिसंबर 2023 में मुंबई में फिल्म इंडस्ट्री में अपने दोस्तों के लिए एक ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होस्ट करेंगे। इतना ही नहीं शादी से पहले कपल मणिपुर के राजा, लीशेम्बा सनाजाओबा से मिलेंगे। खैर, हम रणदीप हुडा और लिन लैशराम की शादी की झलकियों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

रिवेंज थ्रिलर सीरीज अक्का में राधिका आप्टे और कीर्ति सुरेश होंगी आमने–सामने

एक्ट्रेस राधिका आप्टे और कीर्ति सुरेश यशराज फिल्म्स की अपकमिंग रोमांचक थ्रिलर फिल्म अक्का में एक–दूसरे के आमने–सामने होंगी। एक सूत्र ने कहा, कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे को आज भारत की दो सबसे प्रतिभाशाली महिला अभिनेताओं में से एक माना जाता है। वे अविश्वसनीय रूप से स्वाभाविक कलाकार हैं और स्क्रीन पर एक के बाद एक अविश्वसनीय प्रदर्शन देने वाले टूर डी फोर्स के रूप में उनकी सराहना की जाती है! फैक्ट यह है कि कीर्ति और राधिका को एक–दूसरे के खिलाफ खड़ा किया गया है, जो अक्का को वर्तमान में देश में बनाई जा रही सबसे दिलचस्प स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स में से एक बनाता है! इस प्रोजेक्ट का निर्देशन नवोदित लेखक और निर्देशक धर्मराज शेट्टी द्वारा किया जा रहा है। अक्का के प्रति उनके दृष्टिकोण ने आदित्य का ध्यान खींचा और अक्का को वाईआरएफ एंटरटेनमेंट की अब तक की सबसे बड़ी टेंटपोल सीरीज में से एक बनाने के लिए आदि की संक्षिप्त जानकारी के साथ प्रोजेक्ट को तुरंत हरी झंडी दे दी गई। सूत्र ने कहा, इस सीरीज के इर्द–गिर्द साजिश पैदा करने के लिए वाईआरएफ द्वारा इस परियोजना के हर विवरण को जानबूझकर गुप्त रखा जाएगा।